2879-7744 /87-28-11-87-1,256.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल अवेश राज्यज्ञानन इत्तर प्रकाशित शिक्षता, श्रांतनगर, 28 नवम्बर, 1987 7 लग्रहायण, 1909

					ावचय-सू	WI .			
भाग	1	1	वैधानिक नियमों की क्रमापि	मोच कर हि	माचल प्रदेश के राज्य	गाम भी रहिमाचन ं	प्रदेश हाई कोई।	। श स्रोधनुष्रनारः	1052 1063
भाग	2	7	वैधानिक नियमा को क	লাৰ ৰাখ বিবিদ÷	(विभागों के प्रध्यकों	मीर जिला बैजिस्ट्रेन	ीं द्वारा मधियक	नाग् दृश्यादि	1060
দাশ	3		श्रीविनियम, विश्लेषक श डिमाचन प्रदेश हाई के						10431071
শা শ	4	i	स्थानीय स्वायन शासन:	।योत्रीलयन बार	है, बिस्ट्रिक्ट बोर्क, गोटि	क्षाइड घोर टाउन ।	र्गेश्यानकायकाय	री राज विज्ञान	18.9
भाग	5	1	वैयांश्तक स्राध्यम्भनात्	धीर विकासन					1071 1076
भाग	ti	2	भारतीय राज्यस इत्यानि	देशें संपूजः पर	सम्बन	F 1			_
भाग	7	1	जारतीय निर्वाचन सामी निर्वाचन गम्बन्धः स		Commission of	of India) 🕏	वैधानिक समिन्	नाए नषा घन्य	
7	-	1	धनुपुरक			• •			ř
28 नव	F41	, 1	987/7 चयहागण, 1901	को सभाप्त हो	ने बाजे मध्याह में निम्न	निश्चत विज्ञानियां	'ब्रमाधारण राजप	ब.हिमाचन प्रदेश स	प्रकाशित हुई :-
	1	41	प्स की मच्या	fi	भागका नाम	the second of		विषय	
	1/8		भग्ष0-गष्य 0 ए (5)- विनायः । ६ नवस्यरः	पंचा	यती राज विभाग	ज्ञाहना व	हं उप-प्रधान थी	ण्यानयरोटाबग्बा वृरतीलालकाय मेलागलेलेकेलिए	ाम यंचायत की
	7- 5	97	10 চন চলাং ০-৮৬ (2) 4-60 (৪, ছিলাকা (৪ 7.	कार्यालय	ारायुक्त, क्षमीरपु जिल्हा क्षमीरपुर	ं नःदीन, - विकरी	(3) भीरंग, (ायन समिति (I) 4) सृत्रामपुर टीइ ध्यक्ष, त्रवाध्यक्ष. १ की सूचना ।	हरा, भ्रीर (ड)

(1051)

मारा । कैशानिक नियमों को छोड कर हिमाचन प्रदेश के राज्यपान और हिमाचन प्रदेश हाई कोर्ट हारा अधिस्थनाएं इत्यादि को तेवाने द्वार इन निकार गुल्यों में यान यथिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हरा हिमाचल प्रवेश हाई कीर्ड कोई कमी बा बढ़ीलरी करें ती यह इसकी मुखन। गुराल सरकार तमें निवेशक NOTIFICATIONS वक्षपायम को पुरा धीनित्य बर्भाते हुए भेते ।

Shinla-1, the 2nd November, 1987

No. HIF Admn. 6(23)/74-11-13637, -Consequent upon the grant of 47 days earned leave w.e.f. 1 12-1987 to 16.1 1988, in favour of Shri V K. Gupta, Sub-Judge-rum-Judicial Magistrate 1st Class, Kandaghat, the Hone hie the Chief fustice in exercise of the powers vested in him under rule 1.26 of the H. P. Financial Rules, 1971, Vol. 1, is pleased to declare the Senior Sub Judgenot balicial Magistrate, Solan as Drawing and Dishursing Officer of the Court of Sub-Judge-cum-Judicial Magnitude by Class, Kandaghat, and also the Con-trolling O licer for the pitrpose of T.A. etc. in respect of Class III and IV establishment of the aforgand Court under Head "2014 Administration of Justice" during the leave period of Shri V K Gipta, Sub-Judge cum-ludical Magistrate 1st Class, Kamlaghat or until Shri Gupta returns from leave

Shimla-1, the 6th November, 1987

No HHC/GAZ/14-157/83 13781 -The Hon'ble the Chief Justice and Judges are pleased to grant H days carned leavs with effect from 3-11-1987 to 1111-1987 with permission to avail 14th and 15th Second Saturday and Sunday in favour of Shri A. C. Thalwal, Sub-Judgecum Indicial Magistrate, Amb. District Una

Certified that Shri A. C. I halwal would have continued to officiate as Sub-Judge - um Judicial Magistrate I at Class but for his proceeding on leave for the above period.

Also pertified that Shri A. C. Thalwal is likely to join the same post and at the same station from where he proceeded to avail leave for the above period,

Shimla Lithe 6th November 1987

No. HHC/GAZ/14.19/75-H-13817 .-- The Hon'ble the Chief Justice and Judges are pleased to grant 11 days committed leave with affect from 7-9-1987 to 17-9-1987 in favour of Shi M. R. Verma, Registrar, High Court of Himachal Pradesh, Shimla,

Certified that Shri M. R. Verms would have continued to hold the post of Registrar but for his proceeding on leave for the above period.

Also Certified that Shri M. R. Verms has joined the same post and at the same station from where he proposeded to avail leave for the above period after the expiry of his leave.

> Sav meder R K SHARMA Deputy Registrar (Admn.).

विमायल प्रदेश संस्थार .

पणपालम विवास

र्माध्य वनः

शिमाना-171002. स गई. 1987

गम्या पण्पालन व (६)-7/४2 -- इस विभाग की समिग्रका मंख्या प्रमुशानम-च (८)-7/८३, विमानः 17 मुनाई, 1986 द्वारा वरित मुन्याकम मामान हे परासमी पर राज्यपाल हिमाचल प्रवेश बच्चै 1 980-87 पर्शितन्त्र "क" में बनीये नग् प्रमुपालन विज्ञान के विधिन्न प्रमु गुर्व कुषकुर समुवाय तथा जनमें जन्यावित बरन्तुं और चारा बीच बार्व के वर्षे १०००-४७ के लिए विकय बरों के विश्वीरण को वहले कार्य उपरांता न्वीकृति प्रयास करते हैं । यह कित्रम कर नर्ग 1988-87 में जान रहेती तथा याचि नियमक अधिकारी श्राप्त समय समय पर आजार माच

driver "a"

मृत्याकन मोर्गान चे पारिस प्रमुख्याधः तथा उसने अपात्रिक सम्बद्धाः क गीब संबन्धी चावि की विकास करी की धीमसूचना, वर्ष 1986 87 बुरूल याले धारेणी तक, एण गालन निरेशालय, दिमा का धरेश ।

भंद स संकारधी

(1) वनी चंड्र (रामपुर बुनहरी, गन्दी)	(मृत्य भवः	ii 4)
T11	fars.	प क्ष
	14.4	मावा
1	2	:
एक बाब ने कम (विकाक नहीं)	30	20
। माम वे ४ मार में कल	90	40
3 माम से अमास संक्ष	HD.	+ 0
उपास्ये 4 गाम गेकम	100	86
4 वाम में 8 वास मंश्रम	120	95
ड माय से ६ माम में कम	140	126
G मान में 9 गाम ने कम	160	140
9 माम में 1 वर्ष में कम	180	160
। वर्ग से क्षेत्र नर्थ संक्रम	200	180
इंक वर्ष में ६ वर्ष संक्रम	335	200

(2) रैड्युनेट (जर्मम कैंग्य मर्गामा/पोलवर्ष) तथा नमके प्रमात. जानीय काम (याँव कोई हा) कार्य मन्तती ।

,		
एक मान से कम (विकाक नहीं)	5.5	45
१ माम में % वाम में कब	135	9.5
2 मान से अमाम ने कम	165	130
ामास से ४ माधनकम	198	160
4 माग में 8 माम ने कम	230	190
5 माथ में 6मामसंकम	260	225
6 मान ने 9 नाम ने कम	290	255
७ वाश्यसः। वर्षन कम	325	295
। वर्ष से बेस वर्ष म कम	355	315
बंध वर्ष में 5 वर्ष में कम	385	350
() A		

रेमी भेड (गार्थ समित) ।	१ लाइ सरामा (रम्बूलर)
एक गाम शास-स (विकाक नहीं)	38	30
। साम से 2 माम येकम	# 5	6.5
३ माम मे ३ माम ने कम	120	9.5
उधाम ग्रामान वक्षा	150	130
4 मासमें 5 माम रेक्स	1 80	160
5 मासम् ६ मास्ये क्रम	210	190
8 मार्थ में 9 माश्र में कम	245	225
9 माम में । क्षे गक्य	275	255
1 वर्ग से बंद वर्ष में कम	10.5	
वेड वर्ण है कवर्ष से काम	340	-
- where the same and the St take and the same and the		

1 2		3	गो मानीय पम्				
(4) व्यक्ती महीती (हैं। कृतिह स्रावि एक		स्वयो व	भाव होनारांन की बयन/				
गक माम गेकम (बिकाक नहीं)			नुम वेने नामी	2011-4 14	(1) ((1) (1)	क्यमां में)	
। माग में 2मागमे कथ	40	.1.9		1501	2001	2501	1001
य माम से अमास में कथ	130	195		4	. IF	it	it.
ा गाम में 4 याम राज्य	160	140		2000	2500	3666	र्वाचक
4 मान ने हमान ने कम	190	170					
इ माग में हमान ग कव	325	200		1	2	3	4
ं ने माम म अमाम ल कम	235	235				W-100 may 6	
७ माग में । तर्थ से कम	285	265	ः भागने कम	250	400	6) 69 69	700
। सर्व सं सं वर्ष में कुम	115	295	स्वाम वे 12 वाम स्का	500	400	900	900
रेख वर्ष में इ वर्ष में कम	350	330	12 माम में 18 मान से कम	900	1000	1200	1300
mangana 100 against a a recommenda		**	1 व मीम में अगर	1500	1800	1400	3000
(B) रेम्प्लटभेटण्डा(फ्रामान की सर्ट			डिनगी				* ***
4 1 5 5		म्पया में	15 141.20				
(1) मेका		100 00	(।) सर पशुपाक उपरा	illar trem		a == ==	
(2) मेंड मार्चा		400.00					
वेल म् !	1	300 00	ापरास्य इषका मृत्य ॥ वर्ष व वर्ष में उपरोक्त 200 रूपमा ह				41, 10
and and all de man factories all and	Are ret)		4			****	
नसी मरीयो मेंतृज्द (भ्राप्तान की गई		रुपां मे	(३) इर सर पण का पृथ्य तु	यः प्रतिमी वं	: जि <i>ता पुन</i>	भा होसा ।	
• शेंद्धा		90 00			,		
ें इ मावा		62.00	(उ) बहा पर दीव कियोमी				
			पर प्रजनन का कोई प्रावधान	न हो वहां	काई प्रदर	तिय पंचायन	गा⊣न×
(B) संगोरा बकरी (गिनित)	श्यमे	मन्त्रे	यांच्यात्र प्रगतिशीच किमान	पार्ववनिक वि	月 年 年 1 年	त सर पण्	प्राप्तनात हर
, ., , ,			नगनी विमाग उनका विना म्				
	संग	मादा	कार्मीपर ऐसे पण उपसब्धः। जाम् होगाः।	होंगे। यह रि	नयम मुख	नया दोषण	ने जीमी शर
4 मास ने कम	(विकास	(fants.					
	नहीं }	नहीं)	(4) गंचायत च किसात			संका क्य	क ले सके।
4 मास से छमान ने कम	100	,	जो भी विभाग ने निर्धारित	किया हो	1		
		90		. 4.4. 44.			
स मान से 9 मान से कम	1.36	120	मात्रा समित्रित (सबसे स	चिक्त दूख वेते	क्षामा स	रांत पहले व	यांन तक
स बाग में 9 माम में कम 9 मान में 12 मान से कम	136 176	130		चिक्त दूख वेते		रान पहले न	यांन सक
स बास से 9 शास में कम 9 बास से 12 मान से कम 12 मास से 3 वर्ष से कम	136 170 219	120		चिक्क दूस वेते कि	वालाह नोगाम)		
स बाग में 9 माम में कम 9 मान में 12 मान से कम	136 176	120 150 180	मात्रा समित्रित (सबसे स	धिक दूध वेते कि	वानाम नोपाम) 501	2000	2501
स बास से 9 शास में कम 9 बास से 12 मान से कम 12 मास से 3 वर्ष से कम	136 170 210 250	120 150 180 200		चिक यूग्र वेते कि	वालाह नोगाम)		
स बाम में 9 माम में कम 9 मान में 12 माम में कम 12 माम में 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम	136 170 210 250	120 150 180 200	मात्रा चर्माश्रत (सबसे चा	चिक यूग्र वेते कि	वाला स नोपाम) 503 मे	2000 #	2501 4
स बाम से 9 मान में कम 9 मान से 12 मान से कम 12 मान से 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम नकार्यों के जार मान तक क क्ला है।	136 170 210 250	120 150 180 200	मात्रा समित्रित (सबसे स	चिक यूग्र वेते कि	वानाम नोपाम) 501 मे	2000 # 2500	250) # 3000
स बाम से 9 मान में कम 9 मान से 12 मान से कम 12 मान से 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम नकार्यों के जार मान तक क क्ला है।	136 170 210 250 द्वा कुल वैस्पू के जिल सुरुष सम्प्रको	120 150 180 200 (fara	मात्रा चर्माश्रत (सबसे चा	चिक यूग्र वेते कि	वाला स नोपाम) 503 मे	2000 # 2500	250) # 3000
स बाम से 9 मान में कम 9 मान से 12 मान से कम 12 मान से 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम नकार्यों के जार मान तक क क्ला है।	130 170 210 250 एन्य बुक कैन्यु के लिए	120 150 180 200	मात्रा चर्माश्रत (सबसे चा	चिक यूग्र वेते कि	वाला स नोपाम) 503 मे	2000 n 2500 J	250) 明 3000 4 (年时)
स साम से 9 साम से कम 9 साम से 12 मास से कम 12 साम से 2 वर्षों से कस 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वकार्यों के चार साम तक के वेचकी हैं। हैं जिसार हैं:————————————————————————————————————	136 170 210 250 द्व्य कुंक कैल्यु के जिल मृत्या रूपको ।	120 150 180 200 1 Jarri 1 Jarri 1 High	माता चीत्रीश्चन (सबसे घ्रा घाष् 1 6 साम म कम	चिक यूग्र वेते कि	वाला स नोपाम) 503 मे	2000 # 2500	250) 明 3000 4 (年时)
स बाय से 9 साम से कथ 9 साम से 12 साम से कथ 12 साम से 2 वर्ष से कथ 2 वर्ष से 5 वर्ष से कथ वकार्यों के बार साम तक के बच्चों है। व जिल्लित हैं:	135 170 210 230 230 वृत्य क्क कैन्युक जिल सृत्य स्पार्थ ।	120 150 180 200 गुनिम्म में मान्य सावा	सादा चीक्रीश्रन (सबसे प्रा प्राय्	चिक यूग्र वेते कि	वाजर म नोपास) 503 मे ७७॥ 2	2000 of 2500 d	2501 年 3000 4 (年前) 160 220
स नाम ने भ्रमान के प्र श मान ने 12 मान ते कप 12 मान ने उपो में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम उक्तारों के बार मान तक क वच्चों है। व जिल्ला हैं:	13b 170 210 250 द्वा कुरु कैस्यू के जिल सुरुप स्पत्न :	120 150 180 200 1	माता चीत्रीश्चन (सबसे घ्रा घाष् 1 6 साम म कम	चिक यूग्र वेते कि	वानर इ नोपास) 501 मे 9000 2	2000 8 2500 3 1500 2100 2800	2501 4 3000 4 (***)*** 160 220 270
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 भाग से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कस 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वकांग्यों के चार साम तक क वंच्यों है। है जिलात हैं:	135 170 210 250 इस्स क्क कैस्यू के जिला सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः	120 150 180 200 1	नावा चीत्रीश्रन (सबसे घो घाय 1 6 सास संक्रम 6 माल से 12 माल से क्रम	चिक यूग्र वेते कि	वानर इ नोपाम) 501 मे 9000 2	2000 of 2500 d	2501 8 3000 4 (819) 160 220 270
स नाम ने भ्रमान के प्र श मान ने 12 मान ते कप 12 मान ने उपो में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम उक्तारों के बार मान तक क वच्चों है। व जिल्ला हैं:	13b 170 210 250 द्वा कुरु कैस्यू के जिल सुरुप स्पत्न :	120 150 180 200 1	मादा चित्रिश्चन (सबसे प्रा प्राय् 1 	विका पूर्व के ने कि	नाजर इ नोपास) 503 वे (660 2 1400 2500 2500	2000 # 2500 3 4500 2100 2400 3000	2501 8 3000 4 (*********************************
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 भाग से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कस 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वकांग्यों के चार साम तक क वंच्यों है। है जिलात हैं:	135 170 210 250 इस्स क्क कैस्यू के जिला सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः	120 150 180 200 1	मादा चित्रिश्चन (सबसे प्रा प्राय् 1 	विका पूर्व के ने कि	नाजर ज नोपाम) 501 मे 1400 2000 2500 2900	2000 # 2500 3 1500 2100 2400 3000	2501 4 3000 4 (* i7) 169 220 270 310 400
स साम से 9 साम से कम 9 साम से 12 साम से कम 12 साम से कम 12 साम से कम 2 वर्षों से कम 2 वर्षों से 5 वर्षों से कम 2 वर्षों से 5 वर्षों से कम 2 साम तक क वर्षा को 15 वर्षों से वर्षों से 5 वर्षों से कम 2 साम तक क वर्षा को 15 वर्षों से कम से 4 साम से कम 3 साम से 4 साम से कम 3 साम से 4 साम से कम	135 170 210 250 इस्स क्क कैस्यू के जिला सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः	120 150 180 200 1	मादा चित्रिश्चन (सबसे प्रा प्राय् 1 	विवक दूध वेते कि	(वाजर म जोपास) 503 में 1900 2 1400 2500 2500 2900	2000 # 2500 3 1500 2100 2400 3000 3501	2501 料 3000 4 (下)剂 160 220 270 310 400 利
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 भाग से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कस 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वकांग्यों के चार साम तक क वंच्यों है। है जिलात हैं:	135 170 210 250 इस्स क्क कैस्यू के जिला सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः सुरुष सम्बद्धाः	120 150 180 200 1	मादा चित्रिश्चन (सबसे प्रा प्राय् 1 	विवक दूध वेते कि	(वाजर म जोपास) 501 में 1900 2 2000 2500 2900 3001 में	2000 # 2500 3 1500 2100 2800 3000 3501 # 4090	2501 和 3000 4 (下) 160 220 270 310 400 中 可知
स साम में 9 मान में कथ 9 मान में 12 मान से कथ 12 मान में 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम वक्तार्यों के चार मान तक क वच्चों का व जिल्ला हैं	13b 170 210 250 द्वा कुरु कैस्यू के जिल मृत्या स्पत्न : मृत्य स्पत्न : मृत्य	120 150 180 200 (मादा चित्रिश्चन (सबसे प्रा प्राय् 1 	विवक दूध वेते कि	(वाजर म जोपास) 503 में 1900 2 1400 2500 2500 2900	2000 # 2500 3 1500 2100 2400 3000 3501	2501 料 3000 4 (下)剂 160 220 270 310 400 利
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 धाम से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कस 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वक्तांगों के चार साम तक के बच्चों का व जिल्ला हैं:	13b 170 210 250 द्वा कुरु कैस्यू के जिल मृत्या स्पत्न : मृत्य स्पत्न : मृत्य	120 150 180 200 (सारा चित्रिश्चन (सबसे घो घाष् 1 6 सारा म कम 6 मोत्रा में 12 मोता से कम 12 मोता से 18 मोता से कम 13 मोता से ज्योग तक	विक्क दूध वेते कि	चालर ह नोधाम) 501 में 9000 2 2000 2500 2900 3001 में	2000 # 2500 3 1500 2100 2400 3000 3501 # 4000 6	2501 第 3000 4 (下的) 160 220 270 310 400 前 可知
स साम में 9 मान में कथ 9 मान में 12 मान से कथ 12 मान में 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम वक्तार्यों के चार मान तक क वच्चों का व जिल्ला हैं	13b 170 210 250 द्वा कुरु कैस्यू के जिल मृत्या स्पत्न : मृत्य स्पत्न : मृत्य	120 150 180 200 (सावा स्वीतीश्रन (सबसे प्रा प्राप् 1 6 भाग न कम 6 भाग ने 12 भाग ने कम 12 प्राप्त ने 18 भाग ने कम 13 प्राप्त ने स्थान तक	चिक पूर्व वेते कि	वालर ह नोबाम) 504 में 6000 2 2000 2500 2900 3001 में 6.5500 5	2000 87 2500 3 1500 2100 2800 3000 3501 \$ 4000 \$	2501 स 3000 4 (म मो 169 220 270 310 400 सोका 7
स साम में 9 मान में कथ 9 मान में 12 मान से कथ 12 मान में 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम वकारणों के चार मान तक क वच्चों हा व जिल्ला हैं	13b 170 210 250 द्वा कुक कैस्यू के जिल सूच्या स्थापन के जिल सूच्या स्थापन के जिल 25 35 45 65	120 150 140 200 (मादा चित्रीश्रम (सबसे प्रा चाय् 1 6 साम म कम 6 माम में 12 मान से कम 12 मान में स्थान तक 13 मान में स्थान तक	चिक पूज वेते कि	(बाजर ह नोधाम) 503 में (460) 2000 2500 2900 3001 में (3500 5	2000 # 2500 3 1500 2100 2800 3000 3501 # 4090 8 1900 2500	2501 中 3000 4 (下河) 160 220 270 310 400 前 明知 7
स साम स १ आग स कथ १ मान से १ मान से 12 भाग से कथ 12 भाग से कथ 2 वर्ष से कम 2 वर्ष से कम 2 वर्ष से कम वक्त के से कम वक्त से से १ वर्ष से कम तक के से बच्चे के मान से कम 1 मान से 2 आग से कम 3 मान से 4 आग से कम 3 मान से 4 आग से कम 1 साम से 2 मान से 3 मान से कम 1 साम से 3 मान से 4 मान से कम 1 साम से 3 मान से 4 मान से कम 1 साम से 3 मान से 4 मान से कम 1 साम से 3 मान से 4 मान से कम 1 साम से 3 मान से 4 मान से कम 1 साम से 4 मान से 4 से	13b 170 210 250 एस्स क्क कैल्यू के जिल सुरुष स्पत्नो : सुरुष 25 35 45 55	120 150 140 200 (निम्म में मादा शवा 20 30 40 50	सारा चित्रिश्च (मनसे घा चाय् 1 तथान म कम तभाम ने 12 मान ने कम 12 मान ने स्थान तक 13 मान ने स्थान तक 14 मान ने स्थान तक	चिक पूज वेते कि	1 संवार म नीपास) 503 मे 9000 2 2000 2500 2900 3001 मे 1500 5	2000 # 2500 3 2500 3 2500 2100 2400 3000 3501 # 4090 K 1900 2500 3000	2501 8 3000 4 (* iri 160 220 270 310 400 8 uiss 7 210 320
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 धाम से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कस 2 वर्षे से 5 वर्षों से कस वकांग्यों के चार साम तक के वंश्वों का व विलिया हैं: एक माम से कम । साम से 2 साम से कम 3 साम से 3 साम से कम उत्तर से 3 साम से कम विलिया प्रकार से कमी की जाएगी पांच वर्षे ब इसगे अगर की बाग् वाली विशेष प्रकार से कमी की जाएगी 4 वर्षे से 6 वर्षे में कम 8 वर्षे से 7 वर्षे में कम	13b 170 210 250 (त्य क् के किया मृत्या महाने के किया मृत्या महाने के किया 15 35 45 65	120 159 180 208 1	मादा चित्रीश्रम (सबसे प्रा चाय् 1 6 साम म कम 6 माम में 12 मान से कम 12 मान में स्थान तक 13 मान में स्थान तक	चिक पूज वेते कि	(बाजर ह नोधाम) 503 में (460) 2000 2500 2900 3001 में (3500 5	2000 # 2500 3 1500 2100 2800 3000 3501 # 4090 8 1900 2500	2501 8 3000 4 (* iri 160 220 270 310 400 8 uiss 7 210 320
स साम में 9 मान में कप 9 मान में 12 पान से कप 12 मान में 2 योग से कप 2 वर्ष में 5 वर्ष में कम यकारणों के चार मान तक क वच्चों का व विवास में किया एक मान से कम 1 मान से 2 मान से कम 3 मान से 3 मान से कम उत्तर में व इस्ता अंदर की ब्राल् वाली निकास प्रकार में कमी की जाएगी 5 बक्ष में 8 वर्ष में कम 9 वर्ष में 7 वर्ष में कम 9 वर्ष में 8 वर्ष में कम	13b 170 210 250 ह्या कुक कैस्यू के जिल मुख्य स्थापके जिल मुख्य स्थापके जिल 25 35 45 65	120 150 180 208 (नावा चित्रिश्च (मबसे घो चाय् 1 6 साम में कम 6 माम में 12 मान से कम 12 माम में न्यान तक 13 माम में न्यान तक 6 जाम प 12 मान से कम 12 माम में कम 8 जाम प 12 मान से कम 13 माम में कम	चिक पूर्व वेते कि	त्रांवर ह ने विकास 2000 2000 2000 2500 2500 2500 2500 2000 2	2000 # 2500 3 1 1500 2100 2400 3000 3501 # 4000 8 1900 2500 3000 2400	250) 中 3000 4 (下) 190 220 270 310 400 中 177 210 270 360
स साम से 9 साम से कम 9 साम से 12 साम से कम 12 साम से कम 12 साम से कम 2 वर्षों से कम 2 वर्षों से कम 2 वर्षों से 5 वर्षों से कम वर्षों के बार साम तक के बच्चों का का किया है कि साम से कम 1 साम से 2 साम से कम 3 साम से 4 साम से कम 3 साम से 4 साम से कम 1 साम से 2 साम से 3 साम से कम 1 साम से 4 साम से कम 1 साम से 4 साम से कम 1 साम से 4 साम स	13b 170 210 250 एस्य क्क कैल्यू के जिल सुरूप स्पत्नी : सूर 25 35 45 55	120 150 150 150 150 150 150 150 150 150 15	सारा चित्रिश्च (मनसे घा चाय् 1 तथान म कम तभाम ने 12 मान ने कम 12 मान ने स्थान तक 13 मान ने स्थान तक 14 मान ने स्थान तक	चिक पूर्व वेते कि	त्रांवर ह ने विकास 2000 2000 2000 2500 2500 2500 2500 2000 2	2000 # 2500 3 1 1500 2100 2400 3000 3501 # 4000 8 1900 2500 3000 2400	250) 中 3000 4 (下) 190 220 270 310 400 中 177 210 270 360
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 साम से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कम 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वकांग्यों के चार साम तक के वेचको है। व जिल्ला हैं:	13b 170 210 250 250 प्रत्य क्ष कैल्य के लिए मृत्य लख्यों। सर 25 35 45 65	120 150 200 1 में 10 200 1 में मादा मादा 20 30 40 50 भी परा में भी परा में	सावा समिश्रित (मबसे स्रो साय् 1 स्थान ने कम श्रिमान ने कम 12 मान ने कम 12 मान ने व्योग तक 13 मान ने व्योग तक 14 मान ने व्योग तक 15 मान ने कम 12 मान ने कम 12 मान ने कम 13 मान ने कम 16 साव ने भाग ने कम	থিক পুথ বঁট কি , , , , , , ,	त्रांवर ह ने विकास 2000 2000 2000 2500 2500 2500 2500 2000 2	2000 # 2500 3 1 1500 2100 2400 3000 3501 # 4000 8 1900 2500 3000 2400	4501 可 3000 4 (下时 220 270 310 400 可 157 7 7 210 320 360
स साम से १ आग से कथ 9 मान से 12 मान से मान 2 वर्ष से कथ 12 मान से कथ 12 मान से कथ 2 वर्ष से कम 2 वर्ष से कम 3 वर्ष से कम 3 वर्ष से कम 3 वर्ष से कम 4 वर्ष से कम 4 वर्ष से कम 4 वर्ष से कम 4 वर्ष से 4 वर्ष से कम 4 वर्ष से 7 वर्ष से कम 8 वर्ष से कम 9 वर्ष से कम	13b 170 210 250 इस्स क्क कैस्यू के जिल सून्य स्पत्न 25 35 45 65 सेडी तथा क्कांट्यों के 22 23 36 37 38 38 38 38 38 38 38 38	120 150 200 1 form i strat 40 50 1 terr ii stran stran stran stran stran stran	सारा समित्रित (मबसे प्रा साय 1 6 साम म कम 6 माम में 12 मान से कम 12 मान से स्थान तक 13 मान में स्थान तक 6 मान सं 12 मान से कम 16 मान से साम में कम 16 मान से स्थान तक	चिक पूर्व वेते कि १ प्राचिक पूर्व	नावा स्न नोवास) 501 वे 900 2 1400 2500 2500 2900 3001 वे 1700 2800 3200 का प्रांति	2000 # 2500 3 1 1500 2100 2400 3000 3501 # 4000 8 1900 2500 3000 2400	4501 可 3000 4 (下) 100 220 220 270 310 400 前 幅(新 77 210 250 250 270 310 400 前 (新 400 前 400 前 400 600 600 600 600 600 600 600 600 600
स साम से 9 साम से कथ 9 साम से 12 साम से कथ 12 साम से 2 वर्षों से कम 2 वर्षे से 5 वर्षों से कम वकांग्यों के चार साम तक के वेचको है। व जिल्ला हैं:	13b 170 210 250 इस्स क्क कैस्यू के जिल सून्य स्पत्न 25 35 45 65 सेडी तथा क्कांट्यों के 22 23 36 37 38 38 38 38 38 38 38 38	120 150 200 1 form i strat 40 50 1 terr ii stran stran stran stran stran stran	सावा समिश्रित (मबसे प्रां प्राय् ह भाग न कम ह गाम ने 12 मान ने कम 12 मान ने 18 भाग ने कम 13 मान न न्यांत तक ह मान न न्यांत तक 12 मान न न कम 12 मान न कम 13 मान न कम 16 मान न न्यांत तक कुछाक नाम सबन (क) 1500 किलोधान नव (क) 1500 किलोधान न	चिक पूर्व वेते कि । प्राचिक पूर्व चिक्रक पूर्व चिक्रक प्राचिक	नावा म नोवा म 501 के 900 2 2 2000 2500 2500 2900 3001 के 1500 2000 2100 2000 3200 4	2000 n 2500 .1 159D 2400 3000 3501 6 190D 2400 2400 2400 2400 2400 400 2400 6	2501 前 3000 4 (下於 160 220 270 310 400 前 177 210 220 230 310 400 前 176 247 310 400 前 177 320 320 320 320 320 320 320 320
स साम स 9 साम स कप 9 साम से 12 साम से कप 12 साम से कप 12 साम से कप 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में कम व वर्ष में कम व वर्ष में कम व वर्ष में कम 1 साम से कम 1 साम से कम 2 साम से कम 2 साम से 3 साम से कम 3 साम से 4 साम से कम 4 साम से 4 साम से कम 7 वर्ष से 8 वर्ष में कम 8 वर्ष में 7 वर्ष में कम 8 वर्ष में 10 वर्ष में कम 9 वर्ष में 10 वर्ष में कम 9 वर्ष में 10 वर्ष में कम 1 वर्ष में 10 वर्ष में 10 वर्ष में कम 1 वर्ष में 10 वर्ष	13b 170 210 250	120 150 140 200 ग्रांनम्न में मादा संद्या 20 30 40 50 प्रांनम्न प्रांनम्न प्रांनम्न प्रांनम्न प्रांनम्न	सावा समित्रित (सबसे प्रा प्राप् 1 6 साम म कम 6 माम में 12 मान में कम 12 साम में कम 13 माम म न्यांन तक 6 माम स 12 मान में कम 13 माम में कम 16 माम में कम कुछाक नाम मबस (क) 1500 किलोसाम में (त) 2001 किलोसाम में	ঘিক বুল বঁন কি , , , , , , , , , , , , ,	नावा म नोवाम) 503 के 8000 2 2000 2500 2900 3001 के 1700 2300 3200 का प्रांच	2000 n 2500 .1 159D 2400 3000 3501 6 190D 2400 2400 2400 2400 2400 400 2400 6	2501 第 3000 4 (下於 270 210 210 400 前 17 210 270 320 360 350 360
स साम से असाम से कप 9 मान से 12 मान से 12 मान से कप 12 मान से कप 12 मान से कप 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में कम 3 वर्ष में कम 4 वर्ष में से सम 4 वर्ष में से कम 4 वर्ष में 7 वर्ष में कम 4 वर्ष में 7 वर्ष में कम 4 वर्ष में 8 वर्ष में 8 वर्ष में कम 4 वर्ष में 8 वर्ष में कम 4 वर्ष में 8 वर	13b 170 210 250	120 150 140 209 ग्रांनम्न में मादा संद्या 20 30 40 50 प्रांनम्न प्रांनम्न प्रांनम्न प्रांनम्न प्रांनम्न	सारा चर्जाञ्चन (मनसे प्रां प्राप् 1 6 साम म कम 6 माम मे 12 मान ने कम 12 मान में कम 13 मान में न्यान तक 6 जाम प 12 मान से कम 13 मान में न्यान तक पूजान गांव सबत (क) 1500 किलोचाम मंद (म) 2401 किलोचाम मंद (म) 2401 किलोचाम मंद्र	ঘদিক বুথ বঁন কি / যাধক বুথ 6 2000 কিবা 2000 কিবা 2000 কিবা	नावा ह नावा है। ने (1909 2000 2000 3001 वे (1909 2500 2500 2500 3001 वे (1909 2500 300) का प्रांत नक नावा नक	2000 n 2500 .1 159D 2400 3000 3501 6 190D 2400 2400 2400 2400 2400 400 2400 6	2501年 月1000年 4 (下曜 169 220 270 310 4 4 4 4 7 210 270 320 360 350 350 350 350 350 350 350 360 360 360 360 360 360 360 360 360 36
स साम स १ साम स कम १ मान से १ मान से 12 मान से कम 12 मान से कम 2 वर्ग में कम 2 वर्ग में कम 2 वर्ग में १ वर्ग में कम वक्त मान से कम वक्त मान से कम वक्त मान से कम 1 मान से 2 साम से कम 3 मान से 4 साम से कम 3 मान से 4 साम से कम 4 साम से 4 स	136 170 210 250 250 इस क्षेत्रपु के जिला मृत्या स्थान का स्थान 25 35 45 55 भीडी तथा वकारयों के 10 26 25 31 31 31 32 33 34 35 45 45 55	1200 1500 2000 ए निम्म मार्चा याज्ञ 400 500 प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन प्रतिमन	पाना चित्रिश्चन (मनसे प्रां प्राप् 1 6 थान न कम 6 पान ने 12 मान ने कम 12 मान ने 18 मान ने कम 18 मान न स्थान तक 6 बान प 12 मान में कम 18 मान ने स्थान नक पूजांक नाय मदन (क) 1500 किलोधान नव (क) 2401 किलोधान ने (म) 2401 किलोधान में	আধিক বুল বঁন কি য়াধিক বুল ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১	वाजा म वोजाम) 2000 2500 2500 3001 वे 3001 वे 3200 का प्रांत न	2000 n 2500 .1 159D 2400 3000 3501 6 190D 2400 2400 2400 2400 2400 400 2400 6	250) 年 3000 4 (末) 150 270 310 400 章 電好 210 320 360 360 360 360
स साम से असाम से कप 9 मान से 12 मान से 12 मान से कप 12 मान से कप 12 मान से कप 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में कम 2 वर्ष में कम 3 वर्ष में कम 4 वर्ष में से सम 4 वर्ष में से कम 4 वर्ष में 7 वर्ष में कम 4 वर्ष में 7 वर्ष में कम 4 वर्ष में 8 वर्ष में 8 वर्ष में कम 4 वर्ष में 8 वर्ष में कम 4 वर्ष में 8 वर	135 170 210 250 250 इस्य क्क कैस्यू के लिए मृत्य स्थान के लिए मृत्य स्थान कि जिल्हा 35 45 65 भेडी तथा ककारयों के 16 26 25 31 31 31 31 31 31 31 31 31 31 31 31 31	120 150 200 गंगिम्म मंगावा 20 30 40 50 प्रतिवान प्रतिवान प्रतिवान प्रतिवान प्रतिवान प्रतिवान प्रतिवान प्रतिवान	सारा चर्जाञ्चन (मनसे प्रां प्राप् 1 6 साम म कम 6 माम मे 12 मान ने कम 12 मान में कम 13 मान में न्यान तक 6 जाम प 12 मान से कम 13 मान में न्यान तक पूजान गांव सबत (क) 1500 किलोचाम मंद (म) 2401 किलोचाम मंद (म) 2401 किलोचाम मंद्र	আৰু বুল বুল বুল বুল বুল বুল বুল বুল বুল বু	वाजा म वोजाम) 2000 2500 2500 3001 वे 3001 वे 3200 का प्रांत न	2000 n 2500 .1 159D 2400 3000 3501 6 190D 2400 2400 2400 2400 2400 400 2400 6	4501 可 3000 4 (下时 220 270 310 400 可 157 7 7 210 320 360

विशेषी पण :-

(1) 1970-71 तथा 1971-72 में मार्ग्नेलिया में घासान किये

नमे जमी पत्रु।	
मन्द	मूल्य पहुंच (रूपये)
and the second of the second of the second	
श्रमितिन जमी बलिक्सी/माड	400 छ प्रति प्रम्

(2) भागतीय देरी निगम द्वारा 1972-73 में भाषान किए गये जमी/हीसप्टेन कीजियन पक् ।

धर्मिकित नहीं होन्य्टेन की जियन गाय कहिया

प्रति पण् (3) 1976-77 में मान्द्रेनिया में भाषात किये जर्मी,होलस्टेन कीनियन पण

क्ययं प्रति पश

7790

(1) जनीं बर्छारयो	7188 00
2) होलस्टेन फीक्सिन क्लडियां	9023.00
 जर्मीसार 	9134.00
4) होलस्टैन फीडियन गांव	12789 00

चाथा जसी/हालस्टेन बाधे ने ब्रधिक जमी.

होलम्टेन काम कास (कार्य) (814) मादा सावा 6 मास में कम 50 850 60 950 6 बाल से । वर्ष ने कम 1300 1400 । वर्ष में 2 वर्ष में कम 110 1800 140 1900 2 वर्ष से 3 वर्ष ने कम 140 2350 160 2450 3 वर्ष से 4 वर्ष से कम 180 2750 220 2850

गाय क बारे ---

गायों का कुल पुल्य निकासने के लिए प्राथमिक मृत्यों के साथ निम्नानित्वन निषमाको स्थान में रखें,—

1 सम्मेनती होने पर इस मान् संघ की कुन सल्यापर 10 में 15 प्रतिभन पहले 5 साम व उसके बाद कसना म्रामिक सल्यानिया त्रायेगा।

 प्रतिधित हर एक चिटर दूध उत्पादन पर 25 रुपये अधिक निया इस्मिता।

3. यदि गांव 5वी या (श्र्वी बार स्थाही गई हो तो वास्तविक बक देख्य को उन गांव कं भावने निल्ही गई हो ने 10 प्रतिनात भूत्य कस थिया नायेगा यदि गांव प्रत्नी या इवने घरिण्य कार स्थाही गई हो नो दास्त्रविक कर देख्य को नायने निल्ही गई हो ने 20 प्रतिनात कम मृत्य निया आयेगा परन्तु किसी भी देखा में खॉम्मप्रित गांव को मृत्य 700 रूपये में कम नहीं होता।

 नर तथा भाषा पश्च का मृत्य दमरे प्रदेशा के निए 100 प्रतिकृत स्थिक होता ।

न नयं भाषान किये वये नभी होजब्देन फीजियन नाय/बम्मीक्यां/ स्थार का मृत्य भारत में पहुंचने का मृत्य ही उनकी बक बैन्यू निर्माणित किया गया है।

बार वर्ष में समित काम देव बैल साव

4--- 5 वर्ष की माय के लिए 5 प्रतिशत का बहाता ।

5--- स वर्ष की भाग के जिए 10 मनिजन का बढ़ाता।

6-7 वर्षे की सायु के लिए 15 प्रतिजन का बद्धाना।

7-- 8 वर्ष की आयु के लिए 20 प्रतिकृत का बदाना

9--- 9 वर्ष की साधुके जिल् 5 प्रतिकाल की कथी। 9---- 10 वर्ष की तथा उसमें धींश्रक साथ के जिल 10 प्रतिकाल की कभी की नाथ। गव्दी कुले तथा शीमा कुनी कुले :---

	(with	1 11)
1	2	3
3 भाग मे कम	50	40
3 माम ने 6 मान में कम	80	60
6 माम में 9माम में क य	110	**
9 मान ने बभिक	150	130

22 (12)

राम की वरें :---

ग्रेड 6 रुपये प्रति किलोग्राम जीवित भारः। चकरी 7 रुपये प्रति किलोग्राम जीवित भारः।

कम्पोबिट घषना दुम्प्र परियोजना (सरकारी फार्म) ।

निरंशक, पश्चामन विभाग, हिमानन प्रदेश, विभिन्न दुष्य वार्याक्षमाओं के धानाने दुष्य के क्रम धुम्य नचा दुष्य व दुष्य पदार्थ के किया सुन्य वाजार में समय-समय पर उत्तार बहान की क्यान में रखने हुए जिल्लीएन करेगा। राज्यानी काली पर उत्तावित दुध क दुष्य पदार्थों का विक्रम मूल्य भी निरंशक, पश्चामन विभाग, हिमानन प्रतेश हारा पार्थी तथा उपनिवेशक (बृष्य) की संस्काणिनों पर निर्धाण, विभाग वार्यान विभाग सम्मान परिवाल करा प्रदेश किया करा प्रति होता है। स्थानन क्षम स्थान करा प्रति होता न

धरुरे

दरे मधी कामों के लिए (पीओ तथा डापरी के ब्रांतरिक्त)

		TI J	गरद ऋा	
1	म्रप्रैल से	30 मितस्बर तक)	(1 सक्तूबर मे 3)	मान तक
	ल्बेड	50 पैम	ए ग्रेंड	60 ŤĀ
	वी ग्रंड	45 पैसे	त्री सेष	5 4 AB

पीमो तथा टापरी के जिल्

ए केट की सेव	हर पैसे 55 पैसे	70 पै 65 पै	

दरे:--नमें स्टेन वाली 10 सप्ताह में 23 मप्ताह तक की मुर्गी कें मण्डों का विजय मृत्य.

योग्म	ऋतु	शर्व	कत्	4.	A	7
20 गैमे		30	पैस			
				-		77.0

नाए स्टेन के उपरोक्त सण्डों के मृत्य प्रधारी अधिकारी 5 पैसे तक कम न अधिक बाजारी मान को रेख कर, कर सकता है।

हैचिंग के लिए प्रण्डे का सृत्य प्रत्येक प्रण्डा 1.50 किया ।

कुनकुर

वानं के निए प्रति कियोशाम सभी कार्मीके सितः (पीम्रो कटापरीकं मृतिरिक्त)

नग्य चार् दीस्म छन् वीचिन मार 16 स्पर्ध 15 स्पर्ध कोमकं वाने के लिए 23 रुपये 22 रुपये वीष्म ऋतु

नारव ऋर्

भाग् संग

R- 9

9-10

नीयों व टापरी से लिए

11.00

8.50

				9-10		
जीवित भार		19 244	17 रुप्ये	10-11	9.50	12.00
इरेमद स्थान के		26 श्वयो	25 व्यये	11-12	10.50	13.00
	(पीयां व टापरी के	40 .14	20 1.	12-13	11.75	14.00
प्रतिग्वित) :	(, ,				13.00	15.50
ायलर सम्प्राहर इ	rfunc / furniment			13-14	14.25	17.00
जीवित भार	trans (infred iff fed)			14-15	15.50	18.50
	£	18 च्यये	16 क्यंब	15-18	17.00	20.50
उरेमड खाने के		25 रुपये	23 क्ष्य	16-17	IR:50	22.50
'ओं व टापरी के वि	ग्बरा			17-18	20.09	24.50
नीयित भार		20 क्वबे	19 697	1R-19	21.50	26.50
हरेमब माने के	feer	27 मपये	26 हपय	19-20		
	या दूसरी स्वियों के		20 911	20-21	23.00	29.50
					24.59	32.50
प्रति झण्डा एक		मारे वर्ष के		21 वं छोधक	26.00	35.00
मण्डेदेने वाली । रॅ(टापरी व पीम्रो	नसम्ब के पालनं योग के प्रतिरिक्त):	ष पक्षियों (कुक्कु	हट)की विकय	कायर स्टेन की वरें:वीम्रो	व रापरी के बिगा	
काम संघ करें (2	प्रवरी व पीद्या फाल	ते हे श्रीतिका	nie feurasa			-
स्देश के लिए :				भाष	<i>प्राचे</i>	
		ग्निस	রাল			
मप्ताह नर	(मादा (मिना मिन।			1-0	4 2 5	
	(म्यये)	नर	वादा	1-2	5.25	
	(,,,,	-1-4	(क्वये)	2-3	6.25	
				3-4		
0-1	3.00	0.65	5 5 8 0		7.50	
1-2	3.50	2.0		4-5	9 00	
2-3	4.00	2.5		5-6	FO 50	
				6-7	12.00	
3-4	4.50	3.00		7-8	13.50	
4-5	5.00	3.5				
5-6	5.75	4.0	0 8.20	क सरमार के बाद नह से	ीवित भाग प्रति किलोग्राम के भ	3017 PM
	B. 75	5.0		क पंचास संचाय वर्ण	सान्य अस्य अस्य समयाम्बालील काञ्च	नुनार हाना
6-7	11. 7 0		41, 70			
6-7 7-9	7 75		0 0 40			
€ −7 7−8	7.75	6.0			शाद केवल वने मुर्गफार्न इ गानका के लिए रमी कार्य।	र प्रजनन १
	7.75	6.0	0 9.40 य रुपयों में)		बाद केवल चुने मुगॅ फार्न प्र गलको के लिए एमें प्रायें।	।र प्रजनन व
7-8	7.75	6.0		चिंग्व म्रोरिय	गलका के लिएँ गर्मे क्रायें।	
	7.75	6.0		िला व म्योरिय 2. जिल फार्मी से मैका चुजा 50 पैसे में	प्रालको के लिएँ एमें प्रायं। सिंग इसरुप्त हो जायेगा तो ए बेचा जायेगा । न विकते पर	क विकेलान प्रमानी कं
7-8 ग्राय् संघ	7.75	6.0 (मूल नर	य रूपयों में) मादा	िला व म्योरिय 2. जिल फार्मी से मैका चुजा 50 पैसे में	त्रालका के लिएँ एमी क्रायें। सिम क्रारूम हो जायेगाताए	क विकेलान प्रमानी कं
7-8 माय् संघ 8-9	7.75	6.0 (मृत्य नर 8.00	य क्सर्यों में) मादा 10.25	जिए व म्पेरिय 2. जिन फार्मी ने मैकी चुजा 50 पैसे में स्वयं नष्ट करना है	शासको के लिए रम्बे कार्ये। सिंग झारक्ष्म हो जायेगा तो ए बेचा जायेगा । न विकते पर ोगा पदि झाबक्यकता से झिलक	क विकेलान प्रमारी ६ हो ।
7-8 ग्राय् मंच 8-9 9-10	7.75	6.0 (मृत्य नर 8.00 9.06	य क्यमें में) भादा 10.25	जिए व म्पेरिय 2. जिन फार्मी ने मैकी चुजा 50 पैसे में स्वयं नष्ट करना है	प्रालको के लिएँ एमें प्रायं। सिंग इसरुप्त हो जायेगा तो ए बेचा जायेगा । न विकते पर	क विकेलान प्रमारी ६ हो ।
7-8 प्राय् सम	7.75	(東西 神文 8.00 9.06 10.00	य क्ययों में) मादा 10.25 11.50 12.25	िला व म्योरिय 2. जिल फार्मी से मैका चुजा 50 पैसे में	शनको के लिएँ गर्म आर्थ। सिंग झारक्ष्म हो जायेगा तो एर बेचा जायेगा । न विकते पर होगा परि झाबक्ष्यकता से झीचक बायलर स्टेन के लिए	क विकेलाल प्रमानी क हो । पृद्धतें:पीक
7-8 ग्राय् मंच 8-9 9-10	7.75	6.0 (मृत्य नर 8.00 9.06	य क्ययों में) मादा 10.25 11.50 12.25	जिए व म्पेरिय 2. जिन फार्मी ने मैकी चुजा 50 पैसे में स्वयं नष्ट करना है	शानको के निर्णू गर्म आर्थ। सिस झारकम ही जायेगा तो ए बेचा जायेगा । न विकते पर होना पदि झावक्यकना से अधिक बायनर स्टेन के निल कटापरी के म्री	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
7-8 भाय मंघ 8-9 9-10 10-11	7.75	(東西 神文 8.00 9.06 10.00	य क्सर्यों में) मादा 10.25 11.50 12.25 13.50	जिए व म्पेरिय 2. जिन फार्मी ने मैकी चुजा 50 पैसे में स्वयं नष्ट करना है	शनको के लिएँ गर्म आर्थ। सिंग झारक्ष्म हो जायेगा तो एर बेचा जायेगा । न विकते पर होगा परि झाबक्ष्यकता से झीचक बायलर स्टेन के लिए	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
7-8 प्राय् मंच 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13	7.75	8.00 9.00 11.25	मादा 10.25 11.50 12.25 13.50 15.00	जिंग व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुत्रा 50 पैसे में स्वयं नरेट करना है सायू संप	शानका के निर्णूण्ये प्रायं। सिय खारम्भ ही अधियालां ए बेचा आयिया। न विकने पर नेपायिद खादम्यकना से प्रधिक बायनर स्टेन के निर्ण स्टापरी के प्रा	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14	7.75	6.0 (東西 年文 8.00 9.06 10.00 11.23 12.50 13.75	ब क्सर्यों में) बादा 10.25 11.50 12.25 13.50 15.00 16.50	जिए व मंगी प 2. जिन काशी से मैक वृत्रा 50 पैसे से वृत्रा 50 पैसे से वृत्रा नच्ट करना है सायु संप	शानका के मिएं प्ले प्रायं । सिम आरम्भ ही प्रायेगा लो ए बेवा जायेगा । न विकते पर तिया पदि आरक्ष्यकना में अधिक बायनर स्टेन के मि व टापरी के भ्र 400	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
7-8 WIT HE 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15	7.75	6.0 (東西 年本 8.00 9.06 10.06 11.25 12.50	य स्पर्यो में) मादा 1 0.25 0 11.50 0 12.25 0 15.00 0 18.00	जिंग व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुत्रा 50 पैसे में स्वयं नरेट करना है सायू संप	शानका के निर्णूण्ये प्रायं। सिय खारम्भ ही अधियालां ए बेचा आयिया। न विकने पर नेपायिद खादम्यकना से प्रधिक बायनर स्टेन के निर्ण स्टापरी के प्रा	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
7-8 प्राय् मेच 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16	7.75	8.00 9.06 10.06 11.25 12.56 13.75 15.00	ब स्पर्धों में) मादा 1 10.25 11.50 12.25 13.50 15.00 16.50 18.00 20.00	जिए व मंगी प 2. जिन काशी से मैक वृत्रा 50 पैसे से वृत्रा 50 पैसे से वृत्रा नच्ट करना है सायु संप	शानका के मिएं प्ले प्रायं । सिम आरम्भ ही प्रायेगा लो ए बेवा जायेगा । न विकते पर तिया पदि आरक्ष्यकना में अधिक बायनर स्टेन के मि व टापरी के भ्र 400	क विकेता न प्रमानी क हो । गुदरें:पीम तिन्क्ति
7-8 WIT HE 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15	7.75	6.0 (東西 年本 8.00 9.06 10.06 11.25 12.50	ब स्पर्धों में) मादा 1 10.25 11.50 12.25 13.50 15.00 16.50 18.00 20.00	जिए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुता 50 पैसे में स्वयं नरेट करना है सायू मंप 0-1 1-2 2-3	शानका के निर्णूग्वे प्रायं। सिय खारम्भ ही अधिया लांगः बेचा आयिया। न विकने पर नेपा यदि धादम्यकना से प्रधिक वायनर स्टेन के निर्ण्य राज्यों में 400 500 600	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
7-8 되면 취임 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17	2.75	8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.55	व करवीं में) नावा 10.25 0 11.50 0 12.25 13.50 0 15.00 0 16.50 0 18.00 0 20.00	जिला व म्लॉ व 2. जिल काली से मैक बुजा 50 पैसे में बुजा कर करना है सायु मैप 0-1 1-2 2-3 3-4	शानका के मिएं ग्लै प्रायं । सिम खारम्भ ही प्रायेगा ली ए बेवा जायेगा । न विकते पर शिगा पदि खादम्यकना से प्रधिक वायनर स्टेन के लि य टावगी के धी (भयो से) 4 00 5 00 6 00 7.25	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
7-8 प्राय मेच 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18	7.75	8.00 9.00 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.50 19.50	ब क्यमें में) जादा 10.25 0 11.50 0 12.25 0 15.00 0 18.00 0 20.00 0 22.00 0 24.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काशी ने मैका कृता 50 पैसे में क्या तरेट करना है सायु संघ 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5	शानका के मिएं पर्य प्रायं। सिम झारुक्ष हो जायेगा लो ए बेदा जायेगा। न विकते परो तोगा पदि झादक्ष्यकरा से क्षप्रिक दायनर स्टेन के लि द टापरी के घ (स्थयों में) 4 00 5 00 6.00 7.25 8.50	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19	2.75	8.00 9.00 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.50 18.00 19.55 21.00	य स्पर्यो में) मादा 1 10.25 1 150 1 12.25 1 13.50 1 18.50 1 18.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00	जिला व म्लॉ व 2. जिल काली से मैक बुजा 50 पैसे में बुजा कर करना है सायु मैप 0-1 1-2 2-3 3-4	शानका के निर्णु गर्व प्रायं। सिस स्वारम्भ हो अध्येता लालः केवा आयेता। न विकने पर ोगा पदि स्वावस्थकना से सर्धिक वायनर स्टेन के निर्म य टावरी के स्व (रूपती से) 400 5.00 7.25 8.50 9.78	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20	2.75	8.00 9.06 10.00 11.23 12.50 13.73 15.00 16.50 18.90 21.90 22.50	व क्यों में) नादा 10.25 0 11.50 0 12.25 13.50 0 15.00 0 20.00 0 20.00 0 24.00 0 26.00 0 29.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काशी ने मैका कृता 50 पैसे में क्या तरेट करना है सायु संघ 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5	शानका के मिएं पर्य प्रायं। सिम झारुक्ष हो जायेगा लो ए बेदा जायेगा। न विकते परो तोगा पदि झादक्ष्यकरा से क्षप्रिक दायनर स्टेन के लि द टापरी के घ (स्थयों में) 4 00 5 00 6.00 7.25 8.50	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21		6.0 (東西 8.00 9.00 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.50 18.00 19.55 21.00 22.56	व क्यमें में) नादा 10.25 11.50 12.25 13.50 15.00 18.00 20.00 22.00 24.00 02.00 02.00 02.00 03.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काली से मैका क्वा 50 पैसे से क्वा कर करना है सायु मंप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7	शानका के निर्णु गर्व प्रायं। सिस स्वारम्भ हो अध्येता लालः केवा आयेता। न विकने पर ोगा पदि स्वावस्थकना से सर्धिक वायनर स्टेन के निर्म य टावरी के स्व (रूपती से) 400 5.00 7.25 8.50 9.78	क विकेता न प्रमारी क हो । गुदरें:पीड तिस्क्ति
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20		8.00 9.06 10.00 11.23 12.50 13.73 15.00 16.50 18.90 21.90 22.50	व क्यमें में) नादा 10.25 11.50 12.25 13.50 15.00 18.00 20.00 22.00 24.00 02.00 02.00 02.00 03.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काशी से मैक कृता 50 पैसे में क्या तरेट करना है सायू संप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8	शानका के निएं एवं प्रायं । स्थानका के निएं एवं प्रायं । स्थान व्यवस्था । न विकते परोता पदि सावस्थकना में प्रायक वाय जापेगा । न विकते परोता पदि सावस्थकना में प्रायक वाय नर स्टेन के निया व टावरी के प्राय (क्ष्मयों में) 4 00 5 00 6 00 7 25 8 50 9 75 11 00 12 50	क विजेता न प्रमागी च ब्रो । ए दगे:—पीक्ष
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 파대병 목 되	धिक	8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.56 18.90 19.56 21.00 22.56 24.00 25.56	प्रस्ती में) पादा 10.25 0.11.50 0.12.25 0.15.00 0.15.00 0.18.00 0.20.00 0.22.00 0.24.00 0.26.00 0.26.00 0.29.00 0.32.00 0.34.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काली ने मैका कृता 50 पैसे में क्या तरेट करना है सायू संप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 सप्ताह के बाद को	शानका के निर्णु गर्म प्रायं । सेवा जायेगा । न विकने पर शिया जायेगा । न विकने पर शिया पदि सावस्थकना से प्रधिक वायनर स्टेन के निर्मा य टापरी के स्र (रूपयो से) 400 500 6.00 7.25 8.50 9.75	क विजेला न प्रमानी कं ब्रों । ए दगें:——पीग्र लिक्सित
7-8 प्राय् नेष 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र	धिक नस्म की पासने	8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.56 18.90 19.56 21.00 22.56 24.00 25.56	प्रस्ती में) पादा 10.25 0.11.50 0.12.25 0.15.00 0.15.00 0.18.00 0.20.00 0.22.00 0.24.00 0.26.00 0.26.00 0.29.00 0.32.00 0.34.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काशी से मैक बृजा 50 पैसे में बृजा 50 पैसे में बृजा कर करता है सायू संप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 सप्ताह के बाद दर्श	शानका के निएं पत्र प्रायं । शिस्त क्षायं । स्वारूप को प्राये । न विकते परोता पदि सावस्थकना में प्रायिक विकास के स्वार्थ	क विकेशा न प्रमारी के हो । पृद्यों — पीध तिस्क्ति
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह ब स्न	धिक नस्म की पासने	8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.56 18.90 19.56 21.00 22.56 24.00 25.56	प्रस्ती में) पादा 10.25 0.11.50 0.12.25 0.15.00 0.15.00 0.18.00 0.20.00 0.22.00 0.24.00 0.26.00 0.26.00 0.29.00 0.32.00 0.34.00	जिला व मंत्री व 2. जिल काशी से मैका चुता 50 पैसे में प्रशा तर करता है श्री पृष्ट कर करता है श्री पृष्ट कर	शासका के सिएं एवं प्रायं । शं सेवा बायेगा । न विकने पर गेगा यदि बाबस्यकना मे प्रशिक कायनर स्टेन के सिन क टावरी के घर् (रूपयो में) ↓ 00 6.00 7.25 8.50 9.75 11.00 t अर्थिन मार प्रति किलोधा	क विकेता न प्रमारी के हो । पृद्योः — पीध तिरिक्त म के भ्रानुमा सुगमन स
7-8 प्राय मेप 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र	धिक नस्य को पावने : हे विए) नर/मावा (विश	(中元 年末 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55	प्रस्ती में) पादा 10.25 0.11.50 0.12.25 0.15.00 0.15.00 0.18.00 0.20.00 0.22.00 0.24.00 0.26.00 0.26.00 0.29.00 0.32.00 0.34.00	निग व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुता 50 पेमे में प्रशा निट करना है श्राय संप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मणाह के बाद वा होगा । वर्ष के निग	शानका के निर्णु गर्व प्रायं । सिय धारम्भ ही अधिया ली स् बेचा आयेगा । न विकने पर शिषा पदि धारम्भकना से प्रधिक वायनर स्टेन के निर्ण्य (रूपयों में) 4 00 5 00 6 00 7 25 8 50 9 75 11 00 12 50 र जीविन भाग प्रति किनोमा	क विकेता न प्रमारी क हो । पृद्योः — पीध तिरिक्त म के भ्रानुस सुगमन स
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र	धिक सम्भ को पासने : के मिगः) सर/मावा (दिस सिग जान)	(中元 年末 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55	प्रस्तों में) पादा 10.25 11.50 11.50 11.50 15.00 18	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुता 50 पेमे में प्रशा नरेट करना है सायू मंप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मप्पाह के बाद पर होगा । रिप्पणी 1.—कुपकुट पार	शानका के निर्णु गर्व प्रायं । सिय धारम्भ ही अधिया ली गः बेचा आयेगा । न विकने पर ोगा पदि धारम्भकना से प्रधिक बायनर स्टेन के निर्णे पर्यो में (रूपयो में) 400 500 6.00 7.25 8.50 9.75 11.00 12.50 र जीविन मार प्रति किलोधा नको से कस्टम हैचिन की र के हेतु 20 पैसे प्रति धण्डा	क विजेता न प्रमारी क हो । एडगें.—पीध निर्वेश म के प्रतृस स्पासन स होचम गृ
7-8 प्राय् मंघ 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्राप्त वेने वाली (पीधा व टापरी व	धिक सम्भ को पासने । किस्तिए)' नर/माद्या (बिन सिग झान) (कपमे)	6.0 (मृत्य 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55	य क्यमी में) नादा 10.25 0 11.50 0 12.25 13.50 0 16.50 0 20.00 0 22.00 0 24.00 0 24.00 0 29.00 0 29.00 0 32.00 0 34.00 1 विकय दर	निग न मंगी प 2. जिन काली से मैका चुना 50 पैसे से स्वयं निर्ट करना है धायु संघ 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 सप्ताह के बाद वा होगा । रिप्पणी 1. — कुपकुट पा सर्च के लिया	शानका के निर्णु गर्व प्रायं । सिय धारम्भ ही अधिया ली स् बेचा आयेगा । न विकने पर शिषा पदि धारम्भकना से प्रधिक वायनर स्टेन के निर्ण्य (रूपयों में) 4 00 5 00 6 00 7 25 8 50 9 75 11 00 12 50 र जीविन भाग प्रति किनोमा	क विजेता न प्रमानी न हो । प्रदेशे:पीश निरुक्त म के सन्म मुगमत स्रोचम गु संस्थानों
7-8 प्राय मंघ 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र	धिक सम्भ को पासने । हे सिए) सर/मादा (दिस किंग ज्ञान) (हपये)	6.0 (मूल नर 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 16.50 18.00 19.55 21.00 22.56 24.00 25.50	प स्पर्यो में) मादा 1 10.25 1 150 1 12.25 1 13.50 1 18.50 1 18.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 3 400 4 400 4 400 5 4400 7 विकय देरे	निए व मंगी प 2. जिन काली से मैक कृता 50 पैसे में क्या नट करना है प्राप् मंप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मप्पाह के बाद पं होगा । टिप्पणी 1 कुपकुट पाः वर्ष के निए स्था नीयी 2. उपरोक्त वाले	शनका के निएं एमें प्रायं । सिय धारम्भ ही प्रायेगा ली ए- बेचा जायेगा । न विकने पर् शिया जायेगा । न विकने पर शिया पदि धावस्थ्यकना से ध्रमिक वायनर स्टेन के नि य टापरी के ध्रां (रुपयों से) 400 500 6.00 7.25 8.50 9.75 11.00 12.50 र जीविन मार प्रति किनोधा सको से कस्टम हैंचिंग की स्वेत देव 20 पैसे प्रति धरणा या।	क विकेता न प्रमानी के हो । ए दरें:—पीध निरुक्त म के मन्म स्पामन स हांचम गु संस्थानों है कि प्र
7-8 प्राय् मेष 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्डे बने बाली (पीचा व टापरी व	धिक सम्भ को पासने । किस्तिए)' नर/माद्या (बिन सिग झान) (कपमे)	6.0 (मृत्य 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55	प स्पर्यो में) मादा 1 10.25 1 150 1 12.25 1 13.50 1 18.50 1 18.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 3 400 4 400 4 400 5 4400 7 विकय देरे	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुता 50 पैसे में प्रशा निट करना है सायू मंप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मप्पाह के बाद वा होगा । टिप्पणी 1.—कुपकुट पा वर्ष के निए सिया नाये 2. उपरोक्त बाते प्रक्रिकारियो प्रणे की	सानका के निर्णु एवं प्रायं । सिय धारम्भ ही बायेगा ली ए- बेचा बायेगा । न विकने पर्नोगा पदि धारम्भकना में प्रधिक सायनर स्टेन के निर्णे के धार्मिक के धारम्भ होना की धार्मिक के धार्मिक के धारम्भ होना की धार्मिक के धारमिक के धारमिक कि धारम्भ होना के धार्मिक के धारमिक कि धारम्भ होना स्थाना स्थाना हो से धारमिक कि धारम्भ होना स्थाना स्थाना हो से धारमिक के धारमिक कि धारम्भ होना स्थाना स्थाना हो से धारमिक के धारमिक स्थाना स्थाना हो से धारमिक स्थाना स्थाना स्थाना हो से धारमिक स्थाना स्थाना हो से धारमिक स्थाना स्थाना हो से धारमिक स्थाना स्थाना स्थाना हो से धारमिक स्थाना स	क विजेता न प्रमाणी क हो । एडगें.—पीध निर्वत म के प्रत्म मुस्मानों स संस्थानों है कि प्र थेक) सम
7-8 प्राय मंच 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रणे वेने वाली (पीचा व टापरी व	धिक नस्य को पासने हैं चिए) नर/मादा (बिन सिग कान) (क्पये) 3.25 3.75	6.0 (मूल नर 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 16.50 18.00 19.55 21.00 22.56 24.00 25.50	य स्पर्यो में) सादा 10.25 11.50 11.25 13.50 18.50 18.50 18.00 20.00 22.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00 24.00	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुना 50 पैसे से स्वय नंद करना है सायू संप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 सप्ताह के बाद वर्ष होना । वर्ष के निए लिया नाये पश्चिकारियो पश्चिकी व	सानका के निएं एवं प्रायं । सं सेवा जायेगा । न विकने पर शिवा जायेगा । न विकने पर शिवा जायेगा । न विकने पर शिवा जायेगा । न विकने पर वायनर स्टेन के नित् य टापरों के प्रायं (रूपयों में) 400 500 600 7.25 8.50 9.75 1100 12.50 र जीविन भार प्रति किलोधा सको से कस्टम हींचग की १ देने हेतु 20 पैसे प्रति भण्या गा। शे के प्रतिक्रिया जिला हाजार की दशे के ध्यान में	क विकेता न प्रमानी के हो । प्रदेश—पीध तर्जित म के सन्म म्याना स्टेबिस स्ट्र संस्थानों है कि प्र संक्र सम्ब
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्डे वर्ग वाली (पीचा व टापरी व	धिक सम्भ को पासने । हिमार) नर/मावा (विस चिन ज्ञान) (कस्पे) 3.25 3.75 4.25	6.0 (मृत्य 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55	य क्यमी में) नादा 10.25 0 11.50 0 12.25 13.50 0 15.00 0 20.00 0 22.00 0 24.00 0 24.00 0 24.00 0 32.00 0 34.00 0 1 (वक्य वरें: मादा मादा 5 6.00 5 6.40	निए व म्प्री प 2. जिन काली से मैका बृजा 50 पैसे से बृजा कर करना है यायू मंप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मप्ताह के बाद के होगा । टिप्पणी 1. — कुक्कुट पाः वर्ष के जिए स्वारा वर्ष प्राक्ति हैं। प्राप्ति पर व गक्ते हैं। पक्ते हैं।	सनका के निएं एवं प्रायं आयं। सिय खारम्भ ही आयेगा ली ए- बेवा जायेगा। न विकने पर लिया खारम्भ ही आयेगा ली ए- बेवा जायेगा। न विकने पर लिया वे स्वावस्थकना से अधिका बायनर स्टेन के नि ब टापरी के भ्रा (क्ष्यों से) 400 500 6.00 7.25 8.50 9.75 11.00 12.50 र जीविन मार प्रति किनोधा नको से कस्टम हैविन की से के दु 20 पैसे प्रति भ्रष्यक। यो। को खीजकार विद्या जाना र से 15 पैने तक ध्र्यान सवा इसी प्रकार 15 प्रसं भ	क विकेता न प्रमानी के हो । एक्टें — पीक निवेदत म के मन्म संस्थानों है कि प्र पेड़ मम रा मकते है
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्ये क्षेत्र वाली (पीचा व टापरी व	किक सम्म को पानने : है मिए) नर/मावा (बिन चिग जान) (हपये) 3.25 3.75 4.25 4.75	6.0 (मूल नर 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 16.50 18.00 19.55 21.00 22.55 24.00 25.50 19.55 24.00 25.50 19.55 24.00 25.50 19.55 24.00 25.50 19.55 24.00 25.50 19.55 24.00 25.50 26.00 27.50 2	य स्पर्यो में) मादा 1 10.25 1 1.50 1 12.25 1 13.50 1 18.50 1 18.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 3 20.00 3 400 1 (क्रिय दर:	जिला व मंत्री व 2. जिल काशी से मैका चुता 50 पैसे में प्रशा तर करता है साय संप 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मप्पाह के बाद वा होगा । टिप्पणी 1.— कुपकुट पा वर्ष के लिए सिकारिया स्पर्ध से निए मस्य पर व गकते हैं , परन्तु साम्प	सानका के निएं एवं प्रायं । सिय धारम्भ ही बायेगा शां गां वेकने परोगा पदि धारम्भकता में प्राप्ति के धार रहेन के निर्माण पदि धारम्भकता में प्राप्ति के धार रहेन के निर्माण परि धारम्भकता में प्राप्ति के धार रहेन के निर्माण परि धारम्भ के धार रहे हैं के उन्हें के धार रहे हैं के प्राप्ति के धार प्राप्ति के धार रहे हैं के हैं तु 20 पैसे प्राप्त के धारम्भ के धारम	क विजेता न प्रमानी क हों। ए दगें.—-पीक तर्जित म के प्रतृत संस्थानों से कि प्र प्रेण सम प्रमान हुए व दगे सकते हैं की 3 5 प्रयो
7-8 प्राय मंच 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्डे वेने बाली (पीचा व टापरी व	धिक नस्थ को पासने दे चिए) नर/मादा (विश सिंग कान) (क्पये) 3.25 3.75 4.25 4.75 5.25	6.0 (मृत्य 9.00 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.50 18.00 19.55 21.00 22.55 24.00 25.51 11 मिम नर	य स्पर्यो में) सादा 10.25 11.50 12.25 13.50 18.00 20.00 22.00 24.00 24.00 24.00 24.00 34.00 46.00 34.00 7 विकय देरे: मादा सादा 5 6.00 5 6.80 7 .50 8.00	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुना 50 पैसे से स्वय नंद करना है धायु संघ 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मलाह के बाद दो होगा । रिप्पणी 1. क्षेड़े निए लिया नाये पांक ही व	सायका के लिए एवं प्रायं आयं। सिय खारम्म ही आयेगा ला लः बेचा आयेगा। न विकने पर लिया खायम्म ही आयेगा ला लः वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया विकास से में स्थान से में स्थान से साय स्थान वायन से स्थान से स्थान वायन से कर्टम हीचा की देने हें तु 20 पैसे प्रति सण्डा ला को स्थानित्त किनोधा वायन से स्थान से स्थान से वायन सी प्रकार 15 प्रते तक (प्रयक्त वायार की दरों को स्थान से वायार की स्थान से	क विजेता न प्रमानी के हो । प्रदेशे:पीक तिन्क्त म के अनुस सुगमत स हो का प्रदेश पर्या । पर्या करों है को 3 ठपये न प्रमाद करों दे
7-8 प्राय मंघ 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्य सर्व बाली (पीधा व टापरी व	किक सम्म को पानने : है मिए) नर/मावा (बिन चिग जान) (हपये) 3.25 3.75 4.25 4.75	6.0 (मृत्य 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55 24.00 25.55 24.00 25.55 24.00 25.37 4.00 25.37 4.00 26.20 27.37 4.50 27.37 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50	प स्पर्यो में) भावा 1 10.25 1 150 1 12.25 1 13.50 1 8.00 2 0.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 3 20.00 3 400 1 विकय देर: मादा मादा 5 6.00 5 6.80 5 7.50 8.00 5 8.00	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुना 50 पैसे से स्वय नंद करना है धायु संघ 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मलाह के बाद दो होगा । रिप्पणी 1. क्षेड़े निए लिया नाये पांक ही व	सायका के लिए एवं प्रायं आयं। सिय खारम्म ही आयेगा ला लः बेचा आयेगा। न विकने पर लिया खायम्म ही आयेगा ला लः वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया विकास से में स्थान से में स्थान से साय स्थान वायन से स्थान से स्थान वायन से कर्टम हीचा की देने हें तु 20 पैसे प्रति सण्डा ला को स्थानित्त किनोधा वायन से स्थान से स्थान से वायन सी प्रकार 15 प्रते तक (प्रयक्त वायार की दरों को स्थान से वायार की स्थान से	क विजेता न प्रमानी के हो । प्रदेशे:पीक तिन्क्त म के अनुस सुगमत स होजम गु संस्थानों है कि प्र पेक्ट) सम रखने हुए ब टा सकते है को 3 ठपयेन प्रपाद करा प्रदेश
7-8 प्राय मंच 8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्डे धने बाली (शीधा व टापरी व	धिक नस्थ को पासने दे चिए) नर/मादा (विश सिंग कान) (क्पये) 3.25 3.75 4.25 4.75 5.25	6.0 (मृत्य 9.00 10.00 11.25 12.50 13.75 15.00 16.50 18.00 19.55 21.00 22.55 24.00 25.51 11 मिम नर	प स्पर्यो में) भावा 1 10.25 1 150 1 12.25 1 13.50 1 8.00 2 0.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 3 20.00 3 400 1 विकय देर: मादा मादा 5 6.00 5 6.80 5 7.50 8.00 5 8.00	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुजा 50 पैसे से प्रकार नर करना है सायू संघ 0-1 1-2 2-3 3-4 4-5 5-6 6-7 7-8 8 मण्लाह के बाद वा होना । टिप्पणी 1. — कुम्बुट पा वर्ष के निए सिका गिया पण्डे की वि मध्य पर व पक्त है पक्त है पक्त होने प्रकार होने पर न्यु होने पर न्यु होने पर न्यु होने वर्ष होने पर न्यु होने वर्ष होने पर न्यु होने वर्ष होने	सानका के निएं एवं प्रायं । सिय धारम्भ ही बायेगा लो एः बेवा बायेगा । न विकने पर् रोगा यदि धारम्भकता ने सर्थिक वायनर स्टेन के निर्म र टापरों के धाँ (स्वयों में) 400 500 6.00 7.25 8.50 9.75 11.00 12.50 र बीविन मार प्रति किलोधा र से तेंदु 20 पैसे प्रति सण्डा गा। ते धाँनिरिकन मिन्न-भिन्न । को धाँमिकार दिया जाना र से 15 पैसे तक धान मे नवा इसी प्रस्त के ध्यान मे नवा इसी प्रस्त के ध्यान मे नवा इसी प्रस्त के ध्यान मे र से रेन्ड स्वान में ते हो और स्वान में	क विजेता न प्रमारी क हो । रुवरं — पीर प्रमारी म के प्रमुख संस्थानों म संस्थानों म रुखने हुए ब हा मकते हैं को उठ्यये न नियन्तक स्थानित्यन्तक स्थानित्यनक स्थानित्यन्तक स्थानित्यन्तक स्थानित्यन्तक स्थानित्यन्तक स्थानित्यन्तक स्थानित्यनक स्थानित्यनित्यनक स्थानित्यनित्यनित्यनित्यनित्यनित्यनित्यनित्य
8-9 9-10 10-11 11-12 12-13 13-14 14-15 15-16 16-17 17-18 18-19 19-20 20-21 21 सप्ताह व प्र प्रण्डे वर्न बाली (पीचा व टापरी व	धिक निम्म को पालने के निम्म को पालने के चिम्म कान (दिस्स किम कान) उ. 25 3. 75 4. 25 4. 75 5. 25 6.00	6.0 (मृत्य 8.00 9.06 10.00 11.25 12.50 13.73 15.00 16.50 19.50 21.00 22.55 24.00 25.55 24.00 25.55 24.00 25.55 24.00 25.37 4.00 25.37 4.00 26.20 27.37 4.50 27.37 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50 4.50	प स्पर्यो में) मादा 1 10.25 1 1.50 1 1.50 1 1.50 1 18.50 1 18.50 2 1.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 2 20.00 3 20.00 3 400 1 (बक्य दर:	निए व मंगी प 2. जिन काशी से मैका चुता 50 पैसे में प्रशा नट करना है श्री पृष्ट करना है श्री प्रशा करने श्री करने स्री करिया करने स्री करने स्या करने स्री करने स्री करने स्री करें स्री करने स्री करने	सायका के लिए एवं प्रायं आयं। सिय खारम्म ही आयेगा ला लः बेचा आयेगा। न विकने पर लिया खायम्म ही आयेगा ला लः वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया वायनर स्टेन के लिया विकास से में स्थान से में स्थान से साय स्थान वायन से स्थान से स्थान वायन से कर्टम हीचा की देने हें तु 20 पैसे प्रति सण्डा ला को स्थानित्त किनोधा वायन से स्थान से स्थान से वायन सी प्रकार 15 प्रते तक (प्रयक्त वायार की दरों को स्थान से वायार की स्थान से	क विश्वेता न प्रमानी क हो । एको — पीश प्रकार — पीश संस्थानों स संस्थानों स संस्थानों स संस्थानों हुए ब हा सकते हुए ब हो 3 ठपसे न नियनक क्षा

10	5 ii	राजपत्त, हिमाचन प्रदेश 28	। नवस्वर, 1987/7 संबहायण, 1909	
-	त होचन के वो दिन के धन्दर व	क्षेत्रसः चओ पर 3 प्रतिशत	नारा	मन्य रूपयों मे
	र्वाधक क्यों हित कार्येंगे ।	पच्छों के वैक्टिंग निम्न प्रकार	(च) ग्रन्य	(प्रतिक्वित्व)
	नवा समझी डाइरी तथा	भीतरी दशा को ध्यान में	। गोबर	10.00
	रमातं हुए की जाये।		 बुक्कुट मार्च 	25.00
	The second second		 चारायशीक्षानेकं बाद बची सकती 	15 00
	त वेद	50 पान से यशिक	former and no feet	पाम बास बाधने के लिए
		50 पाम नकः।	हिप्पणी । न्यबुपालका को 20 किली 30 पैसे प्रति गांठ सुरूक लिया	
	बी पेंड	30 414 114 1	•	
	राव चारा तथा ग्रन्य पौधों की लाम	air arfe	 प्रनारियों को मधिकार है कि 	
दा	राव चारा तथा अन्य पावा का लान	at arta	भाव को ध्यान में रक्षते हु।	
		20 24	या विका गांठ के दर 3 00 क	
कमा	क सद	(मूल्य रुपयो मे)	हैं। स्विति के मृत्यार कुक्कुट	बाद का दरपाशा व टापरा
			नाहन, कमलाई कुक्कुट कार	
	वाग वीज :		को स्थानीय वरेनिश्चित कर	न का बोधकार दिया जला
'	(क) (वारीक)	(प्रति किलाधाम)	R I	
1.	मनकी	1.50	कत तथा दूमरी सम्बन्धी दरें :	
2	मन वरी	6.00		टकर विकय थोक विकय
3	बरी-एम (भी () स्वीट मुद्दान	3.50		
	राजका बाबरी	6.00	मृद् प्र	ति कितोशाम प्रति क्विंटल
5	लंकिया	4 00		(रूपगोले)
	नावना सोयाबोन	4.00	. प्रवासी केंग्र (शास्त्र वास्त्री	
6	बेल बैंड बीन	4.00	। जल देशीओड़ (रासपुर ब्लाहरी	26.00 1900.00
7	411 42 401		वरी)	
	(स) (ज्बी)		 उन देवी मेमना 	21.00 2000.00
	(-4) (-41)		 जन पोल वर्ष, जर्मन लैंड, मसी 	20.00 2000.00
1-	जड (कैस्ट, पालमंपुर नंध ा)	3.50	मरीनो, रेम्बुनैट	26 00 2500 00
2	बरलीम	20.00	 1/2 तथा 3/4 रेम्ब्नैट, 	
3-	रालका (लूमरन)	25.00	पोष्ट्रवं समी मरोनां, वर्षन्तेण्ड	
4	जो	2.00	मरीनी मादि	24 00 2300.00
5	मटरी कॉनिया	3 50	 कन मेमना, रैम्बुलंट, पोलवर्ष, ल्ली 	
6	जापानी सरमा	4.00	मरीनों, क्रमंत लैंप्ड मरीनों	
7	चाइना गोभी	4 00	बादि	27-00 2600 00
			६ इत्त मेमना 1/2 तथा 3/4	
100	वास व वलावर सर्वद		रम्बूलट, रुसी मरीती, जर्मन	
1.00			लैण्ड मरीला ग्रादि	25.00 2400 00
1	श्रीत वर्णावर	50.00	7. म हरू	15.00 1400.00
2	रेड क्लांबर	40 00	अ बीच हाक्म, देकमा बैली तथा	
3.	सर्व क्लांकर	40.00	गर्नी अन	13.00 1200 no
	किमनन क्लोबर	40.00	 मंत्री तथा प्रद ऊन 	नीलामी द्वारा
4	भौजंड भास, राई जान, कैनरी जार		9.9	
3	पैस्क्यू पास, लंब चास, नन्दी चार		हिप्पणी ।थोक विकय दर उस सम	व लगाये जबीक ऊन की
	दीन। ताथ भास, सनजन भाग	40 00	माजा नया भार एक विवटल	ने प्रधिक हो । में त्री तथा
h.	· A	50.00	पूर्व अन की निदेशक, प	मुगालन विभाग, हिमाचल
n.	CIMINE	30.00		रांकी विज्ञापन ग्रादि करके
1-1	बास क्लाकर की जहें पीक्ष इत्यादि	war nie warde	नीलाम किया जायेगा।	
(4)	and agree of his and falle	मृत्य प्रति त्रद्र/गी±	2 वर्गांक उस्त के दाम बाजार	न अधिक बढते घटते रहते
1.	नेपियर	5 पैस	हैं. बतः निदेशक, पश्याल	
2				प्रधिक अथवा कम कर
2	नन्दी (सिटेरिया) मनजन, विक		मकेंगे ।	
	वास, भी वंदी वास, क्लोकर, टोबोर		3. निर्वेशक, पशुपालन विभाग,	हमाचल प्रदेश की स्राधिकार
	वेम्बयु चारा बास झाहि	2 पैन		तिसम्बद्धाः स्वानं में रखते
3.	कुडन	20 पैस		उनमे उत्पादित बस्तुमा दाना
4	पांध व्यहन, कचनार, तून, राहि			दंकी दर 5 प्रतिवात तक पटा
_	निया, वृत्तिनिया	10 पैसे		कृतकृष्ट तथा उनसे उत्पादित
5.	बीज, लगीनिया (हदाईनजाई)	30 रुपये प्रति किलो		
				0 प्रतिवत होगी। सारगण
(T)	बारा	मृत्य कपयो म	बेचने की वरें (बिटिश तय	र रामपन वाद)
• '		(प्रांत विबटन)	। ← 5 सप्ताह (विकाऊ गही)	15.00 वपये
			5-6 सप्ताह (कम)	25.00 स्पर्ये
1,		12.00	6-12 नप्ताह (कम)	45.00 844
2.		40.00	12-24 सप्ताह (कम)	68.00 ग प्य
3.	V	50.00	24 सप्ताह में ऋषर	92.00 EVI
4.		15.00	(प्रमेत संगोरा)	
5		10.00	0-5 सप्ताह (विकास नहीं)	30.00 894
6.		20.00	5-6 सप्ताह (कम)	50 00 रुप ये
7		10.00	6—12 सप्ताह (कम)	
8		20.00	13-24 मप्ताह (कम)	92:00 रुप ये 138:00 रुपये
9	पतीदार फसनों का हुरा बाश	15 00	24 से अलग	
10	the state of the s	प्रावि	" •"1-	184.00 स्थ्ये
	पतियों का नारा, तमनिया का व	ारा 15.00	2 कन (प्रतिकिलोग्राम)	550.00 ध्यमे
-			(9 9 0 . O O 44 44

अ बाईलर काले				1	2	3	4
(प्रत्येक)	खारी	दरभ्यानी	वही		68	634	18
					69	37	28
(क) सपःव	4.50	6.50	9.00		70	1086	h h
स्थाली व धन्य	6.50	9.00	13 73		71	864	98
यगारा साले प्रत्येक	4.00				77	70s	8 1
4. माम	-				78	222	40
•					79	9.2	48
(क) जीवित भाग्यति वि		7.50			80	277	64
(श्वा) दरसङ् (प्रति कि	नावाम)	11,00			81	105	68
याक पृष्ठ तथा स्वाने पादि	ī				82	571	4.5
					86	1712	11
याक की पुरु तथा दुसंह			नीमामी		72	854	25
प्रभागी मधिकारी काफी विकास	न के उपगान	करेगा			73	93	1.5
					7.4	109	38
[रामणी					7.5	21	0.0
। विकय देश तथा दुसरे	कर जैसे लागू ह	ांग वसल कि	ए आएम् ।		457274		
2. प्रभारी स्रधिकारी को	मधिकार दिव	ाक्षा ह	कि वह		किया 23	14732	5 3
बाजारी मान की ध्यान में रव	बले हुए खरगोप	ग करी उस्त	की दर		farm 121002 117777	1007	

एस () एस () कंबर,

सचिव ।

10 प्रतिगर तक घटा ग्रंथवा वढा सकता है।

णिक्षा विभाग

विधिन्दनाएं

शिमला-2, भ नक्का. 1987

मंख्या व-(11)-त/81-शिक्षा-ग.--यतः राज्यपाल हिमाचल प्रदेश की

यह बतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार की सरकारी अपय पर

मार्वजनिक प्रयोजन नामतः राजकीय महाविद्यालय नाहन के कैम्पस

के निर्माण हेन भूमि जी जानी भूपेक्षित है सनएव एतदबारा यह

यांचित किया जाता है कि उक्त परिश्लेख में जैसा कि निम्न विकरणी

में निर्दिश्त किया गया है उपराक्त प्रयोजन क लिए अमि धर्वन

करना धर्पक्षित है ।

यधिनियम, 1894 की धारा (4) के प्रत्यतीन प्रधियुक्ता सन्धा क (1)-2/85-किशाना दिनाक 19-5-87 की जारी की गई अ। कि हिमाचल प्रदेश राज्यत दिनाक 4-7-87 से नरकारी व्यय पर मार्थेत्रीनक प्रयोजन नामत राजकीय महानिश्वालय सरस्वती नगर, तहसील अञ्चल, जिला जिसला के निर्माण हेत् प्रकाणित की गर्द ।

किमना-171002 11 नवस्थर 1987

सम्बा-क(1)-2'85 शिक्षा-गं, च्यत प्रश्चिमचनः सीम ग्रजन

परिश्रंत में कैसा कि जिस्स विवरणी में निविष्ट किया गया है उपरोक्त परियोजन के लिए भनि का अर्जन अपेक्षित है। धनः हिमाचल प्रदेश के राज्यपालः भू-मजेन मधिनियमः, 1894

यत. राज्यपान विमायन प्रदेश का यह बनीत हाता है कि उपन

की धारा (17) की उप-धारा (4) द्वारा प्रकृत नक्तिया का प्रयाग करते हुए यह बादेश करने हैं कि मामला प्रत्यावन्यक होने क फलस्बक्ष उक्त प्रधिनियम की भारा (5)(ए) के उपबन्ध इस बामले में लाग नहीं होंगें ।

विवरणी

2. यह चाव	या चांम प्रजेन समितियम, १	894 की धारा	6 के	जिला णिमला		नहसोतः कृ	बन
की जानी है भी	ोन इसमें सम्बन्धित सभी ^ह र उक्त धर्धिनयम की धा	रा 7 के उपबन्ध	शंके				रया
बचीन भ्रमन	समाहली. (उप-मण्डल मार्	कारी, मिक्लि),	नाह्न	गाम/करना	न्नसरा नव		दिस
को उक्त भूमि विया जाता है	के प्रजेत के घादेश लें	ने का एलवृद्धारा ।	नर्देश	1	2		3
6	•			क्रवान	400/1	0	3
ा भाग क	ा नेन्द्राक भू-धर्जन समाहत	ि नाहन (उप-म	पण्डल		3335/416	0	4
प्रक्रिकारी सिंब	(ल नाहन उप-मण्डल), जिल्	वा सिरमोर के का	र्वालय		4188/403	1	1.5
	या का सकता है।	,, ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,			422	0	1.2
A 1.121MA 14	41 41 (41)				424	1	1.4
	विवस्णी				427	0	-
	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,				4187/403	0	4
जियाः निरमी		तहसीमः	नाहन		425	t	ŧ
ted it. Intent					404	4	2
भाम	सहस्य नं व	rrf	रया		424	1	
41-4		नगं मीर	टर मे		427	0	7
1	2	3			401	i	17
					492	1	14
मिनपुरी	60	3119	95		421	U	10
144371	61	68	46		426	6	5
	62	27	71		409	0	1 2
	63	530	30		410	0	1 0
	64	156	40		412	i	9
	65	2977	60		413	1	2
	66	12	56		420	U	7
	67	150	10		429	o	13

1	2	3	4	परिक्षेत्र में जैसा कि	गावल प्रदेश की यह प्र निम्न विवरणी में	निर्दिष्ट कि	या गय	
	431	1	9	उपरोक्त प्रयोजन के	लिए भूमि का ग्रजंन	मगक्षित है	1	
	411	1	8					
	414	3	3	मतः हिमाचल प्रदे	श के राज्यपाल भू–ग्र	जंन ग्रधिनि	ायम, १	894
	415	0	5	की धारा (17) की उ	ाप-धारा (4) द्वारा प्रध	त्ति शक्तिय	ों का	प्रयाग
	4393/419	0	7	करते हुए यह बादेश	करते हैं कि मामला	बत्यावश	क हो	ने के
•	4395/423	1	2	फलस्वरूप उक्त प्रधिनि	यम की घारा (5)(ए)	के उपबन्ध	इस माम	रले में
	4397/428	0	14	लाय् नहीं होंगे।				
	4399/432	1	8					
	4336/426	0	13		विवरण			
	405	2	15					
	408	2	19	जिला: शिमला		8E	सीलः स	ामपर
	4394/419	0	13	IMALE. IMPERIT				
	4396/423	0	17				एवि	PUT
	4400/432	2	6	महास	खसरानं0		हैक्ट्री	
	418	. 0	3	1	2	3	4	. 5
	4398/428	1	6	1				
	430	1	12	महालः शिमला	1108	Q	28	22
	4522/4377/384	0	10	उप-महालः कलना	1108/1	0	01	10
- ^					1112	0	00	90
किसा	39	48	0		1113/1	0	01	20
					1140	0	00	95
//.					1148/1	0	03	436
\bigvee_{i}	भ्रमला-2, 11 नवस्थिर, 1987				1149	0	01	28
संख्या शिक्षा-ज(৪)	- 4/86-किला-ग. —यतः मी 9-4 की धारा (4) के उपबन्ध	धिसूचना - :	मृमि संदे	किता	7	0	37	01

म्कल नोगली, तहसील रामपुर, जिला शिमला के लिए खेल के मैदान घत्तर चित्र विस्तायक्त ।

transferred.

चारेण द्वारा.

FINANCE DEPARTMENT

(Treasuries and Accounts Organisation)

NOTIFICATION

Shimla-2, the 10th November, 1987

No. FIN (TR) B (2)-1/75,-On the recommendations of the Departmental Promotion Committee and in consu-effect.

2. They will remain on probation for a period of two years.

श्रविस्वता मंद्र्या शिक्षा-ब (8) 4/86-जिक्का-न. दिनांक 3-8-87 को जारी की गई जो कि हिमाजल प्रदेश राजपत्र दिनांक 19-9-87 में सरकारी व्यय पर मार्वजनिक प्रयोजन नामतः रतजकीय माध्यमिक

के निर्माण हेत् प्रकालित की गई।

- (1) Shri Geeta Ram, Section Officer in the office of the Director-Principal, Indir Gandhi Medical College Shimla.
- (2) Shri Jaswant Singh, Section Officer in the office of the Director, Food and Supplies, Shimla.
- (3) Shri Ajit Singh Bhalaik, Section Officer in the office of the Director, RID Department. Shimla.

As a result of above promotions, the Governor, Himachal Pradeth, is further pleased to order the following postings and transfers in the cadre of Accounts Officers in the public interest with immediate

Sl. No.	Name of Officer 2	From 3	To 4
1.	S/Shri Gceta Ram	Section Officer in the office of Director- Principal, Indira Gandhi Medical College, Shimla.	Accounts Officer in the office of Director Principal, Indira Gandhi Medical College vice Shri H. K. Aenibotri

1	2	3	4
2.	Jaswant Singh	Section Officer in the office of Director, Food and Supplies. Shimla.	Accounts Officer in the office of the Deputy Commissioner, Solan against a vacant post.
3.	Ajit Singh Bhalaik	Section Officer in the office of the Director. RID Deptt., Shimls.	Accounts Officer in the office of the Chief Engineer. IPH, Shimla against a vacant post.
4.	H, K. Agnihotri	Accounts Officer in the office of the Director Pincipal, Indira Gandhi Medical College, Shimla.	Accounts Officer on depu- tation on foreign service in the Chief executive Officer. Shimla Development Authority, Shimla.
		North-contestingly,	

M. K. KAW, Commissioner-cum-Secretary.

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT

(SECTION-A)

NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd November, 1987

No. GAD-A (B) 8-1/87.—It is hereby notified that the holidays specified in the Schedule appended below, shall be observed as Public Holidays in the public offices under the Himachal Pradesh Govt, during the Calendar Year. 1988:—

SCHEDULE

Sr.	Holidays	Date	Saka	Day of Week
740.				
# 1.	Statehood Day	January, 25	Magha 5, 1909	Monday
2.	Republic Day	January, 26	Magha 6, 1909	Tuesday
2. 3.	Guru Ravi Das' Birthday	February, 2	Magha 13, 1909	Tuesday
4.	Maha Shivratri	February 16	Magha 27, 1909	Tuesday
5.	Holi	March. 4	Phalguna 14, 1909	Friday
б.	Ramnavami	March, 26	Chaitra 6, 1910	Saturday
7	Mahavir Jayanti	March, 31	Chaitra 11, 1910	Thursday
2	Good Friday	April, I	Chaitra 12, 1910	Friday
4. 5. 6. 7. 8. 9.	Himachal Day	April. 15	Chaitra 26, 1910	Friday
ŧó.	Budh Purnima	May, 1	Vajsakha 11, 1910	Sunday
ii.	ldu'l Fitr	May, 18	Vaisakha 28, 1910	Wednesday
12.	Idu'l Zuha (Bakrid)	July, 25	Sravana 3, 1910	Monday
13.	independence Day	August, 15	Stavana 24, 1910	Monday
14.	Muharram	August, 24	Bhadra 2, 1910	Wednesday
15.	Janmashtami	September, 2	Bhadra 11, 1910	Friday
16.	Mahatma Gandhi's Birthday	October, 2	Asvina 10, 1910	Sunday
17.	Dussehra (Maha Ashtami)	October, 18	Asvina 26, 1910	Tuesday
18.	Dussehra (Vijay Dashmi)	October, 20	Asvina 28, 1910	Thursday
19.	Diwali (Dipawali)	November, 9	Kartika 18, 1910	Wednesday
20.		November, 23	Agraha- 2. 1910	Wednesday
20.	Guru Nank's Birthday	November, 23		
21.	Christmas Day	December, 25	уапа Рацзя 4, 1910	Sunday.

Besides the above holidays, each employee of Himachal Pradesh Govt, will also be entitled to avail himself of any two Holidays to be chosen by him out of the list of Restricted Holidays specified below

RESTRICTED HOLIDAYS FOR 1988

	WED I KI	LALD INCL.				
Sr. No.	Holida)'s	Date		Sak	,	Date of the Week
1. 2. 3.	New Year's Day Makarsankranti Vasant Panchami/	January, January, January,	1 14 23	Pausa Pausa Magha	11, 1909 24, 1909 3, 1909	Friday Thursday Saturday
4. 5. 6. 7. 8.	Sripanchami Hazrat Ali's Birthday Holi (Holika Dehan) Vaisakhi Jamat-ul-Vida Ruksha Bandhan Dussebra (Maha Navmi)	March. March. April, May. August. October,	2 3 13 13 27	Phalguna Phalguna Chaitra Vaisakha Bhadra, Asvina.	12, 1909 13, 1909 24, 1910 23, 1910 5, 1910 27, 1910	Wednesday Thursday Wednesday Friday Saturday Wednesday

1

1	2	3		4	5
10. 11	Milad-un-Nahi or Id-a-Milad Maharishi Balmiki's Birthday		Kartika Kartika	2, 1910 3, 1910	Monday Fuesday
12. 1~. 14.	Cioverdhan Pooja Bhai Duj Guru Feg Bahadur' Martydom Day	November, 10 November, 11 December, 13	Kartika Kartika Agrahayana	19, 1910 20, 1910 22, 1910	Phursday Friday

It is further notified that Hoads of Departments/Offices shall at their discretion grant two local holidays in the calendar year on the occusions of important fair and festivals poculiar to the places where there are colobrated, provided that where there happen to be more than two important fairs/fastivals, two local holidays are to be declared in consultation with the Deputy Co.n missione of respective district. But the total number of holidays will not, in any case, be more than two in a year.

> By order, P. S. RANA Commissioner-cum-Secretary (GAD).

াজ বিয়াল বিমান

योखन चनार

क्रिप्रशा-171002, 12 सित्रकार, 1987

सक्या लागिग(ब)-7(1)65,87 - चतः हिमाचल प्रदेश कं का अववास का यह वतीत होता है कि हिमाचन प्रवेश न स्कार की सरकारी व्यय पर सरकारी प्रयोजनार्च नामतः गांव कैम्बली तथा महमान, तहसील कण्डाबाट, जिला मोलन, (हि0 प्र0) में कैन्यलीबाट बाना नार्थ के निकास हेतु सूमि शी जानी घर्षेकित है, धराएव एतदहारा यह योगित किया जाता है कि निस्न निर्मित्रकान से धर्मन बरिशत भूमि उस्त प्रयोजन के लिए खर्मेकिन है।

धर बांचवा मूमि बर्जन प्रधिनयम, 1894 की शारा ।। के उपकाशों के बाधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों की मूचना हेतु की जाती है बीर उक्त बिलियम की बारा 7 के उपबन्धों के समीन ध-मर्थन नमाहता, नोक निर्माण विभाग, विन्टर फील्ब, शिमला-3, हिभाषल प्रदेश को उक्त भूमि के सर्जन करने के मादेश में का एसब्द्वारा निवेश विमा जाता है।

मुमि का रेखाक भू-मर्जन समाहती, नोक निर्माण विश्राग, विष्टर फील्ड, शिमला-3, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में लिरीक्षण किया जा सकता है-:

विश्वत विवर्ग

जिलाः मोलम		नहसील क	ह । बाट
- 120	report for compact and in the second	क्ष	a
गाव	नासरा नं 0	की 0	fro
1	2	3	4
कें व नी	295/102/1	6	10
ज्ञान	202/5/1	7	15
	175/1	ı	9
		-	
	वाह	9	-4

शिम रा-2. 9 नवस्वर, 1987

सक्या सो 0 नि 0 (ब) 7 (1) 28/86---यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाबल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यव पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः गांव जस्बोह टीका मेरा तहसील भोग्य, जिना हमीरपुर में सवाह-वेबी-जस्कोह सकक (किलोमीटर 0/0 ने 5/0 तक सहक) के निर्माण हेलु भूमि मर्जन करनी बर्गेक्षित है, अनएक एतद्बारा यह ब्राधमुक्ति किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निय्न विवरणी में निविध्ट िया गया है। उपरोक्त प्रयोजन के लिए सूचि का सर्जन अपेक्षित है।

यह पश्चिमूचना ऐसे सभी व्यक्तियों की, जो इन से सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं, की जानकारी 🤃 लिए भूमि सर्जन सक्षितियम, 1894 को धारा 4 क उपबन्धों र बन्तर्गत जारी की जाती है।

पुर्वोक्त बारा द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल हिमाचल प्रवेश, इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अभिकारियों/. उन हे कर्मचारियों घीर श्रमिकी को इलाके की किसी भी भीम में प्रवेश करने तथा मर्वेक्षण करने धीर उस धारा द्वारा धर्मक्षत संबंध धनमत सभी यन्त्र कार्यों को करने के लिए शहर्ष प्रतंशकार देते हैं।

कोई भी ऐसा हितबंद व्यक्ति, बिसे उक्त परिक्षेत्र में कृषित भूमि के सर्जन पर कोई सार्पाल हो ती वह इस मधिस्वता के प्रकाशित होने के तीस बिनो की सर्वाध के भोतर लिखित रूप में भ-धर्मन समाहती, हिमाचल प्रवेश लोक श्रिमीण विभाग, हमीरपूर के सम्मुख अपनी ब्रापास बाबर कर सकता है।

Authoritative English Text of this Government Notification No. P. W.D. 7 (1) 28/87 dated 9-11-87, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India)

Shimla-2, the 9th November, 1987

No. PHW(B&R)(B)7(1)28/87.-Whereas it appears to the Governor, of Himachail Pradesh that the land is likely to be required to be taken by the Government at publicexpenses for a public purpose, namely for the con-struction of Awa Devi Chamboh road Km. 0/0 to 5/0 in Tikka Chamboh, Tchsil Bhoranj, District Hamirpur, it is hereby notified that land in the locality described below is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern.

in exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor, Himachal Pradesh is plensed to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section,

Any person interested, who has any objection to the acquisition of the said land in the locality may, within 30 days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Collector of Land Acquisition H.P. P.W.D. Hamirpur, District Hamirpur (H.P).

विस्तृत विवरण SPECIFICATION

जिला हमी		तहसील	: मोरंज	
District:	HAMIRPUR		BHOR	LNA
				क्बा ∖rea
टीका	मौजा	वसरा नं 0	年()	म (
Tikka	Mauza	Khasia No.	K.	M.
	2	3	4	5
मेबा	नम्बोह	2508	2	4
MEWA	CHAMBOH	2512/1	0	13
		2513/1	0	6

	रामध्य, हि	हॅमायन प्रवेश, 28 नव	म्बर, 1987/7 संग्रहायन	1909	106
2	7	4 5	1 2	1	4 5
	2511/1	0 1		1240//	
	2509/1	Sursahi I		1240/1 1239	0 12
	2510/1	0 3		1238/1	ő
	2459/1	0 มี		1237/1	0 19
	2514/1	0 12		1370/1 1369/1	0 ()
	2515/1 2520/1	0 10		1201/1	0 11 0
	2520/1	0 I		1200	3 16
	2517/1	0 2		3205/1202/1	0 17
	2519/1	D 2 D 5		1197/1	0 4
	2518/1	0 2		1199/1	0 4
	2104/1	0 4 0 14		1198	តិច
	2094/1	0 2		1159/1	u ·
	2093/1	0 3		1157/1 1153/1	1 (
	2095	0 6		1133/1	3 Sarsahi
	2097 2096	0 8 0 5		1154/1	0 1
	209#/1	ői		1158-1	0 10
	2099/1	0 2		3372/1155/1 3371/1121/1	0 1
	2085//1	0 16		1119	0
	2036/1	0 2		1120/1	ő ·
	2030	0 2 0 5		3368/1118/1	ti [1
	2027/3	0 9		3367/11/8/0	0
	2019/1	0 8		1096 1095/1	<u> </u>
	2031/1	0 1		1092/1	0 1
	1951/1 2020/1	0 1		1093	ő '
	2018/1	0 1 0 14		1094	0 1
	2017/1	0 9		3374/1572 1	1 1
	2016/1	0 (
	1953/1	0 2	Ki	tta 111	SH 7
	19 4	0 3			nd 2 Sarsahi.
	471.88.44				
	1956/1	0 6			
	1956/1 1955/1	0 13	्रिक विक	मना-2, 1। नवस्वर, 1987	
	1956/1		नि	मन्ता-2, 1। नवम्बर, 1987	
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1	0 13 0 14 0 4 0 1	ি বি		विभाषक प्रवेत
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1 1941/1	0 13 0 14 0 4	िस नक्याओं क निर्मा	ण(क) 7(1)51/87:वस	हिमाचल प्रदेश प्रदेश सरकार ४
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1	कि सक्याओं क निर्मा राज्यपाल की यहा	ण(क) 7(1)51/67वस स्तित होता है कि हिमाचल उ	।देश सरकार ४
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1948/1 1945/1 1941/1	0 13 0 14 0 4 0 1	निक्याओं क निर्मा राज्यपाय की यह ! स्थाने व्यव पर सा तथा मेडीकार, तहस्	ण(क) 7(1)51/87वत स्तीत होता है कि हिमाचल उ वैजनिक प्रयोजन के लिए ना लिस सबर, जिना सण्डी, हि	प्रदेश सरकार । सत मृहाल कृ सावज प्रदेश
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1 1941/1 1937/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahi.	नक्या ओक निया राज्यपान की यह । सपने क्या पर सा तथा मेडोक्टर, तहसं नक्डी-कोटली कुन-म	ाण(का) 7 (1) 51/87वन स्तीत होता है कि हिमाचल न वेजनिक प्रयोजन के लिए न लेल सकर कि 11 अच्छी, हि हालेंग्र सक्क के निर्माण हेत्	प्रदेश गरकार । मत मृहाल कृ भाषण प्रदेश भूमि स्री जान
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1 1941/1 1937/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahi. 3 Sarsahi. 0 5	नक्या ओक निया राज्यपान की यह । सपने क्या पर सा तथा मेडोक्टर, तहसं नक्डी-कोटली कुन-म	ाण(का) 7 (1) 51/87वन स्तीत होता है कि हिमाचल न वेजनिक प्रयोजन के लिए न लेल सकर कि 11 अच्छी, हि हालेंग्र सक्क के निर्माण हेत्	प्रदेश गरकार । मत मृहाल कृ भाषण प्रदेश भूमि स्री जान
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1 1945/1 1937/1 1936/1 1934	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahi. 3 Sarsahi. 0 5	म्बयम ओक निमा राज्यपान को यह । सपने भ्यय पर सा तथा मेडोखर, तहसं नग्डी-कोटलो कुन-म सपेकित हैं, सतस्व	ण(क) 7(1)51/87वत स्तीत होता है कि हिमाचल उ वैजनिक प्रयोजन के लिए ना लिस सबर, जिना सण्डी, हि	प्रदेश गरकार । मत मुहाल कृ भाषण प्रदेश भूमि भी जान ह्या जाता है पि
	1956/1 1955/1 1942/1 1948/1 1945/1 1941/1 1937/1 1936/1 1934 1934	0 13 0 14 0 4 0 † 0 † 4 Sarsahi. 3 Sarsahi. 0 5 0 5 0 14	मक्या लोक निर्मा राज्यपान को यह । सपने भ्यय पर सा तथा मेडोक्य , तहसे नच्छी-कोटलो कुन- प्रपेकित है, सतास उक्त परिलेख में कै	ण(क) 7(1)51/87. —चन त्तित होता है कि हिमाचल : वैवनिक प्रयोजन के लिए ना लि सदर, जिना सच्ची, हि प्रणान सदक के निर्माण हेतु एनव्हारा यह प्रधिनुचित रि	हिंचा गरकार ह मत मुहाल कृ भाषण प्रदेश भूमि की जान ह्या जाता है हिं दिस्ट किया गर
	19:56/1 19:55/1 19:42/1 19:48/1 19:48/1 19:41/1 19:36/1 19:36/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahi. 0 5 0 5 0 14	मक्या लोक निर्मा राज्यपान को यह । सपने भ्यय पर सा तथा मेडोक्य , तहसे नच्छी-कोटलो कुन- प्रपेकित है, सतास उक्त परिलेख में कै	ण (ख) 7(1) 51/97.—बत स्तीत होता है कि हिमाचल उ वैजनिक प्रयोजन के लिए ना लि सबर, जिना सब्बी, हि सल्ला सबक के लिलाल हुतू एनवहार यह अधिस्थित से ति सा कि निस्त विवरणी में ति	हिंचा गरकार ह मत मुहाल कृ भाषण प्रदेश भूमि की जान ह्या जाता है हिं दिस्ट किया गर
	19:56/1 1945/1 1942/1 1948/1 1945/1 1945/1 1937/1 1936/1 1934 1938/1 1947/1 1939/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10	विकास क्षेत्र के स्वाप्त कर्म वहां वहां स्वाप्त कर्म वहां स्वाप्त स्व	ण (वा) 2(1) 51/87.—वर्ग स्वीत होता है कि हिमाचल । वैवितक प्रयोजन के लिए ना लेग सबर, किना अपरी, हि एस तकक के नियमित होते एनव्हाग यह प्रशिम्दिक्त हैं। सर्गित निस्त विवस्ती में नि के लिए पृत्ति का प्रयंत प्रशेषि । ऐसे लभी व्यक्तियों को, जो	प्रदेश गरकार । भत मुहाल हु भाषक प्रदेश भूमि की जान रूपा जाता है पि दिस्ट किया गर अता है । इससे सम्बन्धि
	1956/1 1942/1 1948/1 1948/1 1944/1 1937/1 1936/1 1938/1 1938/1 1949/1 1939/1 1939/1 1939/1 1939/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 0 9	निया भोक निया राज्यपान को यह । धयने भ्या पर तथा मेडीकर, तहबं क्यो-कोटलो कुन- ध्योधित हैं, खेलाख उक्त परिश्लेक में बैंड है उपरांक्त प्रयोजन 2. यह प्रधिस्तन हो नकने हैं, की जान	ण(ख) 2(1) 51/62.—बन स्तित होता है कि हिसाचल : वैवितक प्रयोजन के लिए ना लग्न सदर, जिना सच्छो, हि सम्मान सदक के नियोग हुनु प्रवहाग यह प्रिथम्भित ते ता कि निस्त विद्यापी में निर्म के लिए पृत्रिक स्वाप्त में । ऐसे लभी व्यक्तियों को बो कारी के लिए पृत्रिक प्रवेत में	प्रवेश गरकार । मत मुहाल कु माचल प्रदेश पूर्मि की जान ह्या जाता है पि विस्ट किया गर अत्त है । । इससे सम्बन्धि फिलियम । ४९
	19:56/1 1945/1 1942/1 1948/1 1945/1 1945/1 1937/1 1936/1 1938/1 1939/1 1939/1 1933/1 1929/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10 0 10	निया भोक निया राज्यपान को यह । धयने भ्या पर तथा मेडीकर, तहबं क्यो-कोटलो कुन- ध्योधित हैं, खेलाख उक्त परिश्लेक में बैंड है उपरांक्त प्रयोजन 2. यह प्रधिस्तन हो नकने हैं, की जान	ण (वा) 2(1) 51/87.—वर्ग स्वीत होता है कि हिमाचल । वैवितक प्रयोजन के लिए ना लेग सबर, किना अपरी, हि एस तकक के नियमित होते एनव्हाग यह प्रशिम्दिक्त हैं। सर्गित निस्त विवस्ती में नि के लिए पृत्ति का प्रयंत प्रशेषि । ऐसे लभी व्यक्तियों को, जो	प्रवेश गरकार । मत मुहाल कु माचल प्रदेश पूर्मि की जान ह्या जाता है पि विस्ट किया गर अत्त है । । इससे सम्बन्धि फिलियम । ४९
	19:56/1 1945/1 1948/1 1948/1 1944/1 1934/1 1936/1 1938/1 1938/1 1943/1 1939/1 1939/1 1932/1 1932/1 1932/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10 0 9	निया भोक निया राज्यपान को यह । धयने भ्या पर तथा मेडीकर, तहबं क्यो-कोटलो कुन- ध्योधित हैं, खेलाख उक्त परिश्लेक में बैंड है उपरांक्त प्रयोजन 2. यह प्रधिस्तन हो नकने हैं, की जान	ण(ख) 2(1) 51/62.—बन स्तित होता है कि हिसाचल : वैवितक प्रयोजन के लिए ना लग्न सदर, जिना सच्छो, हि सम्मान सदक के नियोग हुनु प्रवहाग यह प्रिथम्भित ते ता कि निस्त विद्यापी में निर्म के लिए पृत्रिक स्वाप्त में । ऐसे लभी व्यक्तियों को बो कारी के लिए पृत्रिक प्रवेत में	प्रवेश गरकार । मत मुहाल कु माचल प्रदेश पूर्मि की जान ह्या जाता है पि विस्ट किया गर अत्त है । । इससे सम्बन्धि फिलियम । ४९
	1956/1 1942/1 1948/1 1948/1 1945/1 1945/1 1937/1 1936/1 1938/1 1938/1 1943/1 1939/1 1933/1 1933/1 1933/1 1933/1 1933/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1	विकास क्षेत्र के स्वाप्त कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	ण(ख) ?(1) S1/8?.—बन स्तित होता है कि हिमाचल । बंबनिक प्रयोजन के निष्ण ना लिस सदर जिना सप्ती, हि गणन सक्क से निर्माण हुन एनदृहरा यह प्रधिम्मित हा कि निस्त चिटली में नि के निण् पृत्रि का खंतन प्रमें । ऐसे लक्षी व्यक्तियों को, जो कारी के निण् पृत्रि सर्वन ह स्रा के निण् पृत्रि सर्वन ह स्रा के निण् पृत्रि सर्वन ह	प्रदेश गरकार । भत मृहाल कृ भागक प्रदेश भूमि की जाः स्याजाता है दिप्ट किया गर अन् है। इससे सम्बन्धि प्रिमियम । 89
	19:56/1 19:55/1 19:42/1 19:48/1 19:48/1 19:48/1 19:37/1 19:36/1 19:38/1 19:38/1 19:39/1 19:39/1 19:39/1 19:32/1 19:32/1 19:31/1 19:30/1 19:30/1 19:30/1	0 13 0 14 0 4 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 11 0 10 0 9 0 10 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यात्व को बहा । राज्यात्व को बहा । राज्यात्व को बहा स्व क्या मेडीकर, तहबं क्या की की की की उपने परिश्लेक के के है उपनेक्षा प्रयोजन 2. यह प्रधिस्व के हो नक्ते हैं, की जान की धारा 4 से उपका 3. पूर्वोकर धारा	ण(ख) 2(1) 51/62.—बन स्तित होता है कि हिसाचल : वैवितक प्रयोजन के लिए ना लग्न सदर, जिना सच्छो, हि सम्मान सदक के नियोग हुनु प्रवहाग यह प्रिथम्भित ते ता कि निस्त विद्यापी में निर्म के लिए पृत्रिक स्वाप्त में । ऐसे लभी व्यक्तियों को बो कारी के लिए पृत्रिक प्रवेत में	प्रदेश गरकार । मत मुहाल कृ भागक प्रदेश भूमि ली जाः स्या जाता है दिस्ट किया गर अस है । । इससे सम्बन्धि प्रधानयम । ४९ है ।
•	19-56/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1945/1 1934/1 1936/1 1938/1 1939/1 1933/1 1939/1 1933/1 1939/1 1931/1 1930/1 1932/1 1932/1 1932/1 1932/1 1932/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10 0 9 0 10 0 1 0 12 0 12 0 6	नक्या ओक निया राज्यपान को नह । प्रथम न्या पह । प्रथम ने स्वा प्र क्या महोक्य , तहबं क्या निया के स्वा क्या परिक्षक में के है उपरांक्य में के है उपरांक्य में के है उपरांक्य में के है अपरांक्य में के है अपरांक्य में के है अपरांक्य में की आरा 4 के उपस्क राज्यपान, हिमालक	ण(क्ष) 2(1) 51/62 — वत स्तित होता है कि हिमाचल । वैविक्त प्रयोजन के लिए ना ल सदर जिना सच्चों, हि एक्ष्याग यह कियालि होते, एक्ष्याग यह कियालि होते में कि निम्म दिवस्ती में निर्मा के लिए पृथ्यि का खरेन प्रयोग एमें कभी व्यक्तियों को, जो कारी के लिए पृथ्यि सचन ह साने धन्तपूर्वन प्राप्ति को जानी	प्रदेश सरकार । मत मुहाल बु मत्य मुहाल बु माचल प्रदेश मुद्दा जाता है दि दिस्ट किया गर अस है। । इससे सम्बद्धि प्रधानयम । ४९ है। प्रधान करते हुए में कार्यान्त सक
	19:56/1 1942/1 1948/1 1948/1 1948/1 1944/1 1934/1 1936/1 1938/1 1939/1 1939/1 1932/1 1932/1 1933/1 1922/1 1931/1 1926/1 1924/1 1923/1 1926/1 1923/1 1926/1 1923/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1	नक्या ओक निया राज्यपान को नह । प्रथम न्या पह । प्रथम ने स्वा प्र क्या महोक्य , तहबं क्या निया के स्वा क्या परिक्षक में के है उपरांक्य में के है उपरांक्य में के है उपरांक्य में के है अपरांक्य में के है अपरांक्य में के है अपरांक्य में की आरा 4 के उपस्क राज्यपान, हिमालक	ण(ख) ?(1) S1/8? — चन स्तित होता है कि हिलाचल । बंचनिक प्रयोचन के निष्ण ना लिय सदर किरा सक्षी, हि लिया कहे निर्माण हुन एनदृहरा यह ध्यिम्मित है तर कि निस्न चिट्टपणि में नि के निण् प्रसि का खबेन धरें । ऐसे कभी व्यक्तियों को जो कारी के निल् पृति धर्मन द हा के धन्तर्यन हारी की जानी । उदसा इसल नमस्त्रमा अपनिक्ता । उदसा इसल नमस्त्रमा अपनिक्ता को	प्रदेश गरकार । भारत महालय हु भारत महालय हु भारत स्ट्रीय स्ट्या जाता है वि दिस्ट किया गर अत्त है । । इससे सम्बन्धि सिक्टियम । ४९ है । प्रयाग करते हु से सार्यण्य सक् इकाके सी किस
	19:56/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1945/1 1945/1 1935/1 1936/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1933/1 1929/1 1931/1 1930/1 1926/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12 0	निया श्रोक निया राज्यात्व को बहा । स्वयं अव्यव सा त्वा मेडीकर, तहबं क्यो-कोटको कुन- व्या परिक्षक के के है उपराक्त प्रयोजन 2. यह व्याध्यक्त हो नकरे हैं, की जान की धारा 4 के उपका प्राच्यात्व, हिमावक प्राच्यात्व, हिमावक भी सृत्व में प्रका की भी सृत्व में प्रका की	ण(ख) ?(1) S1/8? — चन स्तित होता है कि हिलाचल । बंचितक प्रयोचन के लिए ना लिय स्वर, किना सक्ते, हि लिए सहिता खंडित है सिर्माल हुन एनव्हाग यह ध्रिधमुचित है ता कि निस्त चिट्टली में नि के लिए प्रसि का खंतन बचें । ऐसे की लिए प्रसि ध्रवंत व हा के ध्रत्याचेन बागे की जानी । उत्तर प्रचल क्लाचन का अवस. इस नम्मस्ट इस उपका भ्रवेस. इस नम्मस्ट इस उपका	प्रदेश गरकार ४ भत मुहाल कु भत मुहाल कु भावक प्रदेश कि भूमि की जान स्पा जाता है। दिस्ट किया गर अत है। । इससे सम्बन्धि प्रधानयम । ४९ है। प्रधान करने हु। से कार्यमन सर्थ इस सार्या हा।
	19:56/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1944/1 1937/1 1936/1 1938/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1936/1 1936/1 1366/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1	निया श्रोक निया राज्यात्व को बहा । स्वयं अव्यव सा त्वा मेडीकर, तहबं क्यो-कोटको कुन- व्या परिक्षक के के है उपराक्त प्रयोजन 2. यह व्याध्यक्त हो नकरे हैं, की जान की धारा 4 के उपका प्राच्यात्व, हिमावक प्राच्यात्व, हिमावक भी सृत्व में प्रका की भी सृत्व में प्रका की	ण(क्ष) 2(1) 51/82	प्रदेश गरकार ४ भत मुहाल कु भत मुहाल कु भावक प्रदेश कि भूमि की जान स्पा जाता है। दिस्ट किया गर अत है। । इससे सम्बन्धि प्रधानयम । ४९ है। प्रधान करने हु। से कार्यमन सर्थ इस सार्या हा।
	19:56/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:36/1 19:36/1 19:38/1 19:39/1 19:39/1 19:39/1 19:39/1 19:32/1 19:30/1 19:26/1 19:24/	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10 0 19 0 10 0 1 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12	निया भोक निया राज्यपान को नहां प्रथम भ्या पर स तथा मेहोकर, तहसं मण्डी-काटलो कुन- प्रपतिक में के हैं उपराक्त प्रयोजन 2. यह प्रधिस्त्र में के हैं उपराक्त प्रयोजन 2. यह प्रधिस्त्र में हो निया में के उपरान की जारा 4 के उपरान प्रधिक्त स्वाप्त हिमाचल स्विकारियों, उनके क स्रपीका या जनमा	ण(क्ष) 2(1) 51/82	प्रदेश गरकार । भत महाल प्र भत महाल प्र गयक प्रदेश भूमि सी जा। स्या जाता है वि दिस्ट स्थित गर भत है । इससे सम्बन्धि प्रयाग करते हु। से कार्यम्य सभ इस सार्यम्य सभ इस सार्या हा।
	19:56/1 1945/1 1946/1 1946/1 1945/1 1945/1 1935/1 1936/1 1938/1 1943/1 1933/1 1933/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 19366 1366/1 1271/1 1270/1 1270/1	0 13 0 14 0 4 0 7 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 12 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यवान को बहु । स्राप्त के स्वर सा तावा मेडीकर, तहबं क्यो के तहबं क्यो कि स्वरास उनन परिश्रक के के है उपराक्त प्रयोजन 2. यह प्रश्लिक के हो जान है, की जान की जारा 4 के उपका प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, हिमाबक प्राच्यापान, वास्त्रक प्राच्यापान, वास्त्रक प	ण(ख) 2(1) 51/62	प्रदेश गरकार । मत सुहाल हु- भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश स्या आता है। दिस्का सम्बद्धि अस्त है। इससे सम्बद्धि प्रदाम करते हुः से कार्यक्त सम्बद्धि इस साम सम्बद्धि इस साम साम
	19-56/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1944/1 1934/1 1936/1 1938/1 1939/1 1939/1 1933/1 1939/1 1933/1 1929/1 1931/1 1930/1 1926/1 1924/1 1926/1 1924/1 1926/1 1927/1 1366 1368/1 1271/1 1269/1 1269/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 1 0 19 0 10 0 9 0 10 0 12 0 12 0 6 0 2 1 1 1 1 1 2 2 0 2 0 3 0 4	निया श्रोक निया राज्यपान को नहा प्राप्त को नहा प्राप्त के स्वाद स	ण(ख) 2(1) 51/82	प्रदेश गरकार । भारत मुहाल हुन भारत मुहाल हुने भारत प्रदेश में भूमि ली जान ह्या जाता है वि दिस्ट किया गर अस है। इससे सम्बन्धि प्रयाग करते हुन से कार्यग्न सक इस सेता हुने के लिए, सहर हम सेता सह
	1956/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1948/1 1944/1 1936/1 1938/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1932/1 1933/1 1932/1 1933/1 1922/1 1931/1 1930/1 1926/1 1924/1 1923/1 1921/1 1926/1 1924/1 1923/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 14 0 0 9 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12	विकास को का किया निया राज्यवान को नहां के स्था के स्था कर ना सा किया कर ना सा किया के स्था कर ना सा किया के स्था कर के स्था कर के स्था कर के सा किया किया के सा किया किया के सा किया किया के सा किया किया किया किया के सा किया किया किया किया किया किया किया किय	ण(ख) ?(1) S1/8?.—बन स्तित होता है कि हिलाचल : बैचितक प्रयोचन के निया ना त्वान सदर, कि.ग. बन्दो, हि तान सदर, कि.ग. बन्दो, हि तान कि निवन कि.ग्यों ने सिर्माण हुन प्रवद्धाग यह ध्रिधनिक्त कि ता कि निवन कि.ग्यों को जो तो के निया भूमि धर्मन करी तो के स्तानित जारी की जाती अस्त इस नम्म इस उपक्रम अस्त इस नम्म इस उपक्रम त्वे और सखस्य करने और स्वय मधी कार्यों को करने स्वय स्वपित, जिसे उक्तर परिको विस्त स्वस्त इस परिकृत	प्रदेश गरकार । मत सुहाल वृद्ध । भाषक प्रदेश में भाषक प्रदेश में भाष की बार करना मार्थ कि स्वाप्त करने हुं में कार्यराम कार्यराम करने हुं में कार्यराम करने हुं में कार्यराम क
	1956/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1948/1 1934/1 1936/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1926/1 1924/1 1926/1 1924/1 1926/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı 0 12 0 10 0 10 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यात्र को बहु । स्वयं स्वयं द ना तथा सेद्रोक्ष तह ने स्वयं स्वयं द ना तथा मेद्रोक्ष तह के स्वयं प्रतिक्ष के के है उपगंक्ष प्रयंक्त 2. यह यश्चित्रका के है उपगंक्ष प्रयंक्त हो सक्ते हैं, की जान की भारा 4 के उपका प्राचकारियों, उनके क्ष भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों तकके क्ष प्राचकारियों तकके हैं। 4 कोई भी दित के प्रजंन पर कोई धार	ण (क्य) 2(1) 51/62वत स्तित होता है कि हिलाचल : वैवितक प्रयोजन के लिए ना ल सदर, जिरा सक्वी, हि एत्य हारा यह प्रिप्तृशिकत । सा कि निस्त विदरणी में नि के लिए पृत्ति कर प्रदेन प्रयोग हों से कभी व्यक्तियों को, को कारी के लिए पृत्ति प्रयोज के ध्वा के धलायेन जारी की जाती । द्वारा प्रवक्त काल्या का प्रवक्त इस नम्मण्डम उपका एवं बीर स्वक्ष्ता करने काल व्यक्त स्वा काल्या का प्रवक्त इस नम्मण्डम अन्ति काल स्वा क्षालित, जिल प्रस्ति एवाई के से सिर्ग पिला एवाई के से सिर्ग प्रवित्त	प्रदेश गरकार । मत् सृहाल वृद्ध । मत् प्रदेश पर्यक्ष प्रदेश मृश्म की जान है । दिस्की सम्बन्ध । इससे सम्बन्ध ।
	1956/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1948/1 1944/1 1936/1 1938/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1932/1 1933/1 1932/1 1933/1 1922/1 1931/1 1930/1 1926/1 1924/1 1923/1 1921/1 1926/1 1924/1 1923/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı 0 12 0 10 0 10 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यात्र को बहु । स्वयं स्वयं द ना तथा सेद्रोक्ष तह ने स्वयं स्वयं द ना तथा मेद्रोक्ष तह के स्वयं प्रतिक्ष के के है उपगंक्ष प्रयंक्त 2. यह यश्चित्रका के है उपगंक्ष प्रयंक्त हो सक्ते हैं, की जान की भारा 4 के उपका प्राचकारियों, उनके क्ष भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों तकके क्ष प्राचकारियों तकके हैं। 4 कोई भी दित के प्रजंन पर कोई धार	ण (क्य) 2(1) 51/62वत स्तित होता है कि हिलाचल : वैवितक प्रयोजन के लिए ना ल सदर, जिरा सक्वी, हि एत्य हारा यह प्रिप्तृशिकत । सा कि निस्त विदरणी में नि के लिए पृत्ति कर प्रदेन प्रयोग हों से कभी व्यक्तियों को, को कारी के लिए पृत्ति प्रयोज के ध्वा के धलायेन जारी की जाती । द्वारा प्रवक्त काल्या का प्रवक्त इस नम्मण्डम उपका एवं बीर स्वक्ष्ता करने काल व्यक्त स्वा काल्या का प्रवक्त इस नम्मण्डम अन्ति काल स्वा क्षालित, जिल प्रस्ति एवाई के से सिर्ग पिला एवाई के से सिर्ग प्रवित्त	प्रदेश गरकार । मत् सृहाल वृद्ध । मत् प्रदेश पर्यक्ष प्रदेश मृश्म की जान है । दिस्की सम्बन्ध । इससे सम्बन्ध ।
	19:56/1 19:55/1 19:45/1 19:48/1 19:48/1 19:48/1 19:48/1 19:36/1 19:36/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 19:38/1 12:56/1 12:68/1 12:66/1 12:67/1 12:66/1 12:67/1 12:66/1	0 13 0 14 0 14 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 6 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 0 0 9 0 10 0 1 0 1 0 1 0 1 2 0 1 1 0 1 0 0 1 0 1 0 1 2 0 1 1 1 15 2 0 2 0 3 0 4 0 2 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	निया श्रोक निया राज्यात्र को बहु । स्वयं स्वयं द ना तथा सेद्रोक्ष तह ने स्वयं स्वयं द ना तथा मेद्रोक्ष तह के स्वयं प्रतिक्ष के के है उपगंक्ष प्रयंक्त 2. यह यश्चित्रका के है उपगंक्ष प्रयंक्त हो सक्ते हैं, की जान की भारा 4 के उपका प्राचकारियों, उनके क्ष भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों तकके क्ष प्राचकारियों तकके हैं। 4 कोई भी दित के प्रजंन पर कोई धार	ण(ख) ?(1) S1/8?.—बन स्तित होता है कि हिलाचल : बैचितक प्रयोचन के निया ना त्वान सदर, कि.ग. बन्दो, हि तान सदर, कि.ग. बन्दो, हि तान कि निवन कि.ग्यों ने सिर्माण हुन प्रवद्धाग यह ध्रिधनिक्त कि ता कि निवन कि.ग्यों को जो तो के निया भूमि धर्मन करी तो के स्तानित जारी की जाती अस्त इस नम्म इस उपक्रम अस्त इस नम्म इस उपक्रम त्वे और सखस्य करने और स्वय मधी कार्यों को करने स्वय स्वपित, जिसे उक्तर परिको विस्त स्वस्त इस परिकृत	प्रदेश गरकार । मत् प्रहाल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल है। इससे सम्बन्ध प्रितियम । ४९ है। प्रयाग करते हु। से कार्यरण सफ इलाके की किल के निए सहा प्रदेश प्रदेश
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	19:56/1 1945/1 1942/1 1948/1 1945/1 1945/1 1945/1 1935/1 1936/1 1935/1 1938/1 1943/1 1939/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1934/1 1936/1 1926/1 1926/1 1926/1 1268/1 1266/1 1264/1 15 9/1 1873/1 1866/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 14 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यात्र को बहु । स्वयं स्वयं द ना तथा सेद्रोक्ष तह ने स्वयं स्वयं द ना तथा मेद्रोक्ष तह के स्वयं प्रतिक्ष के के है उपगंक्ष प्रयंक्त 2. यह यश्चित्रका के है उपगंक्ष प्रयंक्त हो सक्ते हैं, की जान की भारा 4 के उपका प्राचकारियों, उनके क्ष भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों हमके भी कृषि में प्रकेश के प्राचकारियों तकके क्ष प्राचकारियों तकके हैं। 4 कोई भी दित के प्रजंन पर कोई धार	ण (क्य) 2(1) 51/62वत स्तित होता है कि हिलाचल : वैवितक प्रयोजन के लिए ना ल सदर, जिरा सक्वी, हि एत्य हारा यह प्रिप्तृशिकत । सा कि निस्त विदरणी में नि के लिए पृत्ति कर प्रदेन प्रयोग हों से कभी व्यक्तियों को, को कारी के लिए पृत्ति प्रयोज के ध्वा के धलायेन जारी की जाती । द्वारा प्रवक्त काल्या का प्रवक्त इस नम्मण्डम उपका एवं बीर स्वक्ष्ता करने काल व्यक्त स्वा काल्या का प्रवक्त इस नम्मण्डम अन्ति काल स्वा क्षालित, जिल प्रस्ति एवाई के से सिर्ग पिला एवाई के से सिर्ग प्रवित्त	प्रदेश गरकार । मत् प्रहाल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल प्रदेश भावल है। इससे सम्बन्ध प्रितियम । ४९ है। प्रयाग करते हु। से कार्यरण सफ इलाके की किल के निए सहा प्रदेश प्रदेश
	19:56/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:36/1 19:36/1 19:38/1 19:39/1 19:39/1 19:39/1 19:39/1 19:30/1 19:30/1 19:26/	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 6 5 0 5 0 14 0 2 0 1 0 10 0 9 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यात्र की वह न राज्यात्र की वह न स्वयं अवद न स्वयं अवद न स्वयं अवद न स्वयं के स्वयं उप परिश्ल के के है उपराक्त प्रयोजन 2. यह प्रशिक्ष के के है उपराक्त प्रयोजन 3. पूर्वोक्त धारा राज्यात्र, हिमाक्त प्राचित्रार्थों, उनके व भी पृष्ठि भी प्रवेण क सर्पाक्तार येने है। 4 कोई भी दित के प्रजेन पर कोई भार होने के 30 दिन की समाहती, संक्ष निया के गमश सपनी सापा	ण (क्य) 2(1) 51/62. — वत स्तित होता है कि हिलाचल । वैवितक प्रयोजन के लिए ना ल सदर, जिरा प्रकार, हि एक्य हिलाच के दिस्सी हैं हैं, एक्य हिलाच के दिस्सी हैं, स्त्री कि निश्च विवरणी में नि के लिए पृत्रि कर प्रवेत प्रयोग हों से कभी व्यक्तियों को, को कारी के लिए पृत्रि प्रयोग के ध्वा के धलायेंग नागी की जाती । द्वारा प्रवच्च लिलाया का प्रवंत देश नम्पय इस प्रवच्च एक बीर स्वक्ष्ता करने की प्रवच्च के से स्त्री को करने क्वा क्ष्मी कार्यों को करने प्रवच्च के से सिर्फा प्रवच्च प्रवच्च के से सिर्फा प्रवच्च स्वच्च के स्वच्च स्वच्च हैं।	प्रदेश गरकार । मत मुहाल प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश प्रदेश भाषक स्टे। प्रयाग करते हा देश प्रयाग करते हा देश भाषक स्टे। प्रयाभ स्टे। प्रयाभ स्टे। प्रयाभ स्टे। प्रयाभ स्टे। प्रयाभ स्टे।
	19-56/1 1945/1 1942/1 1948/1 1945/1 1945/1 1935/1 1936/1 1935/1 1938/1 1943/1 1939/1 1939/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1926/1 1926/1 1270/1 1268/1 1270/1 1266/1 1267/1 1266/1 1267/1 1866/1 1867/1 1866/1 1867/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 O 14 0 2 0 15 0 19 0 10 0 1 0 12 0 12 0 12 0 12 0 6 0 6 2 6 1 1 15 2 2 2 0 2 0 3 0 4 0 1 1 123 0 3 0 17 0 5 1 1	विकास क्षेत्र महिला स्वाप्त कर्मा महिला स्वाप्त महिला कर्मा महिला स्वाप्त स्व	ण (आ) 2(1) 51/62. — बत स्तित होता है कि हिलाचल : वैवितक प्रयोजन के तिण नाल लवर, जि.1 वण्डो, हि सार्या सक्क के निर्माण होनु एनव्हाम यह प्रिथम्भित ते ता कि निश्म विवास प्रयोग में का निश्म प्रविक्त प्रयोग स्त्री के लिए पूर्वि प्रयोग के कारी के लिए पूर्वि प्रयोग के कारी के लिए पूर्वि प्रयोग के कारी के स्तर्य प्रविक्त स्त्री हारा प्रवत्त काल्या का प्रवत्त, इस समय उस उपक्रम प्रवास प्रविक्त कारो को करने व्या स्वीकार्यों को करने व्या स्वीकार्यों को करने व्या स्वीकार्यों को करने स्वा स्वास्त्र प्रविक्त प्रविक्त प्रविद्या के भीतर स्विक्त मण्डी सि वायर कर सकता है।	प्रदेश गरकार । मत मुहाल हुं भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश को कि प्रदेश को प्रदेश को प्रदेश को कि प्रदेश को प्रदेश प्रदेश को प्रदेश प्रदेश को प्रदेश प्रदेश को प्रदेश प्रदेश को विष्णायन प्रदेश
*	1956/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1948/1 1934/1 1936/1 1938/1 1939/1 1939/1 1933/1 1939/1 1933/1 1929/1 1932/1 1932/1 1932/1 1932/1 1932/1 1926/1 1924/1 1926/1 19	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 14 0 2 0 14 0 2 0 14 0 10 0 10 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12	निया श्रोक निया राज्यवान की वह । प्राप्त के वह निया के वही निया के वह निया के वही निया के वह नि	ण (क्य) 2(1) 51/62. — वत स्तित होता है कि हिमाचल । वैवित्तक प्रयोजन के निया नाल स्तित होता है कि हिमाचल । वैवित्तक प्रयोजन के निया नाल स्तित निर्मा वह परिमुचित । सा कि निर्म विवरणी कें। के निया पृति का प्रदेन प्रयोग के निया पृति का प्रदेन प्रयोग कारी के निया पृति का प्रदेन प्रयोग स्त्री के निया प्रति जाती । होरा प्रवास का नाल का प्रवास का नाम प्रति । स्त्री प्रयोग भी जाती । हारा प्रवास का नाल का स्त्री प्रति और प्रयोग का कान्य स्त्री प्रति और प्रयोग का कान्य स्त्री प्रति और प्रयोग प्रवास मधी कार्यों को कार्य प्रवास क्या का स्त्री हो। स्त्री स्त्री के प्रति प्रवास प्रवास का सकता है । स्त्री स्त्री का प्रयोग मण्डी स्त्री स्त्री कर प्रति स्त्री हो।	प्रदेश गरकार । मत स्हाल प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश प्रदेश भाषक से वा प्रदेश प्
· ·	19-56/1 1945/1 1945/1 1946/1 1946/1 1945/1 1935/1 1936/1 1935/1 1936/1 1939/1 1939/1 1933/1 1929/1 1933/1 1922/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1926/1 1926/1 126/1 126/1 126/1 126/1 1366/1 1867/1 1867/1 1867/1 1867/1 1867/1	0 13 0 14 0 14 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 0 5 0 14 0 2 0 5 0 14 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12 0 12	विकास क्षेत्र कर स्थान कर्या के कि निया राज्यवान कर ते नह स्थान कर ता तह स्थान कर ता तह स्थान कर तह के कि उपने कर स्थान कर स्था कर स्थान	ण (आ) 2(1) 51/62. — बत स्तित होता है कि हिलाचल । वैवितक प्रयोजन के लिए ना लग नवर, जिना मण्डे, हि राला नवक के निर्माण होनु स्वत्वहाग यह प्रियम्भित ते हा कि निस्न विवरणों में नित के लिए पृत्रि का धर्मन प्रयोग हो के लिए पृत्रि प्रयोग के स्ता कारी के लिए पृत्रि प्रयोग के ध्वा के धन्तपंत्र नाग की जाती हारा प्रवत्त अलिए प्रयोग को जाती हारा प्रवत्त अलिए प्रयोग को जाती हारा प्रवत्त अलिए मां के प्रयोग प्रवा के धन्त प्रयोग के जातने प्रवा मण्डे स्ता नवस्तु प्रयोग प्रवा मण्डे प्रयोग के प्रयोग विवा प्रविमान स्वा प्रयोग विवा प्रविमान स्वा है।	प्रदेश गरकार । मत स्हाल प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश प्रदेश भाषक से वा प्रदेश प्
	19-56/1 1945/1 1945/1 1944/1 1945/1 1945/1 1935/1 1936/1 1935/1 1938/1 1943/1 1939/1 1933/1 1929/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1933/1 1926/1 1926/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1 126/1 186/1 186/1 186/1 186/1 186/1 186/1 186/1 186/1	0 13 0 14 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1	निया श्रोक निया राज्यवान की वह । प्राप्त के वह निया के वही निया के वह निया के वही निया के वह नि	ण (आ) 2(1) 51/62. — बत स्तित होता है कि हिलाचल । वैवितक प्रयोजन के लिए ना लग नवर, जिना मण्डे, हि राला नवक के निर्माण होनु स्वत्वहाग यह प्रियम्भित ते हा कि निस्न विवरणों में नित के लिए पृत्रि का धर्मन प्रयोग हो के लिए पृत्रि प्रयोग के स्ता कारी के लिए पृत्रि प्रयोग के ध्वा के धन्तपंत्र नाग की जाती हारा प्रवत्त अलिए प्रयोग को जाती हारा प्रवत्त अलिए प्रयोग को जाती हारा प्रवत्त अलिए मां के प्रयोग प्रवा के धन्त प्रयोग के जातने प्रवा मण्डे स्ता नवस्तु प्रयोग प्रवा मण्डे प्रयोग के प्रयोग विवा प्रविमान स्वा प्रयोग विवा प्रविमान स्वा है।	प्रदेश गरकार । मत स्हाल प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश प्रदेश भाषक से वा प्रदेश प्
	19-56/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1948/1 1935/1 1936/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1924/1 1924/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1366/1 1367/1 1366/1 1367/1 1366/1 1375/1/1 1375/1/1 1375/1/1 1375/1/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 6 5 0 14 0 2 0 5 0 14 0 1 0 10 0 9 0 10 0 12 0 6 2 1 1 1 2 2 0 2 0 3 0 4 0 1 1 1 2 0 3 0 3 0 17 0 10 0 3 0 3 0 17	निकार ओक नियां राज्यवान की नहां राज्यवान की नहां प्राप्त के अप पर ता तावा मेडीकर, तहलं न्यां की की अप पर उपरांकर प्रयांकर 2. यह प्रधिस्त्र के हैं उपरांकर प्रयांकर 2. यह प्रधिस्त्र के ही अपरांकर प्रयांकर की आसा ने के उपन्न की आसा ने के उपन्न का प्रधिकारियों, उनके क प्रपिक्ता या प्रमान प्राप्त का प्रमान की भूमि में प्रवेण क प्रपिक्ता येते हैं। ने कोई भी दिल के प्रपांत पर कोई भार होने के 30 दिन की समाहतां, लोक नियां के गमश सपनी साणी [Authoritative Em notification No. Le as required unde Constitution of In	ण (क्य) 2(1) 51/62. — वत स्तित होता है कि हिमाचल । वैवित्तक प्रयोजन के निया नाल स्तित होता है कि हिमाचल । वैवित्तक प्रयोजन के निया नाल स्तित निर्मा वहन के स्तिमीण हेतु प्रवहारा यह प्रियमित हैते से कि निर्मा प्रवित्त के निया हैते हो सि कि निर्मा प्रयोज के से से स्तिमी के निया में से स्तिमी के स्तिम प्रयोजन के साम के स्तिम से से स्तिम हो से स्तिम हो से स्तिम के स्तिम से से स्तिम हो से स्तिम से	प्रदेश गरकार । मत स्हाल प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्तर्भ स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश
*	19:56/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:45/1 19:37/1 19:36/1 19:38/1 19:38/1 19:39/1 19:39/1 19:39/1 19:33/1 19:29/1 19:33/1 19:29/1 19:31/1 19:30/	0 13 0 14 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1 0 1	निकार ओक नियां राज्यवान की नहां राज्यवान की नहां प्राप्त के अप पर ता तावा मेडीकर, तहलं न्यां की की अप पर उपरांकर प्रयांकर 2. यह प्रधिस्त्र के हैं उपरांकर प्रयांकर 2. यह प्रधिस्त्र के ही अपरांकर प्रयांकर की आसा ने के उपन्न की आसा ने के उपन्न का प्रधिकारियों, उनके क प्रपिक्ता या प्रमान प्राप्त का प्रमान की भूमि में प्रवेण क प्रपिक्ता येते हैं। ने कोई भी दिल के प्रपांत पर कोई भार होने के 30 दिन की समाहतां, लोक नियां के गमश सपनी साणी [Authoritative Em notification No. Le as required unde Constitution of In	ण (आ) 2(1) 51/62. — बत स्तित होता है कि हिलाचल । वैवितक प्रयोजन के लिए ना लग नवर, जिना मण्डे, हि राला नवक के निर्माण होनु स्वत्वहाग यह प्रियम्भित ते हा कि निस्न विवरणों में नित के लिए पृत्रि का धर्मन प्रयोग हो के लिए पृत्रि प्रयोग के स्ता कारी के लिए पृत्रि प्रयोग के ध्वा के धन्तपंत्र नाग की जाती हारा प्रवत्त अलिए प्रयोग को जाती हारा प्रवत्त अलिए प्रयोग को जाती हारा प्रवत्त अलिए मां के प्रयोग प्रवा के धन्त प्रयोग के जातने प्रवा मण्डे स्ता नवस्तु प्रयोग प्रवा मण्डे प्रयोग के प्रयोग विवा प्रविमान स्वा प्रयोग विवा प्रविमान स्वा है।	प्रदेश गरकार । मत स्हाल प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश प्रदेश प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश भाषक स्तर्भ स्त्री प्रदेश भाषक स्त्री प्रदेश
	19-56/1 1945/1 1945/1 1948/1 1948/1 1948/1 1948/1 1935/1 1936/1 1938/1 1938/1 1939/1 1933/1 1933/1 1929/1 1933/1 1926/1 1924/1 1924/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1926/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1206/1 1366/1 1367/1 1366/1 1367/1 1366/1 1367/1 1366/1 1375/1/1 1375/1/1 1375/1/1 1375/1/1	0 13 0 14 0 4 0 1 0 1 4 Sarsahı. 3 Sarsahı. 6 5 0 14 0 2 0 5 0 14 0 1 0 10 0 9 0 10 0 12 0 6 2 1 1 1 2 2 0 2 0 3 0 4 0 1 1 1 2 0 3 0 3 0 17 0 10 0 3 0 3 0 17	विकास क्षेत्र कर स्वास्त्र कर्मा कर	ण (क्य) 2(1) 51/62. — वत स्तित होता है कि हिमाचल । वैवित्तक प्रयोजन के निया नाल स्तित होता है कि हिमाचल । वैवित्तक प्रयोजन के निया नाल स्तित निर्मा वहन के स्तिमीण हेतु प्रवहारा यह प्रियमित हैते से कि निर्मा प्रवित्त के निया हैते हो सि कि निर्मा प्रयोज के से से स्तिमी के निया में से स्तिमी के स्तिम प्रयोजन के साम के स्तिम से से स्तिम हो से स्तिम हो से स्तिम के स्तिम से से स्तिम हो से स्तिम से	प्रदेश गरकार । मत मुहाल हु है भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक प्रदेश भाषक है। प्रमास सम्बद्धि प्रमास सम्बद्धि प्रमास करने हुए में कार्यान करने हुए में कार्यान करने हुन भाषक है। प्रमास करने हुए में कार्यान करने हुन भाषक है। प्रमास करने हुए में कार्यान सहर में मार्यान सहर में मार्यान सहर प्रमास मुख्यान प्रम मुख्यान प्रमास मुख्यान

to be required to be taken by the Himachai Pradesh Government at the public expenses for a public purpose, namely for construction of Mandi-kotli-Kun-Ka-Tar road m Muhal Kun & Mandokhar, Tehail Sadar, District Mandi H.P., it is hereby notified that land in the locality described below is likely to be acquired for the above nurpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern.

in exercise of the powers conferred by the aforesaid section the Governor, Himachal Pradesh is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has any objection to the acquisition of the said land in the locality may, within thirty days of the publication of this notification, file an objection in writing before the Collector of Land Acquisition, H.P. P.W.D., Mandi (H. P).

DOM: N SPECIFICATION

बाला मणी District: MANDI

तहसील सदर Tehnil: SADAR

मोजा Muhal/Mauza	अपनराग्ध	सम्बद्धाः Area बी ० चि ० विस्थां ०		
	k hasra No.	Big.	Bin. Bisw	
1	2	3	4	
4 4	732/1		0	14
KUN∙4	1171	0	2	10
	1172/1		0	13
	731/1	0	0	16
	1170/1		1	3
	1169/1		2	0
	1175	0	1	7
	1174	0	3	8
firm.		v	12	11
मेंबोचर	992/536/1	9	0	12
MANDHK HAR	450/1	0	U	15
	912/1	0	1	8
	894	6	1	13
	464		2	11
	854/1		11	
	910/1		2	1
শিলা .	. 7	1	0	

क्रिम्बर-171002, 13 नवस्वर, 1987

सक्या नो 0 नि 0 (बा) 7(1) 72/87 .---वतः हिमाच र प्रवेश के राज्यवान को यह ज़तीन होता है कि हिमाचल प्रदेश गरकार को बचने स्थव पर सार्वजनिक प्रयाजन के निए नामतः गांव बडांग तक्षणील व जिला सालन, में कालका शिमला राष्ट्रीय उच्च मार्ग- 22 के बड़ोब बाई-पास के निर्माण हेत भूमि धाँजन करनी पर्पाधन है। एतदशारा यह धासिम्बित किया जाता है कि उपत परिसंध में मैस। कि निब्न विवरणी में निविष्ट किया गया है उपराक्त प्रयोजन के किए भवि का धर्षन धरोक्षित है।

वह प्रशिस्तवना तेसे मधी व्यक्तिया को, वा इसमें सम्बन्धित हो नकतं है, की जानकारों के लिए श्रीम धर्मन प्रधिनियम 1894 की धारा 4 के उपनिक्षा के शन्तर्गत जानी की नाती है ।

पुर्वोक्त भारा द्वारा प्रदश्त लक्तिया का प्रयाग करने हुए. राज्यकाल विकासन प्रदेश क्षेत्र समय इस उपक्रम से कार्यका सभी व्यक्तिकारियां, उनके कर्मचरियां और अभिको को इलाके के किसी भी मामि में प्रकेश करने भीर सर्वेक्षण करने भीर उस भारा द्वारा बचेकित या बनमत धम्य नभी कार्यों को करने के निए सहये प्राधिकार देते हैं।

कोई की जिलबाद व्यक्ति, जिले उचन परिक्षेत्र में कांधन मनि के वर्जन पर कोई वापत्ति हो, तो वह इस बांधसूचना के प्रकाशन होते के 30 दिन की धर्मध के भीतर लिखित रूप में भ-प्रजेन वसाहता लोक निर्माण विभाग नोलन, हिम।चल प्रदेश के समक्ष प्रमती बापिल दावर कर सकता है।

विकास

	तहसाम	सालन	
	शंस		
संसरान0	नीमा	विस्वा	
2	3	4	
332/2/1	3	14	
283/1	2	0	
. 2	5	14	
	মার্বল রা	139	
	332/2/1 283/1	संसरा न 0 नीमा 2 3 332/2/1 3 283/1 2	

भाग 2--वंधानिक नियमों की कोड़ कर विकिन्न विभागों के बाध्यकों और जिला मैजिस्ट्रेटों हारा अधिस्थानाएं इर्रयादि

4

CORRIGENDUM

Shimla-3, the 16th November, 1987

No. SEH R 54, 2/87,-In the Notification under section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 in respect of village Kolo, Tehsil Kotkhai, Distt. Shimla (H.P.) for the construction of Deem Link road issued by the Superintending Engineer, 2nd circle, HPPWD, Shimla-3 vide

letter No. SE. II. R. 54-2/86-13852-56 dated 5-9-1986, the following amendment/correction is made :-

> "The area of khasra No. 255 shown as 2-0 Bighas may be read as 2-4 Bighas".

> > Sd/-

हस्तार्कास्त/-

र्माच्य ।

Superintending Engineer, 2nd Circle, HPPWD, Shimla-3

नाम ९--मधिनियम, विश्वेयक और विश्वेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिबंदन, वैश्वामिक नियम तथा तिमाधल प्रदेश क राज्यपाल हिमाचल प्रवेश हाई कोर्ट , फाइनेन्सियल कमिशनर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टेक्स हारा ब्रांशसिकत प्रादेश स्ट्यारि

स्थास्थ्य एवं परिवार कस्याण विभाग

प्राधिमधनः

शिमला- 2 16 जलाई, 1987

संबदा १-137/71-गुन्र शत्यः । स्वयः । । ---- हिमाचन प्रदेश क राज्यपाल, भारत के सर्विद्यान के धनुष्केद 308 के परन्तक द्वारा इदल सक्तिया का प्रयोग करते हुए, हिमाचन प्रदेश, लोक सवा सायोग के परावकों से, हिमाचल के स्वास्थ्य एवं परिवार कन्यांक विभाव में, जम गिक्षा एवं सुबना ग्राधिकारी वर्ग-2 राजपातिन पद के निर 800-1400 रुपये के बतनगान में, इस ग्राधिस बना में नवान उपक्रम "क" के मन्सार भनी भीर प्रोन्तित नियम बनाने हैं, सर्थान ---

- । निधान नाम प्रीप प्राप्तान --- (।) इन नियमा का मांश्रापन नाम जिमाचन प्रवेश स्वास्थ्य तब परिकार कल्याण विधास, जन शिक्षा एक मुक्ता प्रधिकारी वर्ग-दो (राजपनिक्ष) पद नहीं और प्रान्तनि नियम, 1987 है।
- (2) ये नियम राजपल, क्षिमाचल प्रदेश म प्रकाशिन किए जाने की तारीम्ब संप्रवक्त होते ।
- विरसन भीर स्थावनि --- इस विभाग की सक्षिम्चना स 0 1-137/71-गव । एक । एफ । पी 0, तारीका । ल-4-1974 द्वारा (बांधसांचत बीर समय-समय पर बचा मजाधिन जन जिला एव स्थना) प्रधिकारी बग-दो राजपंत्रित पदों के भनी एवं प्रोस्मिन नियम एनद द्वार मिर्गानन किए वाले है.

परस्तु ऐसे निरमन से उपर्यक्त नियमों के पूर्व प्रवर्तन वर का तक्षीन की गई किसी बात या कार्रवाई पर कोई प्रमाय नहीं परेना कीर इन नियमों के मधीन विधि सान्यनः की गई समझी जायेगी।

रवास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, हिसाचल प्रवेश में बन जिला एवं सचना प्रधिकारी के यह के लिए अली एवं जोन्नांत निधन

1. पदकानाम

अन क्रिका एवं सचना चांचकारी

2 पदों की संख्या

भार

3 वर्गीकरण

वर्ष-यो (राजपवित)

4 बेतनमान

574 800-25-850-30-1000/ 40-1200/50-1400

- चयन पर प्रथवा ग्राम्यन पर चयन
- मीधी भर्ती किये जाने वाले 18 में 32 वर्षे

व्यक्तियां के लिए भाग ।

परन्त् सीधी अभी के लिए पाय मीमा तवर्ष या मविद्या पर नियक्त किये गए पहले में भरकार की सवा में इन व्यक्तियो महिल सभ्यभियों को लाग नहीं

परन्तु यह भीर कि यदि तक्षं षाधार पर नियक्त किया गया भ्राध्यवी इस क्या में नियमित की तारीमा को प्रधिक्यय हो गया हो, तो वह तदर्थया मॅनिदा के धाधार पर नियम्ति के कारण विद्वित धाय में जिमिनी करण के लिए पाक्ष नहीं होगा

परस्त यह भीर कि धनुसुचित जातियी/धनमुचित जन जातियो नया प्रत्य बगों के गर्वाचनया के लिए उच्चतम प्राय सीमा में उतनी ही. शिथिलीकरण किया जा सकेना विसना कि क्रियाचन प्रदेश संस्कार के साधारण या विजय कार्यणा क धर्मात धनजय है

परसपुषह भीर भी कि पश्चिक भैक्टर निगमा तथा स्वायत निकास के सभी कमंबारिया का, जा एस पर्कतक सेक्टर निगमा सथा स्वतास्त्रता निकामा के बार्गस्थक सदन के समय गेस पब्लिक सैक्टर निगमा स्वायल निकायों से बासेजन स पूर्व बरकारी कर्मचारी वे सीनी भनीं वे काय की नीमा में ऐसी ही रियायन दी जाएगी जैमी मर-कारी कर्मचारिया का प्रनक्षय है. किन्तु इस प्रकार की रियायन परितक सैक्टर निगमा तथा स्थापन निरामा के तेने कर्मवारीयन्त का नहीं दी जाएगी जा बाद में एक निगमी/स्वायत्त निकाया/निकाया इत्या नियमन बिता गा। यंतिकः तत है और उन पश्चिक सैक्टर निगमा स्वायन निकाया के प्रारम्भि गठन के पण्यान हे से नियमी/स्वायल निकायी की सेका में श्रात्मिम रूप से श्रामेनिक किए बार है/बिस मार थ ।

टिप्पणी-१. -ग्राय नामा की गणना यथास्थिति उसे वर्ष के प्रथम दिन म की आएगी जिसमें धारेवन धार्मात्वन करने हे जिल पदिविज्ञापित या नियाजनासका का षधिमाचित किए जाते हैं :

टिप्पणी 🙏 -धन्यया सुचहित ब्रभ्यवियों की दशः में नीधी मनीं के चिए काय मीमा भीर प्रहेतार बायोग के विवेकानमार शियान की ज(सकेंगी।

7. सीधी भर्ती किये जाने वाने काक्तियों के लिए प्रदेशित त्यनतम मैक्सिन ब्रोर बन्ध ब्रहेनाए :

। धनिदार्थ गैक्षणिक महेलाए (1) मान्यता प्राप्त विक्ये-विद्यालय सस्थान सं स्तानक या इसके समतुल्य सरकारी प्रश्रंमरकारी वा प्राच्छे प्रतिधित सगठन मे स्वास्थ्य क्रिक्षा/प्रचार नोक सम्पर्क कार्य में कम ने कम 3 वर्ष का धनभव ग्राभीण क्षेत्र में स्वास्य शिक्षा/प्रकार/नोक सम्पर्क मे सम्बन्धित होतः याहिए ।

2. बाह्यनीय भहेताए : हिमाचल प्रदेश की कडिया. रीतिया घोर बालियों का मान धौर प्रदेश में विद्यमान विस्तरण दणाची में निय्क्ति के लिए उप-वयतनः ।

 सीधी जर्ली किए बाने वासे प्रायु---नहीं व्यक्तिया के लिए विक्रित गाय भीर जैक्षिक सहैताएं प्रोप्तित विकास सहैताए--हाँ । की दका में लाग होगी या नहीं।

10 मनी की गळांग -- भनी मीशी

होती या प्रोव्यति या पति

नियमिन या व्याजानसम्बद्धारः

क्षीर विभिन्न पत्रनियो हाणा

भरी जाने बाली रिवेश्स्य की

। प्रोत्सनि प्रतिनियक्ति या

न्यामान्तरण को दला में

प्रतिजनतः ।

प्राचेती ।

मा वर्ग, जिल्ला एक वर्ष मे u परियोक्ता की धर्माण गाँव कोई हो ।

संबंधिक ऐसी सीर श्रमीय के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा शक्तम पाधिकारी विलेख परि-क्रिक्रांस्था में भीन लिखन कान्ना स बादेश हैं।

ा सहायक सम्पादक .

क्सों ।

2. गुरायक प्रचार समिकारी,

परम् जन गंधी प्रवाधिकारियाँ की जिल पर प्रोम्मति के लिए विकार किया जाता है, कम के कम उ वर्ष के स्पृत्तम प्रहता-सेवा या पत्र के भती एवं प्रोस्तित नियमो में विहित गया, जो भी कम हो,

7.5 प्रतिसत प्रान्मति द्वारा 25 प्रतिमय नीबी अर्थी द्वारा ।

ग्रामी . परन्त् यह घोर भी कि जड़ा काई व्यक्ति पूर्वशामी परभ्यक की

धपेक्षताको के कारण पात्मनि कित जाने सम्बन्धी विकार के लिए स्पान हो जाला है, बहा उसमें फीनस्ट व्यक्ति भी गेमी प्रोत्ति के बिचार के भिन्न प्रमान समझा जानारा

(बा) इसी पनार स्थार्थकरण के सभी मामता में ऐसे पह पर नियमित नियक्ति स पूर्व 31-(2-1983 तक की गर नवर्ष मंत्रा. यवि कोई हो, सेशकाण के लिए

3. विकित्सा नागोपिक काय श्रीणया जिनमे पोम्मॉन की a पश्चिम सियाजन सामाजिक

कार्यकर्ता । 5 व्यास्थ्य शिक्षक में में जिनका चपने चेत्र में 31-12-83 तक की गई तक्ष्य सेवा शक्ति एक वर्ष का वेवाकान 1 13

हिप्पणी-।.--प्रोक्यांत के प्रयोजन के

निश पास पश्चिकारियां को पपने होड में उनका नियमित नेवाकाल यस्त स्थायीकस्था के परिणाम-

न्त्रस्य नवर्ष गवा को गणना मे लेकर पारस्परिक उपैरुठत। धप-रिवासिय एहेगी । (ग) अ:-12-1983 के पश्चात

की गई तवय सेवा, प्रोन्ति/व्याप्री-

करण के प्योजन के लिए गणना

में नदी जी ताएगी।

गणना में ली जाएगी

वे. ब्राध्वर पर एक वयवन ओस्डना सभी नैबार की जायेगी और पाए-स्परिक अपेरठला सपरिश्रामित रहेगी। श्यिकी- 2 --- बीधे अर्थी face गाने बान्ने भीए भोरनल किए

माने वाले व्यक्तियों का रोक्ट्र

प्रथम वर--पोलाम स्थापन के जिल

हिमीय पद-प्रोप्तन व्यक्ति के जिल

न नीच चर--प्रोम्लम व्यक्ति के जिल

निव्यक्तिवास कर से होता :---

1.2. वर्षि निभागीय ঘান্দরি

टिप्पणी-2.--जब कभा नियम-2, के प्रधीन पदों में बढ़ीनरी होती है. तो नियम 10 भीर 11 के उपबन्ध, शरकार द्वारा लोक लेवा चायोग के परामर्श में पूनरीकित किए वालंगे ।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-

चनुषं पत्र--सीधे भर्ती किये जाने नाचे व्यक्ति के जिला। प्रत्येक यन्त्रं शिक्त के प्रत्यान रोस्टर बाहराया जाएगा ।

ामकी संरचना । 1.3. प्रती करने में जिन परि-रियतियो में शिमाचन प्रवेश

नीमीत विश्वमान हो, तो समय पर विटेन की जाए। जैमा कि विशि शाम प्रमेशित

इस पोषाइंटम शान्य परि-शिष्टन पर है । हिग्पणी-। --प्राप्नांत क सधी

मामलों से यह यह निर्माण स

पूर्व सभाग्या पश्र में 31-12-1981

नोक मेबा खायोग ने परामर्भ निया आगमा । 14 मीधी अर्ली फिए जाने अपने

व्यक्तियां के लिए बर्गशा।

किसी सेवा या पत्र पर नियक्ति के लिए प्रध्यवी निम्नीलोवन

प्रवर्ग होना चाहिए .---

ने ह भी गई नवर्ष सवा, शंद कार्ड 81, प्रोर्स्सन के बिए इन नियमों से यमाबिहित सेनाकाल के लिए निव्यक्तिया अभी के वर्गान रहते हुए, गमना में जी बायंगी :--(क) उम मनी बामना मे जिल में कोई कॉनस्ट व्यक्ति सहस्रहरू पव में अपने कूल नेवाकाल (31-12-8) नक की वर्ष तक्षे नेचाका मामिल करके) के बाधार

(क) भारत का नागरिक, या (मा) नपाल की प्रजा, का

हो ।

(ग) भुटान की प्रजा, या

पर उपर्यक्त जिक्कित उपसम्बों के कारण विकार किए जाने का पास हो जाता है, वहां उसस वरिषठ समी क्यांक्य विचार किए जाने के पाल शमझे आएंगे चौर विचार

करने गमग कमिन्छ व्यक्ति में क्रार

रचे तात्ती

(भ) तिकासी गणांधीं जा. **अ**क जनवरी, 1962 से पूर्वभारत में रमायी निवास के ग्रीप्य म भाषा हो, या

(क) भाग्तीय मूल का का**र्य** व्यक्ति, जिसने पाकिस्तान, बर्गा, भी लका, पूर्वी भौकका के नेश. कीनिया, पूर्वाका, यूनाइटेड'

रिपब्लिक ग्रांक संबोधिया

(पहले संसाधिका धीर अंत्री-बार) वाविया, गालवी भीर प्रयोगिया ने भारत में स्थानी निकामी के आव्य न प्रवास

पम्लप् प्रवर्ष (चा), (ग), (भ) घीर (फ) के घष्यर्थी ऐसे स्पंकर होंमें जिनके पक्ष में भारत शरकार पालना प्रमाण-यन तारी किया गया हो ।

गंग धावर्थीका, जिल्ला मामन मे पालना प्रमाण पल यावश्यक हो. हिमाचन प्राप्त लोक सका बायोग या धन्य मनी प्राधिकरण द्वारा संपर्धानन परीजा/माजात्कार मे प्रक्रिया जा गर्नेगा, किन्त् उसे सियक्ति 🖅 प्रसाब, भारत मरकार प्रान का पावली का सर्पाक्षप प्रसाध-पत बाडी किए

जाने क पश्चाल ही दिया जाएगा।

मीधी भनी के सामले में पद पर

परन्तु यह घीर कि ऐसे घोत्र-कारी ये जिल व लिए इन नियमी के व्याध्याचन किए जाने स पर्व कोर्ट विधानीय परीक्षा विद्वित नही की गई सी छोट जिसने । मार्च 1976 की 45 वर्ष की पाय प्राप्त कर जी हो, जसमें इस मियमां क मधीन विद्वित विभागीय परीका

पास करने की धपेश्रा नहीं की नावंगी परस्यु यह सौर भी कि तंगे वर्षिकारी से विसक लिए इस नियम। के बांधमुचित किए जाने से पूर्व कोई विमागीय गरीका विहित नहीं की गई थी और जिल में । मार्च, 1976 का 45 वर्ष की धाथ पारत नहीं की वी जबसे ५० वर्ष की प्राय प्राप्त करने के पण्चात निम्मलिलिन प्रयोजनी क लिए विभागीय परीक्षा पारित

18. सीधी भर्ती कारा पत्र पत्र नियुचित के लिए संयुक्त ।

16. चारसम

17. विभागीय परीका

निव्कित के लिए जयन, मोखिक गरीका के प्राधार पर भीर गाँव. ययां न्यांन, हिमाचन प्रवेश नाक नेवा प्रायोग या घन्य मनी प्राधि-करण ऐसा करना बातस्थक या नमी बीन नमाने तो निवित परीक्षा या व्यायासरिक परीक्षा के घायार पर किया जायेका जिसका स्तर/ वाह्यक्रम यथारिधनि चार्याम/धन्य भनी प्राधिकरण बारा निशीरन किया जायेगा ।

ाश्य संबा में नियंश्यि. हिमानम

पर्वज सरकार द्वारा, समय-समय

पर प्रनृतुचित जातियां/धनुतृचित

मन जातिया/पिक्रहे बनों धीर धन्य

(। यागामी देव दक्षतागध

पार करने के लिए . घीर (2) परिक्रीका सर्वाध पूर्ण होने के प्रकात स्थायीकरण के जिल

करने की अयोध्यानहीं की नागेगी।

प्रवर्ग के अपन्तियों के लिए सेनाओं में बारक्षण की बाबत जारी किए घावेणों के सधीन होगी। 1, नेवा में, प्रत्येक नवस्य को, समय-समय पर तका मनोकित, विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में तथा विदिस विभागीय परीक्षा पास करनी होती, सन्यया वह 2. किमी प्रधिकारी से पपनी पोम्निति की सीधी पक्ति में उच्च-तर पर पर प्रोन्नति पर विभागीय

परीक्ता पास करने की झपेका नहीं की जाएगी, धांच उसने निम्नतर राजपत्तिन पद पर ऐसी परीका प्रज्ञले ही पास कर ली है। 3. सरकार, हिमाचल प्रदेश

लोक सेवा भागांग के परामणे म.

श्वसाधारण परिस्थितियो में शौर

कारणा का ग्राधिनिक्षत करके.

विभागीय परीका नियमो कं

धनसार किसी वर्गका प्रवर्गके

व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा ग पूर्णत या भागत. स्टूट मजूर कर नकेगी परन्तु यह तब जब कि ऐसे

प्रशिकारी पर उसकी प्रशिवर्षता

की बाब बाप्त करने की तारीख म किसी घन्य उननतर प्रोग्नान

के लिए विचार किया ताना

जहा राज्य भरकार की यह राय

नम्भाव्य नहीं हो 🕫

निम्निविधार के निए पाव नहीं होगा : (1) प्राथामी देय बक्तनारीय पार करने के लिए.

(2) परिवीक्षा सर्वाध के पूर्व

करण के लिए, धीर

होने के पश्चात् भी स्थायी-

18 शिवान करने की शक्ति

हा कि ऐसा करना धातज्यक या समीचीन है, वहा यह कारणों को

अभिनिवित करक और हिमाचन प्रदेश लोक संवा भाषीम के परा-वर्ण से बार्नेश होरा इन नियमो के किन्ही उपबन्धा को किसी वर्ग या व्यक्तिया के प्रवर्ग या पदी की

बाबत शिथिल कर सकेशी।

(3) प्राप्ते उच्चतर पर पर प्रोम्मति के लिए :

परम्तु उस प्रधिकारी से जिसने इन नियमों के श्राधमुनित किय जाने से पूर्व, किन्ही निषमी क घश्रीम पूर्णलः या धमतः विभागीय परिकिट---।

वन जिल्ला गुणं सुचना अधिकारी के पद पर प्रोन्नति हेतु फीडर प्रवर्गी का । अ पोचाइन्ड गोस्टर

पहुला पदः --महायक सम्पादक (इस पद पर कम से कम 7 वर्ष का सेवानाल), बुमरा पर-सहायक, प्रभार घधिकारी/चिकित्सा सामाधिक कार्यकर्ता, (इस पद पर कम से कम 7 वर्ष का सेवा काण)।

परीक्षा पास की है, समास्मिति, पूणत: या समल परीका पाम करने की घपेका नहीं की आयेगी

तीमरा पद---परिवार नियोजन मामाजिक कार्यकर्ता (इस पद धर कम ने कम 7 वर्ष का नवाकाल) ।

चौचा पद—मीधी भनीं के लिए ।

पोचवा पद—स्वास्थ्य जिलक-(इस पद पर कम में कम 7 वर्ष का नेवाकाल)।

क्षटा पद—-परिकार नियोजन सामाजिक कार्यकर्नी (इस पदपर कर्न से कम 7 वर्षका नेवाकास ।

सानवा पर-नवास्थ्य जिलाक (तम पर पर कम में कम 7 वर्ष का नेवाकाम) ।

क्षाउवायय---मीक्षीमर्जीके लिए ।

नवां पर—परिवार नियंत्रन सामाजिक कार्यकर्ता (इस पर पर तम मे कम 7 वर्ष का सेवाकान) । दयदा पर—सहायक प्रचार प्राधिकारी/चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता

(इस यद यर कम से कम 7 वर्ष का सेवाकाल ।) स्थानह्यायश्—स्थाप्ट्य क्रिक्षकः ।इस यद यर कम संकम 7 वर्षका संकालकाल)।

बारहवा पद-सोबी भनीं के लिए

तैरह्वां पद---परिवार नियोजन सामाजिक कार्यकर्ता । कोवहता पद-----वास्त्या जिलका

पद्मतका पद - --वहायक प्रचार स्रोधकार्गः चिकित्ना सामाजिक कार्यकर्ता । सोचहता पद----वीक्षा भनी के लिए ।

ममारहवापद-स्वास्थ्य जिलकः। प्रकारहवापद-स्वास्थ्य विश्वकः।

> बादेण हारा, हम्माक्षरित/-सचिव ।

विज्ञान एवं तकनीकी विज्ञान एकीहन बामीण उर्जा योजना)

विवयुचनाग् जिमसा-२, २० वर्षः, १५८६

सुख्या पी 0 एस 0 जी 0 (ए) 3-2/85.—(हमाचन प्रदेश के राज्यपान, भारत के नीवेबान के अनुस्केष्ट 309 के परन्तुक हारा प्रदेश प्रतिकार का प्रयोग करने हुए हिम्मचन प्रदेश नोक लेवा आयोग के परायशं ने हिमाचन प्रदेश एक्टीकन आयोग उर्जा धाना, विकास एवं नकनीकी

थीर प्रान्तित नियम बमाने है सर्वान ----

। मांशण्य बास प्रीर प्रारब्ध — (१) इन निसर्यों का संक्षिण नाम इसायक बदन एकंड्नि शमीण उन्नी योजना विन्नान एवं नक्तरीकी विन्नान में परियासना प्रविकारी वर्ष-2 (राजपीतन) के भर्मी प्रार शालांति नियम 1986 है।

विकास में समान उपाबन्ध (क) के धनमार वेजनमान स्पन्ने 825-1580 में परियाजना प्रक्षिकारी, वर्ण-2, (राजपत्रिक) के पक्ष के लिए भनी

(2) वे निषम इस क्रांडमधना के बारों हाने की नारीख से प्रवत होने ।

(उपादन्य-क)

एकोक्कन प्रामीण उसी योजना, विज्ञान एक तकनीकी विधान, हिमाचल प्रदम में परियोजना मधिकारी (राजपश्चित) वर्ष-2 के पद के लिए मनी प्रीर प्रोन्सीन निवस

। पद का नाम

परिवाजना व्यक्तिकारी ।

पटाकी सक्या दा(2)

mander and and all 1

3. बेतनमान

_

५ चयन पद संचवा सनवन पर

6 मीचे भर्ती किये प्राने दासे व्यक्तिका के लिए प्राय

ग अपन्नित (वर्ग-2)।

राजपालन (बग-२) ।

चयन ।

35 वर्षया उससे कम

परन्तु सीधी भर्ती के लिए ग्राय नीवा तदर्थ या सर्वदा पर नियक्त सहित पहले ही सरकार की सेवा में ग्राप्ययियों पर लागू नहीं होगी

रूपये **825-25-850-30-1000**/

49-1200/50-1400-60-1580

परना यह और कि यदि तदाई प्राक्षार गर निवृक्त किया गया प्राप्तार गर निवृक्त किया गया प्राप्तार के प्राप्तार निवृक्ति की नानोव को प्राप्तार निवार है नो वह ठवर्ष या संविदा के आखा पर निवृक्ति के कारण विहित्त खाय में छट के निग्ग पाल नहीं होंगे

परन्तु यह और कि धनुसूचित बातियां अनुसूचित नेत्र शतियों के अध्यक्षिया नचा अन्य बतों के तिला उच्चतम बाद सीमा में उनती छूट ही दी जा सकेगा जितनी हिमाचन प्रदेश सकार के साधारण या विसंध पार्टकां के प्रधीन धनुकंध हैं

परन्त यह और कि पश्चिक मैक्टर, निगमा नचा स्थायल निकायों के सभी कमंचारियों हो. को ऐसे पश्चिमक सैक्टर, निगमी तथा स्त्रायस निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय तेने पश्चिक सैक्टर निगमी/स्वायत्त निकायो में भामेलन से पूर्व सरकारी कर्नचारी ये, नीधी भनी में बाय सम्बन्धी ऐसी ही रियायत दी बाएगी जैसी मरकारी 🛎 कर्मबारियां को अनुक्रेय है किन्तु उन प्रकार की रियायत पश्चितक नैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायो के उन कर्मचारियों को उपलब्ध वही होगी जा उक्त निगमा/स्वायस निकायो द्वारा बाद में भर्ती किल गय वे/किए गए है घीर उन पश्चिक सैक्टर निगमोःस्वायम निकायों के प्रारम्भिक गठन के प्रकान उन निगमों/स्वायम निकायों में र्घालय वय में ग्रायनित किए एए 21

टिप्पटणी—1.—सीधी भर्ती के सिए प्रायु मीमा की गणन सायोग द्वारा प्राव्यन प्राप्त करने के लिए नियन प्राप्ति में की वायेगा ।

्रिप्पणी 2 - चन्चया मुद्याहत चन्याययाको तका मंनीबीधर्नी को विश्व भाग तथा ग्रनुभन म नान्यायात्र ग्रहेता भाषाम के विवेकानमार्ग निधिन की बा पकेंगा।

 वीचे मती किए पाने वाले मनिनार्थ व्यक्तियों के लिए न्युननम लीकाक क्षीर भ्रत्य सहेतार ।

मान्यना प्राप्त विश्वविद्यालय मे विज्ञान में स्नातक या इसके सम-

वाफनीय .

(1) विज्ञान विश्वाणाणा में एम 0 एस 0 सी 0 या प्रामीण इन्की-नियरिंग या ग्रामीण टैक्नोकोजी से विकास ।

(2) हिमाचल प्रदेश की व्यक्तियो. रीतियो भीर बोलियां का जान भीर प्रदेश में प्रचलित विशिष्ट परिस्थितियां में नियक्ति के निम उपययनमा ।

s. सीखे मर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विक्रित ग्राय श्रीर निसक महताल प्रोन्नित की दशा में लाग होगी या नही।

लाग वहां हैं।

 परिवीक्ता की प्रवर्ति यदि कोई हो ।

हो वर्ष जिसका एक वर्ष मे धनधिक ऐसी मौर भवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैमा मक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में धीर लिखिल कारणां से बादेज

। । भनीं की पर्वानः सर्वी सीबी होगो या प्रोन्तन व्यतिनियं क्ति/स्थानातरम द्वारा ग्रीर विभिन्न पटतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियां की

प्रतिशतता ।

प्रतिनियक्ति द्वारा कोर ऐसा

न होन पर नोबी भनी डॉरा

ा । प्रोन्नति/प्रतिनिय्क्ति/स्वानां-तरण द्वारा भनीं की दला में वे श्रेणिया जिनतं प्रोत्नति/प्रति-नियस्ति/स्थानांतरण किया आयेता

> दारा : परन्न प्रतिनियक्ति परनियक्त किए जाने वाला प्रधिकारी किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यान्य स विज्ञान स्नातक या समनन्य होना।

दुसरे विभाग के समयुक्त पत्रीयर

माधकारियो में ने प्रतिनियन्ति

टिप्पणी-1.--प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर निर्मामत नियक्ति मे पूर्व समरण पर में 31-12-83 तक की गई नदर्थ मेबा की गणना को भी, बदि होई हो, निम्नविश्वत जतौं के प्रधीन रहते हुए प्रोन्तरिक लिए इन नियमी में यथा विहिन नेवा के लिए हिमाब से

विया अधिमा -(क) उन मधी मामनो में वहां कि कोई कनिष्ट व्यक्ति समरण पद में ग्रपन कुल संवाकाल के प्राप्तार पर (जिनकं धन्तर्गेन 31-12-83 तक की गई तदयं गया की है) विचार के निए पात हो जाता है बहा सम्बन्धित प्रवर्ग में श्रम्भ बरिष्ट नभी व्यक्ति विचार क लिए पाव समाने आएंगे और उन्हें विचार करते समय कनिष्ट क्यक्रियोक कपर रवा साएगाः

ग्रामीण एवं एकीकरण विभाग, हिमाचल प्रदेश के खण्ड विकास प्रशिकारियों वा हिमाचल प्रदेश के

परम्यु उन नधी परधारियो

करण के लिए विचार किया जाता

है, कम स कम दीन वर्ष की स्थन-तम नेवा या ऐसी सेवा जो पद के मती व प्रान्तित नियमो मे विहित की गई हो. उनमें आरंभी कम हो होती वर्गाका

की जिन पर प्रान्तिया स्थायी

परन्तु यह और कि बहा काई र्व्याक्त पूर्ववर्ती परन्तुक में विशिष्त मंपेका के कारण पोन्नतिया स्थायी करण के लिए विचार किए जाने के जिए भेपाब हा जाता है वहा एसी प्रान्ति या स्थापीकरण के विचार के लिए उससे प्रतिष्ट व्यक्तियों की भी भ्रमात समझा TOTAL I

(स) इसी प्रकार से स्वायीकरण कै मंभी मामलों में पद पर निय-मिन नियक्ति न पूर्व 31-12-83 नक की गई नदथं सेवा की गणना कों भी यदि कोई हो नो नेवाके लिए गणना में लिया जाएगा

पण्य स्थायीकरण होते पर तदयं नेवा को हिमाब में लेकर पारस्परिक अवेष्टला नहीं बदलेगी।

(व) स्वायीकरण ग्रांर प्रोन्तित के प्रयोजन के लिए 31-12-1983 के बाद की गई नेदयं सेवा गणना में नहीं जी जायेगी।

किया जायेगा।

टिप्पणी 2.-- तब कभी नियम दा के बाबीन पड़ों का मनवा में बदी-न्दी करनी हो तब नियम 10 और 11 के उपबन्धों का नरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश लीक सेवा क्रायान के परामन से पुनरीक्षण

 श्रदि विभागीय प्रोन्नति निमिति विद्यमान हो तो उसकी संरचना।

अक्राकि सरकार दारा समय-सभय परगठित की जाए।

 भर्तीकरने में, किन परिस्थि-तियो में हियाचन प्रदेश लोक नेवा धायांग ने पराममं किया भाएगा। जैसा कि विधि द्वारा घपेकित है।

14. सीधे भर्ती किये जानेवाले व्यक्तियों के लिए प्रपेक्षा । किसी संवा या पद पर निर्माशन के सिए सध्ययों निम्नलिसित सावण्यक होना चाहिए:---

(क) भारतीय नागरिक, या (ना) नेपाल की प्रजा, या

(य) भ्टान की प्रजा, या

(च) निध्वनी जरणांथीं मो 1 अन-बरी, 1962 से पूर्व मारत में स्थायी निवास के माध्य में

धाया हो, या (क) भारतीय सूल का व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, वर्मा, श्रीसका, पूर्वी सांफ्रका के देश की निया, युवाडा, यनाइटेड रिपब्लिक प्राफ तजानिका (भूतपूर्व टामानिका भीर बार्स्जा-बार) बांबिया, बालवी जेयर

नवा हवापिया से भारत में स्थापी निवास के घाक्य में प्रवास किया

वन्त्र प्रवर्ग (च,) (ग), (घ),

16 धन्रशण

। 7. विभागीय पंगेशा

पत्र बापी क्या हो । ऐसे बच्चवी को, जिसने मामले मे वासता प्रमाण पल धावश्यक हो, हिमाजन पर्यन साक सवा प्रायोग या धन्य भर्ती पाधिकरण द्वारा संवातिस वरीका / मासान्त्राच में प्रवेश विया जा मके किल् उसे निय्कित का परताब तथी (बसा अधिन। अब उसे भारत सरकार/क्रियाणल प्रदेश सरकार बारा कावश्यक पांबता का प्रमाण का बाती कर विया जाता है। सीधी वर्ती के मामले में इन पड़ी पर निर्याक्त के लिए चयन यौशिक परीक्षा के पाधार पर या यहि धायोग उचित या नमीचीन समार (पवित परीक्षा या व्याव हारिक परीक्षण के माभार पर

(क) के पश्चवीं ऐसे व्यक्ति डोने

जिनके पण में भारत सरकार/ राज्य सरकार ने पालसा प्रमाण

पूर्णत या भागन परीक्षा उत्तीर्ण करने की धरेशा नहीं की जागेगी

परन्तु यह यौर भी कि गेसे किती पश्चिकारी से जिसके लिए, इन नियमों के प्रश्चिमचित किए जाने सपूर्व, कोई विभागीय परीका बिहित नहीं की गई थीं भीर उसमें । मार्ज, 1976 की 45 वर्ष की पाय प्राप्त कर भी है, उसमें इन नियमों के सबीन किहिन विभागीय परीक्षा उलीलं करने की धपेका नहीं की जायेगी

ही चकी हो, तो उस से निम्म-लिक्त प्रयोजनी के लिए विभागीय परीका पास करने की बंपेका नहीं की जागरी ---

परन्तु यह और कि सबि किसी र्घाधकारी की घाष 50 वर्ष की

(1) धनलो देय वसतारोध पाम करने के लिए , घीर

(2) परिविशावधि पूर्व होते के पश्चात् सेवा में स्थाई किए जाने के लिए । (11) किसी प्रधिकारी से प्रणनी

प्रोत्मति की सीशी पंक्ति से उत्तव-तर पट पर प्रोन्सति पर क्रियागीय परीक्षा उलीणं करने की बागेका नहीं की जाएगी यदि उससे निम्न-तर राजपक्षित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही उसीमं कर ली हो ।

(iii) हिमाचल प्रदेश संस्कार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा धायाग मे परामर्ग करके बसाबारण परि-स्वितियों में कारणों को लिपि-बढ करके विभागीय परीक्षा नियम के अनुसार किसी भी वर्गसा प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा से पूर्णत. या भागत छूट

जहां नरकार की यह राय हो कि

ऐसा करना भावज्यक और समीबीन

है, वहां वह उसके कारणों को प्रमिलिखित करके धीर लोक

सवा धायोग से परामर्श करके इन

18 जिबिल करने की क्रिका

नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ष या प्रवर्ग के व्यक्तिया या पदों की बाबत, प्रायंग हारा शिथिल कर महेगी।

> मावेल क्षारा. एमा की त काब.

विलास्यत एवं सचित्र,

[Authorised English text of this Deptt notification No. PLG(A)3-2185, dated 20-5-86 as required under Article 348(3) of the Constitution of India. SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT

वे सकेगी ।

(Integrated Rural Energy Planning) NOTIFICATION

Shimla-2, the 20th May, 1986

No. PLG (A) 3-2/85. -In exercise of the powers conferred by the Proviso to Article 309 of the Constitution

। ६ सीभी भनी बार। पद की शिवासित में लिए सवस ।

> वादि बायोग हारा विवेकानमार श्रवक्षारित किया जाएगा। उक्त सवा में निवक्ति क्षिमाधन परेश सरकार बारा समय-समय क्र प्रवस्थित जातिय।।यन्स्वित अम आतियो, पिछडे बयों के लिए

लेबाको में घारशण की बाबत जारी

किए गायादेणों के संधीन होगी।

(i) तेवा ने प्रत्यंक सहस्य की

द्विमां थल प्रवेश विभागीय परीक्षा

नियम, 1976 तथा उनमे नमय

समय पर होने वाले सभोधनो के

चन्तर्गत निर्धारित विभागीय परीका

पाम करनी यांगबाय हानी घन्यवा

उक्त नदस्य निम्नसिन्तिका पास

किया जाएगा । स्तर/पाठयक्रम

नहीं होंचा '---(क) धानामी यस बक्ततानोधक पार करने के लिल

(बा) परियोशा धर्माध के पूर्ण होने के पश्चात भी नेवा मे स्थायी किए जाने के लिए। (ग) धगली उध्यक्तर यह पर पशोम्मति से लिए :

परन्यु यदि कोई सबस्य उक्त भवधि के गीतर, पोल्लात के लिए भन्यचा पास बन आता है तो प्राप्तित

के लिए विचार किया जायेगा भीर यदि वह धम्यका उपयक्त नामा भारत है सी उसकी प्रोन्नति उस द्वारा विमानीय परीक्षा पास किए जाने की जर्त के प्रशीन रहते हुए पन्तिम रूप श की जायेगी। येवि वह विभागीय परीका पास करमें में चनकम रहता है, तो उसे प्रतिवर्तित किया जा सकेवा:

परन्तु यह धीर की ऐसे मांध-कारी में जिसने इन नियमों क पश्चिमुचित किए जान से पूर्व, धन्य नियमा ने विशित कोई विभागीय परीक्षा पूर्णतः या भागतः उतीर्थ कर नी है, तो उसने बबास्थित,

of In his and in consultation with the II P. Public Service Commission, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules to the post of Project Officer (IRLP)-Class-II(Gazetted), in the pay scale of Rs 825 -1580 in the Department of Science and Technology, Himachal Pradesh as per Annexure-A namely:

Short title and commencement. (1) These Rules may be called the Humachal Pradesh Science and Technology Department Class-II (Gazetted) I.R.I. P. Project Officer Recruitment and Promotion Rules, 1986

(2) These Rules shall come into force from the date of issue of this notification

ANNEXUEB-1

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF PROJECT OFFICER (IRFP) IN THE DEPARTMENT OF SCIENCE AND 11 CHNOLOGY HIMACHAE PRADESH

1. Name of the Post

Proved Officer

Number of Posts

Classification 4. Scale of Pay:

tiazetted (Class II)

Rs. 825-25-850-30-1000-40 1200/50-1400-60-1580.

Whether selection post or non-selection post.

Selection.

Age for direct recruitment

35 years and below:

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidate already in service of the Government including those who have been appointed on adhoc or contract hass.

Provided further that if a candidate appointed on ad hoe basis had become overage on the date he was appointed as such he shall not be eligible for any relaaution in the prescribed age limit by virtue of his such at hoe or contract appoint-

Provided further that upper age limit will be relaxable for the Scheduled castesd, Schoduled Tribes/other categories of persons to the extent permissible under the general or special orders of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the public sector corporation and autonomous bodies, who happened to be Government Servants before absorption in Public Sector Corporation/autonomous hodies at the time of initial constitution of such Corporation/ autonomous bodies, shall be allowed age concession in direct recruitment as

admissible to Government servants. This concession will not, however, be admis sible to such staff of the public sector corporation autonomous bodies who were fare subsequently appointed by such corporation/ autonomous bodies and are were finally absorbed in the service of such Corporation autonomous bodies after initial constitution of the public sector Corporation autonomous bodies

Note-1. Age limit for direct recrustment will be reckoned from the last date fixed for receipt of application by the Commission

Note-2. Age and qualification in the case of direct recruitment relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission, in case the candidate is otherwise well qualified

7. Mmimumeducational and other qualifications ereite

1 swanal

Graduate in Science from required for direct rec- a recognised University or equivalent.

Desirable .

(#) M. Sc in any discipline of Science or Diploma in

Rural Engineering or Rural Technology. (si) Knowledge of customs.

manners and dialects of Himachai Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees

Not applicable.

9. Period of probation. if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year, asmay be ordered by the competent authority in special circumstances and for reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment whether by direct recrustment or by promotion, deputation/transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

11. In case of recruitment to be made.

By deputation, failing which by direct recruitment

By deputation from amonby promotion, deputa-tion/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer is Pradesh Government or officers of equivalent rank other Departments in Himachal Pradesh of Government ·

Provided that the officer to be appointed on deputation shall be a graduate in Science from any recognised University or equivalent.

Note-1. In all cases of promotion ad hoc service rendered into the feeder post up to 31-12-1983 if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken which account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition:

a) that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including ad hoc service rendered upto 31-12-1933) in the feeder position view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration?

Provided that all incumbents to be considered for proton shall possess the minimum qualif, ing service of atlenst three years or that prescribed in the Recruitment and promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes meigible to be considered for promotion on account of the proceeding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

(b) Similarly, in all cases of confirmation, ud hoc service rendered in the post upto 31-12-1983, if any, prior to the regular appointment against such post, shall be taken into acount to wards the length of service:

Provided that the interseniority as a result of confirmation after taking into account adhoc service shall remain unchanged.

(c) ad hoc service rendered after 31-12-1983 shall not be taken into account for confirmation/promotion purposes.

Note-2. --Provisions of Rules 10
and 11 are to be revised by
the Government in consultation with the Himachal
Pradesh Public Service Commission as and when the
number of posts under Rule
2 is increased or decreased.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

must be:

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making rec-

ruitment.

14. Essential requirement for direct recruits.

A candidate for appoint-

As required under the Law.

(a) a Cittzen of India; or (b) a subject of Nepal; or (c) a subject of Bhuran; or (d) a Tibetan refu gee who came over to India before the 1st January. 1962 with the intention of permanently

settling in India:

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakista o Burma, Sri-Lanka. East Al Can Countaries of Kenya. Uganda, the United Repubsis of Tanzania formetiy anganyika and Zanzibar. Zambia, Malawi. Zaire and Ethopia with the intention of permanently settling

n India:

Provided that a candidate belonging to categories (b). (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India or Himachal Pradesh,

Selection for appointment to postby direct recruitment.

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of vivavoce test, if the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, as the case may be, so considers necessary or expedient by a written test or a practical test, the standard/s; llabi etc. c f which will be determined by the Commission/other recruiting authority, as the case may be.

16. Reservation.

The appointment to this service shall be subject to orders regarding reservation in the services for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/

Backward Classes/other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time

17 Departmental Examination.

- (1) Every member of the service shall pass a departmental examination as prescribed in the Departmental Examination Rules within the probation period or within two years from the notification of these rules. whichever is later, failing which, he shall not be eligible to:
- (a) Cross the efficiency bar nextdue:
- (b) confirmation in the service
- (c) Promotion to the next higher post.

Provided that if a member becomes otherwise eligible for promotion, within the period mentioned above, he shall be considered for promotion, and if otherwise found fit shall be promoted provisionally subject to his passing the departmental examination. He may be reverted if he fails to pass the same :

Provided further that an officer who has qualified the departmental examination in whole or in part, prescribed under any other before the notification of these rules, he shall not be required to qualify in whole or in part of the examination as the case may be :

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the Departmental

Escanunation prescribed under the rules

Provided further that an officer who attains the age of 50 years shall not be reauired to pass the Departmental Examination for the purposes of

- (a) crossing the efficiency bar next; and
- (b) confirmation in the service after completion of the probationery period.
- (2) An officer on promotion to a higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.
- (3) The Government may in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the epartmental examination Rules. to any class i r category or persons from the depart-mental examination in whole or in part.

18. Power to relax.

Where the Government id of the opinion that it is necessary or expedient to do so it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission. relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or post.

B) order. M. K. KAW, Commissioner-cum-Secretary (S. & T. F.).

-स्वानीय स्वायत्त त्रासनः म्यनिसियल बोर्ड, डिस्ट्क्ट बोर्ड, नोटिफाइट बौर टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग

भाग ५--वैयक्तिक श्राधिसचगाएं और विज्ञापन

In the Court of Shri J. N. Barowalia, Senior Sub-Judge, Kangra at Dharamshala

Succession Application No. 28 of 1987

Date of Hearing 8-12-1987

 Smt. Keshwati, widow, 2. Sarup Singh, son, 3.
 Asha Devi, daughter, 4. Radha Devi, daughter, 5. Aruna Devi, minor daughter, 6. Ranjana Devi, minor daughter, 7. Sanjana Devi, minor daughter of Late Shri Karam Chand 6/o Jamita, r/o Village and Post Office Khatiar, Tehsil Nurpur, District Kangra (Petitioner Nos. 4 to 7 through their mother Smt. Keshwati Devi petition No. 1) ... Petitioners.

Versus

The general public

.. Respondent.

The general public.

Whereas in the above noted case the above named applicants have filed an application in this court under section 372 of the Indian Succession Act in respect of the assets of Late Shri Karam Chand s/o Shri Jamia, r/o Village and P. O. Khatiar, Tehsil Nurpur, District Kangra who died on 30-6-87 at Khatiar.

Hence this proclamation is hereby issued to the above named respondant of the illaqua and the kith and kins of the deceased to file objection if any, to the grant of such Succession Certificate in this court on 8-12-1987 at 10 A.M. personally or through an authorised agent/ pleader failing which the petition will be heard and disposed of ex parte.

Given under my hand and the seal of the Court on this 10th day of November, 1987.

J. N. BAROWALIA,
Scular Sub-Judge,
Kungra at Dharamshala

In the Court of Shri R. L. Arad, Sub-Judge 1st Class, Arki, District Solan, Himachal Pradesh

In relation to -

Shri Dila Ram vo Shri Kiloo, r.o village Kolka, Pargana Kolka. Tehsil Arki, District, Solan, Himuchal Pradesh Plaintiff.

Versus

SUIT FOR DECLARATION

To

- Shri Sadh s o Shri Shibu, r o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bihari s o Shri Dhani Ram, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Dhanpat s'o Shri Khialoo, r'o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Dhana Lal s'o Shri Swanu, r'o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- Shri Lekh Ram s/o Shri Sawanu, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- 6 Shri Chet Ram s'o Smi, Mathru, d'o Shri Sawanoo r'o village Ladog, Pargana Sandhurat, Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- Smt. Batu d/o Shri Sawanu, r/o village Behal, Diarco, Pargana Saryanj, Tehsil Arki. District Solan, H. P.
- Shri Durga s o Shri Laturia, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bali Ram s/o Shri Kiloo, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Sant Ram s/o Smt. Khindoo d/o Kiloo, t/o village Manol, Pargana Saryanj. Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bishan Dutt s'o Shri Labh Chand, r/o village Kolk i Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Smt Ikadashi wd/o Labh Chand, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arlu, District Solan, H. P.
- Shri Dharam Singh s/o Shri Phulmu, r/o village Madet Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan H P
- Smt Ganpatu d/o Phulmu. r/o village Madet. Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Smt. Sheela d/o Phulmu, r/o village Madet, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P
- Smt Lachhami Devi wd/o Shri Phulmu, r/o village Madet. Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P

- Shri Basant Ram s'o Shri Bardu, r'o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
 - Narbada d/o Shrt Bardu, r/o village Khanlog, Pargana Manju, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Lekh Roms'o Shri Ganeshu s/o Shri Sudagar, village Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Bali Ram s/o Shri Ganeshu, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Sadh s'o Shri Sudagar, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan H. P
- 23 Shri Prem Singh s'o Shri Devi Rani, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Narain Singh s'o Shri Devi Ram, r/o village Kolka Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Shri Kansu s/o Shri Nagina, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan H. P.
- Shri Kanshi Ram s/o Shri Bhagtia, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Kalia s/o Shri Navi, r/o village Kolka Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Balia s/o Shri Banpatu, r/o village Bambira, Pargana Matiyanj, Tehsil Arki, District Solan, H.P.
- Shri Gopal s/o Shri Ganpatu, r/o village Bambira, Pargana Matiyanj, Tehsil Arki. District Solan, H.P.
- Shri Mathura s/o Shri Surju, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsił Arki, District Solan, H.P.
- Sarswati d/o Shri Surju, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
- Sinr Dalaru wd/o Shri Surju, r/o village Kolku, Pargana Kolku, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
 Shri Dhani Ram s/o Shri Bardo, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District
- Solan, H. P.

 34. Shri Khem Chand s/o Shri Nikdo, r/o village Kulka. Pargana Kolka, Tehtil Arki, District
- Solan, H.P.

 35. Shri Chet Ram s/o Shri Nikon, r/o village Kolka.
 - Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P.
 Whereas in the above noted case it has been proved

to the satisfaction of the court that the above noted defendents etc. can not be served in the normal course of service hence this proclamation under Order 5, Rule 20, C.P.C. is issued against the above noted defendent to appear before this court on 10-12-87 at 10 A.M. through a pleader or an authorised against failing which the ex-patte proceeding will be taken against them

Given under my hand and seal of the Court this 22hd day of September, 1987.

Seal. Sub-Judge

Sub-Judge 1st Class, Arki, District Solan (H P.).

R L AZAD

In the Court of Shri M. K. Banani, Sub-Judge 3rd Class (I), Dharamahala, Himachal Pradesh

Civil Suit No. 157/1987

Deity Mandir Virbhadra Kangra City, Himachal Pradesh through his Mohtmim Shri Ravidati Gir Chela Shri Tulsi alias Swaru Gir, 1/0 Kangra, Tehsil and

17 Shri Sudama s/o Shri Hardu, r/o village Kolka, Pargana Kolka, Tehsil Arki, District Solan, H. P. District Kangra, Himachal Pradesh

Plaintiff

Varous

Masantu etc

. Defendants.

. . .

Shri Ramesh Kumar 'isht a/o Shamsher Singh,
 Deepak Thakur s/o Ram Singh Thakur s/o Balu Shak,
 Sudhir Kumar Visht a/o Ram Gopal Visht a/o Amar
 Singh all residents of Mant Khas. Tehail and District
 Kangra Himachal Pradesh
 Defendants.

Whereas in the above noted Civil Suit it has been proved to the satisfaction to this Court that the above named defendants are evading the service of the summons and cannot be served in the normal course of the service. Hence this proclamation under Order 5. Rule 20, C.P.C. are hereby issued against them to appear in this Court on 3-12-1987 at 10.00 a.M. personally or through an authorised Agent or Pleader to defend the case, failing which ex-purie proceedings will be taken against them.

Given under my hand and seal of the Court on this 6th day of November, 1987.

Seal.

M. K. BANSAL, Sub-Judge 3rd Class (1), Dharamshala,

In the Court of Shri Ravinder Parkash, Sub-Judge 1st Class-I, Palampur, District Kangra, Himachal Pradesh

Succession Act 12/1987

Chander Kumari w/o Shri Durga Dass s/o Sesh Ram, r'o Ward No. 3, Palampur, District Kangra, Himachal Pradesh Applicant.

Versus

General public.

Petition under section 372 of the Indian Succession Act 1925 in the matter of succession and goods of late Shri Durga Dass Sood s/o Sesh Ram, r/o Ward No. 3, Palampur, Kangra, Himachal Pradesh.

To

Scal.

The general public.

Whereas in the above noted case the Petitioner(s) Chander Kumari has applied for grant of succession certificate in respect of Rs. 2600/ along with interest deposited in the name of Shri Durga Dass Sood in the State Bank of India under compulsory deposit Scheme 1974 (Income Tav Payers) in account of No. 1.T.P. 4 and 2. The deceased has executed a Will in favour of the applicant and as on the basis on the Will the applicant is claiming.

Notice is hereby given to the General Public, relations and kinsmen of the deceased Shri Durga Dass Sood that if any body has got objections, the same be filled in this court on or before 8-12-1987 at 10 a.m. personally or through pleader or through an authorised agent failing which the petition will be heard and decided exparts.

Given under my hand and seal of the Court this 30th day of October, 1987.

RAVINDER PARKASH, Sub-Judge 1st Class 1, Palampur, District Kangra. In the Court of Shri K. L. Sharma, Sub-Judge 1st Class, Una

Civil Suit No. 71/1986

Gulzara

Versus

Sher Singh, etc.

Versus :

 Uttami Devi widow of Nasib Singh, 2. Bachittar Singh, 3. Jit Singh, 4. Jagdish Singh si6o Nasib Singh, 5. Dexo, 6. Kunta, 7. Sheela 65/0 Nasib Singh, fo village Kungrat Majra Deetah, Sub-Tehsil Haroli. District Una.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above named LRs could not served in the ordinary course of service as they are evading the service of summons issued against them.

Hence, this proclamation U/O 5, Rule 20, C.P.C. is hereby issued against them to appear in this court on 5-12-87 at 10 A.M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case, failing which they would be proceeded expanse.

Given under my hand and the seal of the Court today the 10th November, 1987.

Seal.

K. L. SHARMA. Sub-ludge 1st Class, Una.

त्रप्रदालन श्रो भ्रो राम पत्र-रिकस्ट्रार, जर्यासहपुर, तहमील वर्षागहपुर, विचा कांगडा

बन रहमाः

पधी चन्द

वनाम

धाम जनना

दरस्तास्त बरावे पत्रोकृत किए जाने वसीयतनामा मृतवकी श्री स्त्रेम क्य पुत्र बीरबन, निवासी उत्तरापुर, मौता जयमितपुर, नहसील जयसितपुर, जिला कावड़ा. हिसाक्त प्रदेस जेर धारा 40/41 धारी धारत एक 1908 ।

नांटिस उपरोक्त उनवान बाजा में थी पूर्वो बन्द पुत्र खेम जन्द निवामो उत्तराष्ट्र, मोत्रा अयंभिक्ष्य ने एक दरक्यास्त पेण की है कि उसके पिता मृत्यकों ने एक वसीयननामा दिनाक 25-2-7-2 को बहक मार्थी तहरी? करवाया है। उसे पंत्रीकृत किया जाते। इसिनए इस इज्हार द्वारा प्राप्त जनता को सूचिन किया जाता है कि यदि किसो व्यक्ति को इस वसीयननामा के प्रवीकृत होने में यदि कोई उत्तर या एनराज ही तो वह प्रार्थित पेण किसाक 8-12-1987 को इस प्रदानन में बसाजनन या बकानतन मुझह 10 बजे पेण कर सकता है बसूरत दोवर वसीयवनामा पंजीकृत कर दिया जावेगा।

क्षाज दिनांक 10-11-87 को बेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदाल में जारी हमा ।

मोहर।

श्री रामः सब-रजिस्ट्रारः, त्रयमिहपुर जिला कागडाः ।'

बच्चदालन भी श्री गाम, सब-गजिस्ट्रार, जर्यासहपुर, तहसील जर्यासहपुर जिला कांगुडा, हिमाचन प्रदेश

बम्करमा :

जीवन ताल

बनाम

धाम जनतः

दरस्थास्त इराए पंजीकृत किए जाने बसीयननामा मृतवफो श्री

जनाता रात पूज वर्गोचर तिचारी सहाच हारणी, वहतीन वर्गासपूर नेर साथ 1874 स्वाहितसारतास स्वसार

संसंच्या वर्गशंका जानांगकाया में भी जीवना रात पुरू का नामा जिनामी हार्गी होता जीवा वर्गामहरू ने स्थाननाता निर्माण नेवा ही है कि जंगके मिला गुल्लाकों के सक स्थाननाता निर्माण रात है हो है कि ना वर्ग स्थाननाता निर्माण है को पर स्थाननाता निर्माण का है कि स्थाननाता है की गुल्लाकों का नामा के स्थाननाता है कि स्थानिक स्थाननाता है कि स्थानिक स्थाननाता है कि स्थानिक स्थाननाता है कि स्थानिक स्थाननाता स्थानिक स्थाननाता है स्थानिक हो है से स्थाननाता है है से स्थाननाता है से स्थाननाता स्थाननात

न्धान फिलोन (स.)। संग्रंको से सम्माना न मोद्वर सर्पाणा से चानी समा ।

भीका ।

क्षीत श्रामा

नी रागः तत्र पंत्रद्धाः चयसितपुरः जिला करिकाः ।

त समापन भी शांत्रात राज त्रपनात् सक्षामण गणार्थमी । द्वितीय भेगी (विश्वपन)

ः, भी काम तरात सिश्च र्गकरी वैभी नेपा आग पाट पुत कृषि सिंह, सिभारीः भागाः नियासी पीपा अधिकार प्रकार गैत प्रतियाः सिमारी सिमाराः सीत वीच्याः सीन अधिकारी

नग्रक्तातः वंग्रमातः । १८ म म ५७ म् संशोजन्त्रः समित्रातः । १८०३

पाच निर्माण का १ ६०३३ व ! एसाँडे हुत्सामण ने संहित समानम से वाणी फिना गुरुत

र्थोक्षर ।

मारमा शम भगरातः महागम गमावमी द्वितीम भौगीः सिरुता, निमा शिक्षमाः

प्रथमहार शमकारी केंग्राईर ६, मन १८, मीलपीत मीत

त्रधनायतः महसीयनशेर घ स्थानायः शर्म सहस्यकः शासहस्यी प्रथाः चीणी (शृह्मार सभिकाती), युन् कताः सहसीयः व चित्राः कताः विसायम् धनेशः

वहा विक पूत्र वस्त्वा, विकामी हत्त्वा, जहमी व व जिला क्रवा ... माशव ।

मनाग

संग्तु, मैनण, रणः पून नेतीत्रीता, तिकासील्ल्या संद्रशीय न दिना मोता । ∦ . प्रशिक्षेत्र सीमा।

- गण्यामः नारमी रावान भागा नाममः ४८०, भागीनी नामार ४७ क समारा जामारामः १९४ २८० २००, किस्ता तः, राजा नानाती १२ (व गणाम त्रांत्रा तीना तमार, सहसीन व जिला क्रमा र

अवस्थित महाबुधा (बंदबसायन बंधवती प्रदेशक) में प्राप्तु जैन्नणु,

क्षण क्रमीकी क्षणम का क्षण पूर्वा पेट तर्र बार संघा सेत्री स्था समूर समून पासीच कुमित्रा की रिशीट से पोपा करता है कि क्षण क्रमीकीन संस्था कि राजा वासि असी हैं।

काज ब्रह्माला ब्रागी व सीहः समान्य में जारी हवा।

भोद्र ।

सम्यानां छ।/-सक्रायकः समाहर्ता यनसः चैनी वैत अस्ता ।

प्रकाशकार सम्बन्धकी जेर साबैण २, रूप हत, सीता सीता सीता

वधवानम् मङ्गयीनवाः गुज्यवरणाः गर्वसङ्गयः गमाङ्गयी स्वयः चेणीः (मृष्ठसृष्टार क्षित्रारी), वसः क्षेत्राः नङ्गयील व चिल्हाः कर्माः, क्षियांचतः प्रवेशः

मंगल मित्र पुत्र धर्म मित्र, सिवासी ज्याबर, संब्रह्माल व किया करता. सर्वेत र

क्रमाथ

भगाः, सैतम्, इ.स.२ पूत्र नेत्री दीनाः, विकासी श्रवः, सम्रतीय जातियाः भागीका दीनाः।

त्ररम्मारनः विभागी प्रकास वावान स्वयान गरका ४८५, स्वतीती नामा १५४, स्वयानामाराम ह.१६,सामाती रेनामा । र प्रतास साल्या गीचा स्वता स्वर्गान विज्ञा कथा।

जबार नरववारण वेकस्त्री वरहोत रामीलम् में क्षेत्रे सामानत्त हैं। इस स्वत्वकार में मार्वित वीमार सामा, वैक्षण, क्षण को नवे बार सामान जब्द नाता पर सेचे बार । स्थान मार्वीत कृतिकार के सामान सामा कि जबार करीचीन वीमार किला पना बाहित समे हैं। क्षम लिस मार्गा कि जबार करीचीन वीमार किला नासील मार्गित मार्गित मार्गित से

धन जुनम करीकेत संस्था को बावरिया क्याहार मनित किया बाता है कि नह उक्त गुकहमा की वैन्सी हेतु हमारी धवानम गुकाम कर्मा संस्थानमा मा बंदानमान विशोक 3 12-87 मध्या 10 बक्ते हालार धार्थे। वैर-होत्तरी की मुश्न में कार्यनाही एक गरमा धायन में नाई नामेंगी।

स्थाना समारे म भीतर समानग में नारी हुआ।

ning !

हर्माकार्यः सहस्थयः यसाहर्माः, प्रथमः स्ट्रेणः, सम्बन्धः ।

उक्तकार समाधारी जोर शार्वर ५, कन ३०, मीरानीत मीरा

वधया रम सहसीतवार स् नगपन्या एवं सम्राथनी समामनी प्रवस भेगी, नुस करा, तम्रमीत व निवा कमा, विशासन समेश

(1) श्री मोनी गिल पुत राज निल्ल (४) श्री मेचा मिल पुल गर्म मिल, (२) जानी नेजी निकार राज मिल, (१) कासीन गिल, पुल रेना मिल, (८) चुलनेत्र मिल, (०) चुलनेत्र मिल पुल गेना मिल, (१) निर्मात निकार मिल, (०) तरनेता मिल, (०) चारनेत्र मिल पुत्र श्रीमानी जीना नेजी, गिजासी शारीब्रह्मा, नाहमान कविना कला

작가!하

जीशनी कीशस्था नेत्री, (2) सन्या तेत्री पूली श्रम्मास्त्र,
 शृश्मील निम्न पूच प्र (4) सामिती वेदी, (8) गृश्मीम कीर

get auft fen [11] भाषिती: (४) मुख्या (a) मु न्येल शिक्ष. (a) नगारी मेनी गुली ला ना मेनी, (1 ii) स्तीरत, (1 ii) श्रुवारी पूर्ण पानकर्ती, (१०) पति रित्रह, (१व) राजका किह पूर्व ranti (14) frein fine que un funt, (th) sin entite असना न (१स) मानमान शिक्ष, (११) रासारी मेना पूनी जाना सिक्ष [ja] miditt fun. [14] menin fun. (10) gebin fun (41) ritinia fein. (92) mad i fein ger fifte fein (+2) sen nier | a4) बानमार महेर (48) गृहसीली पूली मेल शिक्ष (38) ल्याचर freige ber fine, (21) reite fren, fant miter bei पत्री, (१४) मा तम्ह को मुत्री श्रीता वैनी, जिलाना सीवा वसनेत्रक ताबतीच म जिला शामा हिलाचन वर्गन

नामा लगानीम भगानी माना जाबर ४५०, बामोनी नाबर ५०% क्षिणा स, रशमा गामानी हा व माताल पानवा मीला जमनेत्रवा वृक्ष्णा । त्र विका अगा ।

बक्तां हम समाधार में कारामा फरीन मंत्राय का कर्ष बार माना चार न्ता सक्षत्र निर्वात गणक नामीक प्रतिन्त्र केलाला नगर है। वहीकीन जिल्ला गणा कोटिंग गुरूते हैं । त्यांतिस उद्धारण प्रशासन केलाकी enfre a ut meift ft :

साम - क्योरीका फरिकेल बंशाम का कर्मात्मा शासकार उमाबार मिन किया नाम है है। नह उनः सब्द्वार की नैर्स्स है इसमा नमन मा सकानमन समारी भाषांत्रम गुकाम कता में दिलांग म 14 मा का साम ।। अने हात्र भागें। गैर शावर की मन्य में कार्यवाड़ी गर ment einen fi mif nichtiet

हरमानार हुतारे म संतर धना पर वे नार्रा हथा।

11161

#salatial-महामक नमाहमी प्रमा भेगा। चन करो ।

- प्रश्निक्षार धन्नभारी चेर सार्वेर ६, ४०० १८, (मीसपीसमीस)

नसत्तात्रसः सहसीव्यतार व्यक्त व्यवस्था एवं मुक्त सुवार अभिकारी क्षम महायक गयाहर्ती मुन्छ त्या रहा, नहसील व निवा कर्ता Perr 1 1 1991

सर्वा स्थल मित्र पूज स्थापा सित् विकासी सम्बाता प्रसीच व सिता करा F114 # 1

बसन नाम पुत्र रपामः पन्त्र निवासी बन्धानाः, कर्गःक बोसम नहनीय भ निना कता।

न सम्बद्धान्त नवारती इत्यान नश्चम भागाः गण्चर ५८७ स्थानित नासर छ। । खना मार्च । 107 रक्ता नागाती । उक्ताल नागात मीत्रा नहसाला त्रबर्मान म भिन्ना उत्तर, ब्रिया जन पर्नेश ।

व्यारीया मारमवारम मुख्यमी क्षात्रीम श्रवामन मुना में गेरे ममायन है। प्रकृत हरक्यारत में सीक शोधन असरताल की यह बार प्रकृत प्रणा पर मध्य रोजी भरी। मानीम समार कृतिस्था से मार बार मजी रिमीब हुई मि भागिमा नीधार विकास धारा वाहर रहता है।

भाग पार्तीक भीषम् जगुरुमात्र पूत्र स्थामा मध्य को अवस्थि। इक्ष्महार भाषानारी सुचित किया जाता है कि यह उतन गुकाहमाकी गैरकी तेम् इतारे कार्यात्य मुकाम कवा व धनामनन या वकालनम विलाक 3 fg-1487 की मनग 10 बने ब्रामा थाने हैं। ब्रामनी की सूरम से कार्यम्(ही) शक्तमण्या सञ्चल में लाई कामेगी।

माधानन गैरेन तीव अनामन ग्रेमारी ह्या ।

वस्त्रामांमा/-महागक मगाहरी, धगग चेंगी, उता । र समाचय व उन्त कृष्य सभी सहस्यकः अल्पन्नमी । सामन सन्नाराजनार *10*1 1

त्र मन्द्रमा नगर्नाच प्राथकात त्रीक हम ब्रागमन सराकुर प्रचारती पांचमा समान भवेत, मीजा कांडी उपार्था, प्रसीत शीमका र

श्रमाण जन्म, यूरेण पुरार, भीकार सिक्क (पुत्र) धर्म-संस्त्री स्टास्त्री, रहणकृषारी, कंपलेण स्टास्ट वैनी, युनियो, लीसमी कीरास्ट वर्षा विक्रता प्रसा राम, वीप नम्य अमुबीम कुमार, सुनीर कुमार पुत्र सबै चीमाना सुबैस कुमारी रमना, पूर्वा मिना राम निवासी राही बुपरकी, पहरां : कामका ।

था। बनमा गंगमू, पूल बैन्, रिक्सनी सबैन भी रा राजी प्रशासन महारीच च किया काम्बर्ध ।

हरमात्र म्केक्षा उपकार बाला में उल्लामी ली नंगल गार्निक सुरी नावणा मनाव सर्वेषु, मीता व्यान्त्री बहसंत्व व कि रा वामका, मामा 14 वर्ग में लागमां है और बगके चीनमहात्रे में बार लेश लेश रना पही है। परमकाम काश्यम लेश नाश्यास सर्वेषु महक सनाम पास सर्वेष वरिमान कर्ते हैं । काम- क्षम क्षमाहरू कारा काम जाना की गृहित किया जाना है कि उन्हें संगय कारीका के जिल्हा हो। व करायत पह र गुनाम तरह मुसी ब्रीते में क्षेत्र ग्रमणक बंद मंद्र कहा समाजनत यह प्रशासनत वित्त 🦿 🕒 🕡 की हरा श्रमापन में इरका हीता र कर सकता है। क्या त जीता मार अपास करने मात्री सम र से लाई काचा पीमाना भारतमा नाम ग्राम नाम नाम नामि पा र स्व कर किया जागेमा ।

पुत्र **विकास ५ ३३ म**ें की साम इस्लामा जा सीहरू पाम का का करती हथा ।

mit#f |

91.114[14] महात्र गामाहता द्वितीय गेंगा ध्येत्रहा ।

म भक्त का मीला गाम गामी महासक मगावती, 😿 🖯 लाव जोगहर

व मुक्क्ष्मा संस्थित क्रालकात में। ।।। क्यांगय संस्थाप संस्थाप चावार गतान हार शीना जलाही अहगान च जिला गीमका

व्यासनी संस्कृति केनी, किल्या रसेश जान पूत्र रासाय पान प्राप्तनी ब्रामी वेजी, चीमानी मन्त्रा नेजी पूर्वा समय माना है। गोला रामानी

maf#

शास बनना क्या कः पूत्र समन राम जिनामी द्वार मीना भगानी लक्षीत व विमान्त्रेगका ।

क्षण्याह मुख्यमा चनकान कानाचे परणाकी थी कप चन्य मार्गिक भूमी जावणा महाला हार सीका चलावी, सहसील व जिला गांगहा घरमा उस भर्त में जापना है भीर इनके जीवित होते के बार कोई युनता नहीं है। कृत्यकाष्ट्र करायात में । ।।। महान् सार कहत भीतवी गांहकी देवी गावि भारमाण वर्ते हैं। सन वर्ग रक्तहार बारा थान नवना की युचिन रिया जाना है कि उन्हें अन् जान उपरोक्त क जिल्हा होते व बरासन महक नीमारी गीलही आणि चान्याम के लांगे में कोई एमहा ज ही तो यह समाजमत या मुकालम्य निर्मितः १८ ८८ को द्वस समालम में बाका होका का मकता है। वसुरतः जीसरः यतः नरका कारवाई धमल में लाई आवेती । कैंसला बरासत बहर भीगणी संसुद्धी थानि वास्ताम फरविया त्रावेशा ।

भाग दिलांक ६८ () अर्थ । मेरे हुक्तलकर व मोहर धना छ। मेर मारी Rett 1

nint . i

nemintent. सहामक यसाहः। ब्रिमीम थेगी, rieret i

व अवानगं अक्षांतक गंगावंगी जनगं नेनी, वश्यक, तिला व्रयीश्या

विश्वम मंत्र

minift min felt 7 12 1987

कोल्लम विस सूर्य कायू राग, वागी निवर्णी, मणा पाल्लम, सहसीय

मीहर ।

बडमर जिना हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

वागीर सिंह, मत्यदेव, कमला देवी, मृन्दर पुत्र ग्वाबा, हरीचन्द, भूमर बन्द, प्रेम बन्द, ज्ञान बन्द, कम बन्द, कांगो राग, दलीपू, रोजन, कम्मोरा पुत्र रमल, दसा राम, रिखी राम, श्रीमती चाना देवी, रानी देवी, कमला देवी पूर्वीयान रभल, डिफो, बिधि चन्द, केवल राम, जुलफी राम, चरणदाम, चुन्तू राम, निका राम, रत्न चन्द, बोहरा, कांशी राम, निक्, निका दुर्गी देवी, मायत्री देवी, विजय कुमार, सनोप कुमारी, समना देवी, प्रोमीला देवी, गरीब, धनन्त राम, चन्द्र, वामीयान ठमाणी मंझती, तप्पा लोहडर, तहसील वडसरे व सरकार बजरीया कुलैक्टर हमीरपुर. हिमाचल प्रदेश ।

क्षरस्वासत् बामुराद नकसीम झराजी मृन्दर्जा, खाता नम्बर 17. खतौनी नं ८ 20 ता 47 बनरा नम्बरान किता 66, रकवा नादादी 114 कनाल 13 मरले, रक्बा मजरूपा दाखल वाच्छ, गैर मजरूपा, रवारज वाच्छ मृन्दरजा जमाबन्दी 1981-82. वाक्यः टीका ठमाणी, मझली, तथ्या नोहडर, तहसील बडसर।

उपरोक्त मकदमा में उपरोक्त फरोकैन दोयम को कई बार समन जारी किए गए व मृत्रवी मन्यादी भी करवाई गई परन्तु वह निश्चिन तारीक पेत्रो पर हाजर ब्रदालत न का रहे हैं। ब्रतः ब्रब बजरीया राजपत इश्तहार समस्त फरीकैन दोयम की मूचित किया जाता है कि वह दिनाक 7-12-87 प्रात 10,00 बजे इस धदालत में धमालतन या वकालतन हा बर होकर मकदमा की पैरवी करें अन्यया एक पक्षीय कार्यवाही समल में लाई माएगी ।

हस्ताक्षर मेरे व मोहर घदालत ने बाज दिनाक 23-10-87 को जारी हमा ।

राज् राम श्रीमान, महायक समाहर्ता, प्रधम श्रेणी, वडमर।

त्याचा तय भोमती उपमा बीसरी एबोरटी मन्डर पेमैन्ट खाक

वेजिज एक्ट, 1936 और सन, जिला जिसता, हिमाचन प्रदेश ।

। भी नैन निह पुत भी गर्द, ग्राम करावग, परगना क्लोग, नह तो न बिनाई, जिला निरमौर, हियाचन प्रदेश।

2. श्री रनी राम पुत्र श्री राम दत, क्षाम भगावन, परनता बतीन, नहसीन जिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश

 श्री देई राम पुत्र श्री बृद्धिया, निवासी प्रवास, वरनना हामल. तहसील चौराच, जिला शिमचा, हिमाचन प्रदेश नोटिम बनाम :

श्री टीका गम पुत्र था मगती. निवामी बरावम, तहसील बिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

2. श्री चन्दन सिंह पुत्र श्री वतिया, निदासी दिन्दी, रहनी व निवाद, जिवा निरमीर, हिमाचन प्रदेश।

3. श्री मीतः राम पुत्र श्री कटिया, निवासी मरावग, नहमान मिताई, विशा निर्तिर, हिमाचन प्रदेश।

4. श्री (क मृ पुत नानकृ, निवासी मरावग, नहरा निवाई, जिला सिन्मीर, हिमाचन प्रदेश।

 श्री तेलू पुत्र श्री बद्द. निवासी जरावन, तहसोत मिताई. जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

 श्री कल्याण सिंह पुत्र श्री मोना राम, निवानी गरावन, तहमो व नि गई. जि रा विरमीट, हिमाब व प्रदेश।

श्री दौनन राम पुत्र श्रो धन्, निकासी पावरी, नहमो विक्ताई,

जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

 श्री सही राम पुत्र श्री किन्या, निवासी मरावय, तहसीन जिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश। 9. श्री बनिया पुत्र श्री धना, निवासी मृनारी, तहसी र शिलाई,

जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश ! 10. श्री देवदू पुत्र श्रा बिन्जू, निवासी विवरीनो, परवना मतोना,

तहसीन चौराल, जिना शिमला हिमाचल प्रदेश।

11. श्री तेल पुत्र श्री कनम, निवासी पंडोग, नृहसान जिलाई, जिला मिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

12. श्री कांको राम पुत्र श्री मुखिया, निवासी जरावग, शिलाई, जिला भिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

 श्री हीरा पुत भी जेठू, निकानी गराक्य, तहमीर गिचाई, जिला सिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

14. श्री ख्यान् पुत्र श्री तंस्रक, निवासी गराबन, तहसीन जिलाई, जिला सिरमीन, हिमाचल प्रदेश। श्री मोहतू पुत्र श्री कोलट्, निवासी बदीयार, तहसील जिलाई.

जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश। 16. श्री किनया पुत्र श्री मोहत्, निवासी बदीयार, तहसील शिताई,

जिला मिरमीर, हिमाबन प्रदेश। 17. श्री रततू पुत्र श्री मोहतू, निवासी वदीयार, तहस्रोल णिलाई, जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

18 श्री ध्यान सिंह पूर्व श्री शोभ राम, निवासी डिमठी, तहर्स/न जिलाई, जिला सिन्मीर, हिमाबल प्रदेश।

19. श्री सौगू पुत्र श्री धंगू, निवासी पवारी, तहसीत मिनाई: जिला सिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

 श्री गंगा राम पुत्र थी मांतो राम. निवासी गंगोरं: तहसील¹ जिलाई, जिना तिरमीर, हिमाचन प्रदेश।

21. श्रा धंगु पुत्र श्री मांलू राम, निवासी पनोगी, तहमील जिलाई, जिला सिन्मीर, हिमाचन प्रदेश।

22. श्रो भीम सिंह पुत्र श्री कालू राम, निवासी गरावग, तहसीन शिवाई, जिला मिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

23. और बंसी ए.म पुत्र भी मीना राम, निवासी णरावग, तहसील शिवाई जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

24. श्री मनी राम पुत्र श्री मुपा राम निवासी डिमडी. नहसील जिलाई, जिना निरमीर, हिमाचन प्रदेम।

25. श्रो वारु राम पुत्र श्रो जटू राम, निवासी गरोग, नहसीच शिलाई, जिना सिरमीर, हिमाचन प्रदेश। 26. श्री मदन सिंह पुत्र श्री जांगा राम, निवासी डिमठी. नहमील

जिनाई, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश। 27. श्री मन्त राम पुत्र श्री घरन सिंह, निवासी डिमटो प्रेडमील

शिलाई, जिना सिरमार, हिमाचल प्रदेश। 28. श्रा मूजिया पुत्र श्री साहिन्, निवासी डिमठी, तहसीन शिनाई.

जिता सिरमौर, हिमाचन प्रदेश। 29. श्री जबाहर सिंह पुत्र श्री महीकृ, निवासी डिमठी, तहसील

क्रिनाई, जिता सिरनीए, हिनाचन प्रदेश। 30. श्री गुनाबू पुत्र श्री नन्ता, निवासी डिमर्ठा, नहसील शिलाई,

बिना सिरमीर, हिमाचल प्रदेश।

नैन सिंह व रती राम प्राचींगण । ता 2 ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र जेर भाईर । रूत 8 जावता दीवानी इस न्यायालय में गुजार रना है। कि उत्रोक्त प्राधींगण । ता 30 तक जोकि इस न्यायात्रय की सीमा से बाहर रहते है तथा उन की सनन से तामील करवाना मुझकित है उनकी और से सबंधी नैन सिंह व रती राम ने दई राम फरीकदोयम के खिलाफ जेर धारा 15(2) पेमैन्ट ग्राफ वैजिज ऐक्ट, 1936 पु0 13, 434 रुपये का दावा कर रखा है।

श्चनः प्राथमिण उपरोक्त । ता 30 को इन्तहार हजा से सूचित किया बाना है कि मकदमा में अगली नारीना पेशी मिति 3-12-87 की निश्चित की गई है। जिस में उनकी भ्रोर से सर्वश्री नैन सिंह व रनी राम पैरबो करेंगे तथा धवलो नारीख पेणियों में भी उनकी भीर से पैरबो

दितांक 23-10-87 को मेरे हस्ताजर व मोहर प्रदानन में जारी कियाँ

उपमा.

चयोरिटी. भन्दर पेर्मेन्ट साफ वैजिज ऐक्ट्र

चौपा न. जिला शिमला।

नाय 6---नारतीय राज्यत इत्यादि में से पुनः प्रकाशन मृत्य

नाम 7—नारतीय निर्माचन कायोग (Election Commission of India) को वैधानिक अधिसूचनाएं निर्वाचन सम्बन्धी अविस्वनाएं

सभ्य धनुपुरक चुन्य

नियन्त्रक, मूहण तथा लेखन सामग्री, हिमाचन प्रदेश, सिममा-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाणित